04 जुलाई 2025
शुक्रवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

नौकरी के बदले 75 हजार का घूस लेते कार्यपालक अभियंता गिरफ्तार

4

किसी मुद्दे पर सरकार मूल ढांचा नहीं बना रही, तो दखल जरूरी : जस्टिस सिंह

- कार्यस्थल पर महिलाओं को सुरक्षित माहौल मिलना बेहद जरूरी
- महिलाओं को डर और असुरक्षा का माहौल मिलेगा, वहां उनकी रचनात्मकता और दक्षता होगी प्रभावित

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के जज एन कोटिश्वर सिंह ने एक कार्यक्रम में कहा कि अगर सरकार किसी जरूरी मुद्दे पर कोई बुनियादी ढांचा तैयार नहीं कर पाती, तो इसमें कोई बुराई नहीं कि कोर्ट खुद रास्ता दिखाए। उन्होंने यह बात दिल्ली हाई कोर्ट में महिलाओं के कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायतों के लिए बने नए डिजिटल पोर्टल के लॉन्च के मौके पर कही। जस्टिस सिंह ने कहा कि अक्सर कोर्ट पर यह आरोप लगता है कि वह कानून बनाने वाले संसद या विधानसभाओं के काम में दखल देता है। लेकिन सच ये है कि जब सरकारें जरूरी कानून या व्यवस्था नहीं बना पातीं, तो कोर्ट को दखल देना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह हमारी न्याय प्रणाली का हिस्सा बन चुका है, जहां कोर्ट समय-समय पर दिशा-निर्देश देकर स्थिति संभालता है।

कार्यस्थल महिलाओं के लिए सुरक्षित होना जरूरी कार्यक्रम के दौरान जस्टिस सिंह ने कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं को सुरक्षित माहौल मिलना

बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि जहां महिलाओं को डर और असुरक्षा का माहौल मिलेगा, वहां उनकी रचनात्मकता और दक्षता प्रभावित होती है। उन्होंने दिल्ली बार काउंसिल में महिलाओं के लिए आरक्षण का भी उदाहरण दिया और बताया कि यह कोई कानून बनाकर नहीं, बल्कि कोर्ट के फैसले से संभव हुआ।

यौन उत्पीड़न महिलाओं के लिए सबसे बड़ा खतरा : जस्टिस सिंह ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न न केवल उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाता है, बल्कि यह उनके काम की क्षमता पर भी असर डालता है। यह हमारे संविधान में निहित समानता, स्वतंत्रता और न्याय के मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधों पर सख्त कार्रवाई जरूरी है ताकि समाज में महिलाओं को बराबरी का स्थान मिल सके। जस्टिस सिंह ने खुशी जताते हुए कहा कि जिला न्यायपालिका में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। उन्होंने मजाक में कहा कि जिस तरह से महिलाओं की भर्ती हो रही है, ऐसा लगता है कि पुरुषों की संख्या कम होती जाएगी। उन्होंने इसे देश में महिलाओं की स्थिति में आ रहे सकारात्मक बदलाव का संकेत बताया।

लड़कों को भी समझाना जरूरी: जस्टिस डी के उपाध्याय :दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस डी के उपाध्याय ने कहा कि सिर्फ "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" की बात करने से काम नहीं चलेगा, अब "बेटी बचाओ, बेटा पढ़ाओ" पर भी ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि लड़कों को भी महिलाओं के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता सिखाने की जरूरत है। यौन उत्पीड़न की घटनाओं पर समाज अक्सर चुप्पी साध लेता है, जिसे तोड़ना बेहद जरूरी है।

डिजिटल पोर्टल से बढ़ेगी पारदर्शिता : कार्यक्रम में हाई कोर्ट की जस्टिस प्रतिभा एम सिंह ने कहा कि यह डिजिटल पोर्टल यौन उत्पीड़न की शिकायतों के निपटारे में पारदर्शिता और सुविधा लाएगा। अब कोई भी शिकायत सीधे संबंधित आंतरिक समिति तक पहुंचेगी। इससे पीड़ितों को न्याय पाने में आसानी होगी और कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

स्थापित संस्था लेगी दलाई लामा के उत्तराधिकारी का फैसला : मंत्री किरेन

एजेंसी/नई दिल्ली

अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को कहा कि अगले दलाई लामा पर निर्णय सिर्फ और सिर्फ स्थापित संस्था व दलाई लामा लेंगे। बौद्ध धर्म के अनुयायी रिजिजू और उनके साथी केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह छह जुलाई को धर्मशाला में दलाई लामा के 90वें जन्मदिन के अवसर पर भारत सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि अगले दलाई लामा पर निर्णय सिर्फ और सिर्फ स्थापित संस्था व दलाई लामा लेंगे। उन्होंने कहा कि इस फैसले में कोई और शामिल नहीं होगा। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने कहा था कि दलाई लामा संस्था जारी रहेगी और केवल गादेन फोडरंग ट्रस्ट को ही संस्था के भावी उत्तराधिकारी को मान्यता देने का अधिकार होगा। रिजिजू ने कहा कि दलाई लामा बौद्धों के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण और परिभाषित संस्था हैं। उन्होंने कहा कि और दलाई लामा को मानने वाले सभी लोगों की राय है कि उत्तराधिकारी का फैसला स्थापित परंपरा के और दलाई लामा की इच्छा के अनुसार होना चाहिए। उनके और मौजूदा परंपराओं के अलावा किसी और को इसे तय करने का अधिकार नहीं है। चीन ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता दलाई लामा की उत्तराधिकार योजना को खारिज कर दिया और जोर देकर कहा कि भावी उत्तराधिकारी को उसकी मंजूरी मिलनी चाहिए।

खबरें फटाफट

नाडी में डूबने से तीन बच्चों की मौत

रायपुर मारवाड़ (पाली)। कानूजा गांव में गुरुवार को बरसाती पानी से भरी नाडी में डूबने से तीन मासूम बच्चों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब पांच बच्चे जंगल में भेड़-बकरियां चरा रहे थे। मृतकों की पहचान जितेंद्र सिंह (12) पुत्र मोहन सिंह, खुशी (13) पुत्री सोहन सिंह और राहुल सिंह (13) पुत्र लक्ष्मण के रूप में हुई। राहुल और खुशी चचेरे भाई-बहन थे। नाडी के पास से गुजरते समय अचानक एक बच्चे का पैर फिसल गया और वह पानी में डूबने लगा। उसे बचाने की कोशिश में दूसरा और फिर तीसरा बच्चा भी गहरे पानी में चला गया।मौजूद दो अन्य बच्चों ने भी उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए। उनकी सूचना पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण घटनास्थल पहुंचे तथा बच्चों को पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थी। मृतक बालकों के शव कानूजा अस्पताल ले जाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंपे। हादसे में जान गंवाने वाले तीन बच्चों में दो चचेरे भाई-बहन थे, जबकि तीसरा भी उन्हीं का रिश्तेदार था। मृतक राहुल और खुशी चचेरे भाई-बहन थे, वहीं जितेंद्र रिश्ते में भाई था। तीनों बच्चे स्थानीय विद्यालय में अध्ययनरत थे। राहुल अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था।

हाफिजपुर थाना क्षेत्र में बुलंदशहर-हापुड़ रोड पर हुई बड़ी दुर्घटना, मची अफरातफरी

हापुड़ में दर्दनाक हादसा: तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को रौंदा, 4 बच्चों समेत पांच की मौत

एजेंसी/हापुड़

उत्तर प्रदेश के हापुड़ में देर शाम एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। यहां के हाफिजपुर थाना क्षेत्र में बुलंदशहर-हापुड़ रोड पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार और चार बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक सवार चार बच्चों के साथ मुरशदपुर के स्विमिंग पूल से घर वापस आ रहा था। इस हादसे के बाद पूरे इलाके में कोहराम मच गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हापुड़ नगर कोतवाली क्षेत्र के मौहल्ला रफीक नगर में रहने वाले 36 साल का दानिश अपनी दो बेटियों महिरा (उम्र 6 वर्ष), समायरा (उम्र 5 वर्ष), भाई के बेटे समर (उम्र 8 वर्ष) और पड़ोसी की बच्ची माहिरा (उम्र 8 वर्ष) को लेकर मुरशदपुर स्थित स्विमिंग पूल में नहाने गया था। लौटते समय दानिश चारों बच्चों को एक ही बाइक पर बिठाकर वापस घर की ओर जा रहा था। इसी दौरान ये हादसा हो गया।

तेज रफ्तार ट्रक ने मारी टक्कर

बताया जा रहा है कि दानिश जैसे ही बुलंदशहर-हापुड़ रोड पर पहुंची, तभी एक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गई। जिससे दानिश और चारों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस आनन-फानन में सभी को देवनंदनी अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। इस घटना की खबर मिलते ही सभी परिवारों में कोहराम मच गया है. परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल है। एएसपी विनीत भटनागर ने कहा कि इस हादसे में चार बच्चों समेत पांच की मौत हो गई है। पुलिस ने वाहन को अपने कब्जे में ले लिया है। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। इस मामले की जांच की जा रही है। आरोपी ट्रक चालक की भी तलाश की जा रही है। एसपी ने बताया कि आसपास के सभी सीसीटीवी कैमरा को खंगाला जा रहा है। जल्द ही ट्रक चालक पुलिस की गिरफ्त में होगा।

अमृतसर में दर्दनाक हादसा, तेज रफ्तार कार ने ऑटो को मारी टक्कर, चार की मौत

अमृतसर। अमृतसर-तरनतारन रोड स्थित गुरुद्वारा टाहला साहिब के समीप देर शाम एक तेज रफ्तार कार और ऑटो की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस भीषण सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।मृतक की पहचान ऑटो चालक लाभ सिंह निवासी चाटिविंड, बलजिंदर कौर निवासी दविंदर नगर तरनतारन रोड, हरभजन सिंह गांव भुल्लर हांत जिला अमृतसर के रूप में हुई है।जानकारी के मुताबिक, आटो में सवार कुल नौ सवारियां थीं जो अपने घर अमृतसर की ओर लौट रहे थे। रास्ते में गुरुद्वारा टाहला साहिब के पास तरनतारन की ओर जा रही तेज रफ्तार स्विफ्ट कार नंबर डीएल 3सी बीयू 7133 अनियंत्रित कार ने सामने से आ रहे ऑटो पीबी 02 ईएल 8194 में जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया, जिससे ऑटो चालक लाभ सिंह निवासी चाटिविंड, बलजिंदर कौर निवासी दविंदर नगर तरनतारन रोड, हरभजन सिंह गांव भुल्लर जिला अमृतसर की मौके पर ही मौत हो गई।जबकि अन्य एक व्यक्ति ने अस्पताल में उपचार दौरान दम तोड़ दिया। ऑटो में सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि कार चालक को भी गंभीर चोटें आई हैं, जिन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटनास्थल पर मची अफरा-तफरी

हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, कार तेज रफ्तार गलत साइड से आ रही थी और चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे यह हादसा हुआ। जाम की सूचना मिलते ही थाना चाटीविंड पुलिस मौके पर पहुंची जख्मी लोगों को अस्पताल पहुंचाया।पुलिस ने मृतक के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शवों को परिजनों को सौंप दिया जाएगा। थाना प्रभारी हरसिमरनजीत कौर ने बताया कि कार और ऑटो की टक्कर में चार लोगों की मौत हुई है, जबकि कार चालक सहित छे अन्य घायल हैं।घायलों का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने हादसे में क्षतिग्रस्तऑटो तथा कार को जब्त कर लिया है। उन्होंने कहा कि घायलों के बयान दर्ज करने के बाद बनती कारवाई की जाएगी।

बोले केजरीवाल... बिहार में अकेले विधान सभा चुनाव लड़ेगी आप पार्टी

महागठबंधन लोकसभा के लिए था अब कुछ नहीं

पटना। आम आदमी पार्टी बिहार में अकेले चुनाव लड़ेगी। पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था। अब हमारा किसी से कोई गठबंधन नहीं है। केजरीवाल गुजरात के दो दिन के दौरे पर अहमदाबाद पहुंचे। यहां उन्होंने पार्टी के सदस्यता अभियान की शुरुआत की। केजरीवाल ने कहा कि गुजरात के विसावदर उपचुनाव में हमने कांग्रेस से अलग लड़कर तीन गुना ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा कि यह जनता का सीधा संदेश है कि अब विकल्प आम आदमी पार्टी है। आगे गुजरात में चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। दिल्ली में हार पर कहा कि ऊपर-नीचे होता रहेगा। पंजाब में हमारी सरकार दोबारा बनेगी। भाजपा की सरकार ने गुजरात को बर्बाद कर दिया है। सूरत समेत कई शहर पानी में डूबे हुए हैं। किसान, युवा और व्यापारी समेत सभी वर्ग परेशान हैं। इसके बाद भी बीजेपी गुजरात में जीतती आ रही है, क्योंकि लोगों के पास विकल्प नहीं था। कांग्रेस पार्टी को बीजेपी को जीत दिलाने के लिए ठेका दिया जाता है। अब आम आदमी पार्टी आ गई है। आम आदमी पार्टी को लोग एक विकल्प के रूप में देख रहे हैं। विसावदर में जिस तरह से लोगों ने वोट दिया। ये माहौल, ये गुस्सा पूरे गुजरात के लोगों के अंदर है। मैंने कई जगह लोगों से बात की। लोगों में इसी तरह का गुस्सा है। यही गुस्सा विसावदर में देखने को मिला।

बीजेपी ने कांग्रेस को भेजा था कि इनके वोट काटो। कांग्रेस ने ठीक से काम नहीं किया। बीजेपी से कांग्रेस वालों को खूब डांट पड़ी। इंडिया गठबंधन को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में केजरीवाल ने कहा- वह अलायंस लोकसभा के लिए था। अब हमारी तरफ से कुछ नहीं है। पार्टी की सदस्यता के लिए केजरीवाल ने नंबर जारी कर कहा कि इस पर मिस्ड कॉल देकर आम आदमी पार्टी से जुड़िए। उन्होंने आगे कहा कि विसावदर उपचुनाव में जनता ने हम पर भरोसा किया है। अगर गुजरात का विकास करना है तो युवाओं को हमारे साथ जुड़ना चाहिए। मुझे सिर्फ दो साल दीजिए, ये हवन है, इसमें आहुति दीजिए।

आसाराम की जमानत एक महीने और बढ़ाई गई

एजेंसी/अहमदाबाद

गुजरात हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे धर्मगुरु आसाराम की अस्थायी जमानत एक और महीने के लिए बढ़ा दी है। आसाराम को 2013 के एक दुष्कर्म केस में उम्रकैद की सजा मिली है और वह मेडिकल ग्राउंड पर फिलहाल जमानत पर है। गौरतलब है कि इससे पहले मंगलवार (1 जुलाई) को राजस्थान हाईकोर्ट ने आसाराम की अंतरिम जमानत को 9 जुलाई तक बढ़ा दिया है। जस्टिस ईलेश वोरा और पीएम रावल की पीठ ने आसाराम की जमानत में एक महीने की और मोहलत दी। इससे पहले कोर्ट ने 28 मार्च को उन्हें अस्थायी जमानत दी थी, जो 30 जून को समाप्त हो रही थी। कोर्ट ने पहले 7 जुलाई तक अंतरिम जमानत दी थी। हालांकि,

आसाराम के वकील ने कोर्ट से तीन महीने का और समय मांगा था, लेकिन कोर्ट ने साफ कर दिया कि सिर्फ एक महीने की ही मोहलत दी जा रही है और यह आखिरी एक्सटेंशन है।

सुप्रीम कोर्ट से मिली थी अंतरिम राहत : सुप्रीम कोर्ट ने 86 वर्षीय आसाराम को 31 मार्च तक मेडिकल आधार पर अंतरिम जमानत दी थी और निर्देश दिया था कि आगे की राहत के लिए गुजरात हाईकोर्ट में याचिका लगा सकता है। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान दो जजों की भिन्न राय आने पर मामला तीसरे जज को सौंपा गया था, जिन्होंने उन्हें तीन महीने की अस्थायी जमानत दी थी।गांधीनगर की अदालत ने जनवरी 2013 में आसाराम को एक महिला शिष्या के साथ लगातार दुष्कर्म करने के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। पीड़िता सूरत की रहने वाली थी और 2001 से 2006 के बीच अहमदाबाद के मोटेरा आश्रम में रहती थी। उसी दौरान उसने आरोप लगाया कि आसाराम ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया।

तेज बारिश के चलते रोकी गई चार धाम यात्रा

देहरादून। उत्तराखंड में तेज बारिश को देखते हुए चारधाम यात्रा को अस्थाई रूप से रोक दिया गया है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जब यात्रा मार्ग श्रद्धालुओं के लिए पूरी तरह से सुरक्षित होगा, तभी आगे यात्रा शुरू की जाएगी। उत्तराखंड में केदारनाथ मार्ग पर बुधवार रात सोनप्रयाग के पास लैंडस्लाइड हुई और रास्ता बंद हो गया। इस दौरान 40 श्रद्धालु फंस गए। मौसम विभाग ने राजस्थान-मध्य प्रदेश समेत 11 राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया

सुप्रीम कोर्ट ने बीमा कंपनियों को अनिश्चित हद तक जिम्मेदार नहीं ठहराया

लापरवाही से हुई सड़क दुर्घटना तो नहीं मिलेगा बीमा का लाभ

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सड़क दुर्घटनाओं और बीमा दावे से जुड़ी एक बड़ी मान्यता दी है। इस फैसले में कोर्ट ने बीमा कंपनियों को अनिश्चित हद तक जिम्मेदार नहीं ठहराया है, बल्कि मोटर व्हीकल संबंधित नियमों के अनुसार दायित्व तय किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने सड़क दुर्घटनाओं और बीमा दावे से जुड़ी एक बड़ी मान्यता दी है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि अगर कोई व्यक्ति लापरवाही से गाड़ी चला रहा हो, जैसे तेज रफ्तार या स्टंट के दौरान और

उसकी इस वजह से घटना घटती और मृत्यु होती है, तो बीमा कंपनियां उसे मुआवजा देने के लिए बाध्य नहीं हैं। इस फैसले में कोर्ट ने बीमा कंपनियों को अनिश्चित हद तक जिम्मेदार नहीं ठहराया है, बल्कि मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 147 और संबंधित नियमों के अनुसार दायित्व तय किया गया है। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और आर महादेवन की खंडपीठ ने पुष्टि की कि खुंटे हुए नियमों, ओवरस्पीड या लापरवाही का दोषी रहा मृत व्यक्ति बीमा दावा का पात्र नहीं हो सकता। इन शर्तों को स्पष्ट करते हुए, यह कहा गया कि मृतक की अपनी गलती से मृत्यु हुई हो तभी बीमा कंपनियों की ज़िम्मेदारी समाप्त हो जाती है। किसी बाहरी ताकत या दुर्घटना के अनिवार्य कारण से हुई घटनाओं में ही मुआवजे का दायित्व बनता है। मूल विवाद एनएस रविशा नामक व्यक्ति की है, जो 18 जून 2014 को तेज रफ्तार में कार चला रहा था। वह मल्लासंद्रा गांव से अरसीकेरे शहर जा रहा था। अचानक माइलनाहल्ली गेट के पास वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और कार पलट गई, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। शुरूआती जांच रिपोर्ट में पुलिस ने स्पष्ट किया कि वह लापरवाही और तेज गति से कार चला रहा था। मृतक के परिवार पत्नी, बेटे और माता-पिता ने यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी से 80 लाख रुपये मुआवजे की मांग की थी। उनका दावा था कि रविशा एक ठेकेदार था, जिसकी मासिक आय लगभग 3 लाख रुपये थी।

खतरे की घंटी: बक्सर में तेजी से बढ़ रहा है गंगा नदी का पानी, 52.68 मीटर पर पहुंचा जल स्तर

पहाड़ों पर भारी बारिश और लगातार बादल फटने से बक्सर में मंडराया बाढ़ का खतरा

- जिले में कई जगहों पर हो रहा है कटाव, सहमे है तटीय इलाके के लोग
- डीएम ने अधिकारियों के साथ किया सिमरी प्रखंड के केशोपुर में कटाव का निरीक्षण, दिए कई आवश्यक निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

पिछले लंबे समय से पहाड़ो में हो रही भारी बारिश तथा बादल फटने की घटना से गंगा नदी उफनाने लगी है। बक्सर में भी गंगा ने रफ्तार पकड़ ली है। गंगा के इस रूप को देखते हए तटीय इलाके के लोग सहम गए है, वहीं जिला प्रशासन बाढ़ के संभावित चुनौतियों से निपटने में जुट गया है।

केन्द्रीय जल आयोग से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को गंगा आठ सेमी प्रति घंटा की स्पीड से बढ़ रही थी, जबकि गुरूवार को यह स्पीड पांच सेमी प्रति घंटा हो गया था। सुबह 11 बजे तक गंगा 52.68 मीटर तक पहुंच गई थी। हालांकि, अभी चेतावनी बिंदू से गंगा काफी नीचे है, लेकिन जल स्तर तेजी से बढ़ रहा है। जिस कारण अगले कुछ दिनों में इसे चेतावनी बिंदू या खतरे के निशान को पार करने की संभावना बनी हुई है।

तटीय इलाके के लोगों की बढ़ गई है चिंता : गंगा के जल स्तर में लगातार वृद्धि होने से तटीय इलाके के लोगों की चिंता बढ़ गई है। खासकर उन्हें अपने परिवार के साथ ही पालतू पशुओं के रख-रखाव व चारा-पानी की चिंता बढ़ गई है। वहीं, गुरूवार को तेजी से बढ़ रही गंगा के कारण रामरेखा घाट, जहाज घाट, नाथ घाट के अलावे चौसा के कई घाटों की सीढ़िया डूबने लगी है। जल स्तर बढ़ने से अब गंगा घाट खतरनाक बनने लगे है।

दियारा इलाके में तेज हुआ कटाव, डीएम ने लिया जाएगा: गंगा के जल स्तर में वृद्धि के साथ ही दियारा इलाके में कटाव तेज हो गया है। पिछले कुछ दिनों से सिमरी प्रखंड के केशोपुर महाबीर घाट पर कटाव हो रहा था। इसकी जानकारी मिलते ही गरुवार को जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह पूरे लाव लश्कर के साथ मौके पर पहुंचे तथा कटाव का निरीक्षण कर कई आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने मौके पर मौजूद बाढ़ नियंत्रण विभाग के कार्यपालक अभियंता कन्हैया लाल को कटाव रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने तथा सैंड बैग आदि डालने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने इस दौरान बाढ़ पूर्व की तैयारियों का जायजा लिया तथा बाढ़ आने पर प्रभावित लोगों के वैकल्पिक आवासन, उनके भोजन, जरूरी दवाईयां तथा पशुओं के लिए चारा आदि की व्यवस्था पहले से कर लेने का निर्देश दिया। मौके पर उपस्थित ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि केशोपुर महाबीर घाट के अलावे भी कई जगहों पर कटाव शुरू हो गया है।

बाढ़ से डरने के बजाए हमें उस चुनौती से निपटने का प्रयास करें: जिलाधिकारी द्वारा उक्त स्थल का निरीक्षण भी किया गया। उन्होंने लोगों से कहा कि बाढ़ से डरने के बजाए हमें उस चुनौती से निपटने का प्रयास करना चाहिए। जिला प्रशासन इस ओर मुश्तैद है। जिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ आने पर पहले से सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। इस दौरान उनके साथ डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार, डीसीएलआर सज्जाद, बाढ़ नियंत्रण विभाग के कार्यपालक अभियंता कन्हैया लाल, सिमरी बीडीओ लोकेन्द्र कुमार यादव, सीओ भवानी शंकर पांडेय समेत कई कर्मी व ग्रामीण मौजूद थे।

सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में रखें जरूरी दवाएं: डीएम

- आपदा प्रबंधन की बैठक कर जिलाधिकारी ने तैयारियों को परखा

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह की अध्यक्षता में गुरूवार को बाढ़ से पूर्व तैयारियों से संबधित आपदा प्रबंधन की बैठक समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में आयोजित की गई।

बाढ़ से पूर्व सभी आवश्यक तैयारी के लिए जिलाधिकारी ने सभी प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, सदर अस्पताल बक्सर, अनुमंडलीय अस्पताल डुमरांव आदि अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में जीवन रक्षक दवा इत्यादि की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। साथ ही बच्चों, वृद्ध, गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखने एवं चलन्त चिकित्सा दल एवं वाहन की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया।

जिलाधिकारी ने सभी अंचलाधिकारियों को स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी के साथ बैठक आयोजित कर आवश्यक तैयारियों के संबंध में सूचित करने एवं सुझाव प्राप्त करने का निर्देश दिया।

जबकि बाढ़ नियंत्रण विभाग के कार्यपालक अभियंता कन्हैया लाल को तटबंध की सुरक्षा विशेषकर संवेदनशील स्थलों जैसे उमरपुर, केशोपुर, बिहार घाट एवं ढाबी टोला पर सभी आवश्यक तैयारी ससमय करने का निर्देश दिया गया। साथ ही बाढ़ संसाधन जैसे पॉलीथीन शीट्स, टेंट, महाजाल, लाईफ जैकेट की उपलब्धता की समीक्षा कर सत्यापन करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में बाढ़ नियंत्रण विभाग के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि कुल 05 वलनेरेबुल स्थानों उमरपुर, केशोपुर, बिहार घाट, प्रबोधपुर का डेरा एवं ढाबी टोला पर कटाव निरोधक कार्य किया जा रहा है। संवेदनशील एवं अति संवेदनशील स्थलों पर प्रस्तावित एवं भरे हुए ईसी बैग की संख्या 89500 एवं बालू बोरा 4390 प्रमंडलीय गोदाम में सुरक्षित रखा हुआ है। डुमरांव अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार को गोताखोर की प्रतिनियुक्ति एवं स्थिति का सतत अनुश्रवण का निर्देश जिलाधिकारी ने दिया।

नैनीजोर के प्रबोधपुर डेरा व ढाबी में भी हो रहा है कटाव

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

गंगा का जल स्तर बढ़ने के साथ ही गंगा के तटीय इलाके में स्थित ब्रह्मपुर प्रखंड के नैनीजोर पंचायत अंतर्गत प्रबोधपुर डेरा व ढाबी गांव में भी कटाव होने लगा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले एक सप्ताह से कटाव हो रहा है, लेकिन दो दिन से रफ्तार बढ़ गया है। जिससे ग्रामीणों की चिंता भी बढ़ने लगी है।

बाढ़ के कारण होने वाली तबाही से अभी से सहमे लोग: ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से कटाव रोधी अभियान को चलाने की मांग की है। स्थानीय ग्रामीण गुरूवार को जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह के आने का इंतजार करते रहे, लेकिन वे नैनीजोर नहीं पहुंच सकें। वहीं, ग्रामीणों ने बताया कि बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधीक्षण अभियंता भी कटाव का निरीक्षण करने आ रहे है, लेकिन शाम तक वे भी नैनीजोर नहीं पहुंचे थे। जिस कारण ग्रामीणों की चिंता बढ़ते जा रही है। बता दें कि गंगा में बाढ़ आने पर नैनीजोर का ढाबी व प्रबोधपुर डेरा में सबसे अधिक तबाही मचती है। यही कारण है कि लोग अभी से ही सहमे हुए है।

इस बार बहुत पहले बढ़ने लगा है जल स्तर: बता दें कि इस बार गंगा का जल स्तर बहुत पहले बढ़ने लगा है। प्रायः ऐसा देखा जाता है कि बक्सर जिले में गंगा का जल स्तर जुलाई के आखिरी में बढ़ना शुरू होता है तथा अगस्त महीने में बाढ़ की विभिषीका देखने को मिलती थी, लेकिन इस बार जुलाई के शुरूआत से ही गंगा रौद्र रूप में आने लगी है।

जानकारों का कहना है कि इस बार मॉनसून समय पर आ गया है तथा पहाड़ो पर तेज बारिश होने के साथ ही दर्जनों बार बादल फटने की घटनाएं हुई है। उसी सैलाब के कारण गंगा उफान मारने लगी है।

एक नजर

रेल हादसे में युवक की मौत, सीमा क्षेत्र के विवाद में तीन घंटे पड़ा रहा शव

बक्सर। चौसा-बक्सर रेलखंड पर गुरुवार की दोपहर दर्दनाक हादसे में एक 30 वर्षीय युवक की जान चली गई। युवक सिकंदराबाद एक्सप्रेस ट्रेन से गिरकर पोल संख्या 671/9 के पास अप लाइन पर 76बी रेलवे गेट के समीप मृत पाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा होते ही युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही बक्सर जीआरपी और मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई, लेकिन शव को उठाने और कार्रवाई की जिम्मेदारी को लेकर दोनों के बीच क्षेत्राधिकार का विवाद शुरू हो गया।जीआरपी प्रभारी विजेंद्र कुमार का कहना था कि शव आउटर सिग्नल से बाहर मिला है, लिहाजा शव उठाने व पोस्टमार्टम कराने की जिम्मेवारी स्थानीय थाने की है। वहीं मुफस्सिल थाना पुलिस का तर्क था कि हादसा रेलवे ट्रैक के बीच में हुआ है, इसलिए मामला जीआरपी के अंतर्गत आता है।इस विवाद में तीन घंटे तक मृतक का शव ट्रैक के किनारे यूं ही पड़ा रहा। प्रशासनिक खींचतान को देख स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। लोगों ने प्रशासन की इस लापरवाही को मानवता के खिलाफ बताया और कहा कि चाहे मामला किसी का भी हो, प्राथमिकता इंसानियत होनी चाहिए। अंततः उच्च अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद मुफस्सिल पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। यह घटना न केवल प्रशासनिक तालमेल की कमी को उजागर करती है, बल्कि यह भी सवाल उठाती है कि ऐसे समय में आम जनता की संवेदनाओं और सम्मान की रक्षा कैसे होगी। मुफस्सिल पुलिस ने बताया शव की पहचान नहीं हो पाई है। थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव को नियमों के मुताबिक 72 घंटे तक सुरक्षित रखा जाएगा।

चरित्रवन स्थित तालाब में मिला युवक का शव, मौत के कारणों की तलाश में जुटी पुलिस

बक्सर। शहर के चरित्रवन स्थित मां काली मंदिर के समीप तालाब से गुरुवार सुबह एक युवक का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान वार्ड नंबर 5 निवासी दिनेश कुमार यादव के 36 वर्षीय पुत्र मनोरंजन कुमार उर्फ मनीष कुमार के रूप में हुई है, जो बीती देर शाम से लापता थे। स्थानीय लोगों ने तालाब में शव देखे जाने की सूचना वार्ड पार्षद दीपक सिंह को दी। पार्षद ने तुरंत नगर थाना को घटना की जानकारी दी। सूचना पर नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को तालाब से बाहर निकलवाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मामले में नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि युवक की हत्या की गई है या मौत का कारण कुछ और है। घटना के बाद से पूरे इलाके में मातम का माहौल है और लोग विभिन्न कयास लगा रहे हैं। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। वहीं, इस घटना को ले इलाके में कई तरह की चर्चाएं हो रही है। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक स्वजनों ने किसी तरह की आशंका नहीं जताई है।

कार्रवाई: बाइक सवार दो शराब तस्कर गिरफ्तार, पांच बोतल अंग्रेजी शराब बरामद

केटी न्यूज/डुमरांव

जिले के कोरानसराय थाना क्षेत्र में शराबबंदी कानून के तहत स्थानीय पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने बाइक पर शराब लेकर आ रहे दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान सोनवर्षा गांव निवासी अरविंद कुमार और राहुल कुमार के रूप में की गई है। दोनों आरोपी एक ही बाइक पर सवार होकर मुख्य सड़क के रास्ते शराब की तस्करी कर रहे थे।

थानाध्यक्ष अमित कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्र में लगातार अवैध शराब कारोबार पर नकेल कसने के लिए विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस टीम जब सड़क पर वाहनों की जांच कर रही थी, तभी एक तेज रफ्तार बाइक को रोकने का इशारा किया गया। लेकिन पुलिस को देखकर बाइक सवार भागने की कोशिश करने लगे। संदेह के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को मौके पर ही पकड़ लिया। जब पुलिस ने बाइक की तलाशी ली, तो सीट के नीचे छिपाकर रखे गए पांच बोतल 750 एमएल का अंग्रेजी शराब बरामद हुआ। पुलिस ने बाइक और शराब को जब्त कर लिया है तथा दोनों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

मामले में थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब तस्करों पर निगरानी रखी जा रही है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

योग करने के दौरान ग्रामीण चिकित्सक की हार्ट अटैक से अचानक मौत, मची सनसनी

केटी न्यूज/सिमरी

मौत कब आ जाए कुछ कहा नहीं जा सकता है, गुरूवार को यह उक्ति सिमरी दुधीपट्टी गांव में चरितार्थ हो गई। हुआ यूं कि सिमरी दुधीपट्टी गांव में रहने वाले एक ग्रामीण चिकित्सक की मौत सुबह में योगाभ्यास के दौरान हो गई। योग करने दौरान ही वे गिर पड़े तथा पलक झपकते ही उनके प्राण पखेरू उड़ गए।

हालांकि, वहां मौजूद लोग तुरंत उन्हें उठाकर सिमरी सीचएसी ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद लोगों में इस बात की चर्चा होने लगी कि मौत का कोई ठीक नहीं, कब किसकी चली आए। ग्रामीण चिकित्सक की पहचान भोजपुर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ओसाई गांव निवासी 58 वर्षीय हृदयानंद राम के रूप में हुई है।

ग्रामीणों ने बताया कि वे लंबे समय से सिमरी दुधीपट्टी में रह ग्रामीण चिकित्सक के रूप में अपनी सेवाएं देते थे। ग्रामीणों का कहना है कि वे काफी नियमित दिनचर्या वाले थे तथा प्रतिदिन सुबह में मार्निग वॉक के अलावे योगाभ्यास भी करते थे। गुरूवार को भी सुबह में टहलने के बाद वे योगाभ्यास कर रहे थे। संभवतः उसी दौरान उन्हें हार्ट अटैक आ गया, जिस कारण उनकी मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर उनके स्वजन भी मौके पर पहुंचे। स्वजनों के क्रंदन चित्कार से माहौल गमगीन हो गया था। हालांकि, स्वजन पोस्टमार्टम कराए बिना ही शव लेकर चले गए।

थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय ने बताया कि स्वजन किसी तरह की आशंका नहीं जताए है तथा बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव लेकर चले गए है। उन्होंने कहा कि इस मामले में यूडी केस दर्ज किया जाएगा।

डीएम ने 20 जुलाई तक आपातकालीन प्रतिक्रिया सुविधा सह प्रशिक्षण केन्द्र का निर्माण पूरा करने का दिया निर्देश

बक्सर में तैनात होगी एसडीआरएफ की टीम: डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी डॉ. विद्या नन्द सिंह ने गुरवार को जिला आपातकालीन प्रतिक्रिया सुविधा सह प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि एकरारनामा के अनुसार निर्धारित अवधि के बाद भी कार्य पूर्ण नहीं हो पाया है। कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल बक्सर को निर्देश दिया गया कि 20 जुलाई तक हर हाल में कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही भवन में इलेक्ट्रानिक, फर्नीचर आदि सभी तरह के उपकरण शीघ्र प्राप्त कर उसे भी 20 जुलाई तक लगवाने का काम करें। जिला आपातकालीन प्रतिक्रिया सुविधा सह प्रशिक्षण केंद्र तक का पहुंच पथ क्षतिग्रस्त है। इस क्रम में कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य प्रमंडल बक्सर को निर्देश दिया गया कि पहुंच पथ की मरम्मति के लिए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करना सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि इस काम में लापरवाही बरतने पर संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। प्रभारी पदाधिकारी जिला आपदा प्रबंधन शाखा बक्सर को निर्देश दिया गया कि भवन में एसडीआरएफ टीम की प्रतिनियुक्ति हेतु विभाग को मांग पत्र भेजेंगे तथा शीघ्र बक्सर में एसडीआरएफ की टीम को तैनात करने का प्रयास करेंगे।

बता दें कि राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के स्थाई आवास के लिए प्रत्येक जिला में जिला आपातकालीन प्रतिक्रिया सुविधा सह प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण किया जा रहा है।

बक्सर जिलांतर्गत किसी आपदा एवं दुर्घटना की स्थिति में भोजपुर से एसडीआरएफ एवं बिहटा से एनडीआरएफ की मांग की जाती है। गंगा नदी के किनारे रामरेखा घाट, प्रमुख घाटों तथा अन्य जल स्त्रोतों के किनारे मुंडन, तनाव अन्य धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान, बाढ़ के दौरान किसी भी दुर्घटना की स्थिति में जिला आपातकालीन प्रतिक्रिया सुविधा सह प्रशिक्षण केंद्र से त्वरित राहत पहुंचाया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त जिला आपातकालीन प्रतिक्रिया सुविधा सह प्रशिक्षण केंद्र में आपदा से संबंधित प्रशिक्षण, गोताखोर प्रशिक्षण, कंट्रोल रूम की स्थापना आदि की जायेगी।

परीक्षा परिणामों में देरी व फीस विसंगतियों को लेकर उग्र हुए छात्र

♦ भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के बैनर तले भोजपुर जिला इकाई ने दिया धरना

केटी न्यूज/आरा

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन भोजपुर जिला इकाई द्वारा आज वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के न्यू कैंपस में छात्रों की समस्याओं को लेकर एक महा धरना का आयोजन किया गया। धरने की अध्यक्षता भोजपुर के जिला अध्यक्ष अभिषेक तिवारी उर्फ गोलू तिवारी ने की तथा संचालन रंजन ओझा ने किया। धरना में विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों से संबंधित छात्र-छात्राओं की मूलभूत सुविधाओं की कमी, प्रशासनिक लापरवाही, परीक्षा परिणामों में देरी, फीस विसंगतियों आदि विषयों को प्रमुखता से उठाया गया।

धरना को संबोधित करते हुए सत्यम कुशवाहा, राष्ट्रीय सचिव, अखिल भारतीय छात्र संगठन सह बिहार प्रभारी ने कहा कि मैं वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के छात्रों को सलाम करता हूं, जिन्होंने अन्याय, मनमानी और भ्रष्टाचार के विरुद्ध लोकतांत्रिक ढंग से विरोध दर्ज कराया। यह संघर्ष इस बात का प्रतीक है कि युवा अब चुप नहीं बैठेंगे। कांग्रेस पार्टी सदैव छात्रों, युवाओं और गरीबों की आवाज रही है, और हम हर मंच पर आपके साथ खड़े रहेंगे। अवसर पर धरना को संबोधित करते हुए अभिषेक तिवारी ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा छात्र-छात्राओं की समस्याओं को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो छात्र संगठन सड़क से लेकर सदन तक उग्र आंदोलन करेगी। अगर शिक्षा के मंदिरों में लूट और तानाशाही होगी, तो वहां ज्ञान नहीं, अंधकार फैलेगा और हम इस अंधकार को कभी पनपने नहीं देंगे। आपका संघर्ष, हमारा संकल्प है। वहीं डॉ. अमित कुमार द्विवेदी ने शोषण और अराजकता पर प्रकाश डाला। धरना के बीच प्रतिनिधिमंडल की विश्वविद्यालय के कुलानुशासक सहित अन्य पदाधिकारियों के बीच सम्मानजनक वार्ता हुई, जिसमें सभी प्रमुख मांगों पर एक माह के भीतर आवश्यक कार्रवाई का लिखित आश्वासन दिया गया।

मौके पर अभिषेक द्विवेदी, प्रशांत ओझा, भानू प्रताप सिंह, धनंजय बबुआन, लक्की ओझा, अविनाश मिश्रा, गुड्डू पाण्डेय, आनंद तिवारी, अंशु कुमार, मनीष यादव, साकेत तिवारी, कृष्णा हरी, संदीप कुमार, सुमित कुमार, यासीन उमर, सिद्धार्थ चौबे, रवि कुमार, अंशू बजरंगी, रवि कुमार, विक्की ओझा, रितेश पांडेय, आशुतोष ओझा सहित दर्जनों छात्र उपस्थित रहें।

एक नजर

मुहर्रम को ले थाने में शांति समिति की बैठक संपन्न, सौहार्द बनाए रखने की अपील

नावानगर। आगामी मुहर्रम पर्व को लेकर गुरुवार को वासुदेवा थाना परिसर में शांति समिति की एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी, थानाध्यक्ष मधुबाला एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार ने संयुक्त रूप से की। इस अवसर पर एसडीपीओ ने सभी से आपसी सौहार्द और सामाजिक समरसता बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि मुहर्रम का पर्व गम, अनुशासन और श्रद्धा का प्रतीक है, जिसे शांतिपूर्ण वातावरण में मनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। बैठक में उपस्थित सभी ने मिलकर यह आश्वासन दिया कि क्षेत्र में कहीं से भी कोई असामाजिक गतिविधि या अफवाह फैलाने की कोशिश नहीं होने दी जाएगी। बैठक में जुलूस के मार्ग, समय-सीमा, ध्वनि नियंत्रण, विद्युत व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल सहित अन्य प्रशासनिक तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। थानाध्यक्ष मधुबाला ने कहा कि प्रशासन मुहर्रम को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए पूरी तरह तैयार है, और किसी भी तरह की शरारत या गड़बड़ी करने वालों पर सख्त निगरानी रखी जाएगी। बैठक में रामपुर पंचायत मुखिया प्रतिनिधि बसंत पाण्डेय, भटौली मुखिया विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह के अलावा दोनों समुदायों के सम्मानित नागरिक, ताजिया कमिटी के सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि, बुद्धिजीवी लोग मौजूद थे।

विदेशी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

चौसा। मुफस्सिल थाने की पुलिस ने थाना क्षेत्र के नरबतपुर इलाके से एक तस्कर को गिरफ्तार किया है, जो बाइक पर शराब की खेप लेकर जा रहा था। पकड़े गए तस्कर की पहचान नरायणपुर निवासी दीपक कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार पुलिस की गश्ती टीम इलाके में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी। इसी दौरान एक युवक बाइक पर बोतलों से भरा बैग लेकर जाते हुए दिखाई दिया। पुलिस को देखते ही युवक भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन सतर्क पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 375 एमएल की 11 बोतलें और 180 एमएल की 54 टेट्रा पैक अंग्रेजी शराब बरामद हुई। बरामद शराब की कुल मात्रा 13.470 लीटर बताई जा रही है। पुलिस ने शराब के साथ तस्करी में प्रयुक्त बाइक को भी जब्त कर लिया है। थाना प्रभारी शम्भू भगत ने बताया कि तस्कर शराब की यह खेप उत्तर प्रदेश से अवैध रूप से ला रहा था और स्थानीय बाजार में इसकी आपूर्ति करने की फिराक में था।

भारतीय जनता पार्टी की बैठक में संगठन को मजबूत बनाने पर हुआ मंथन

नावानगर। भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक कार्यक्रमों के तहत गुरुवार सिकरौल भावनाथ मंदिर परिसर में बुथ सशक्तिकरण को लेकर एक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पार्टी के मंडल स्तर से लेकर पंचायत स्तर तक के कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक में आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने, मतदाताओं से संपर्क बढ़ाने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने कार्यकताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि एकजुटता एवं सक्रियता से ही पार्टी की जड़ें और मजबूत होंगी। पार्टी के अनुमंडल प्रभारी मुन्ना यादव ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ष्बुथ जीतने का संकल्प ही पार्टी की जीत का आधार है। वहीं, जिला मंत्री रेखा देवी ने महिला कार्यकताओं की भागीदारी को और अधिक प्रभावी बनाने की बात कही। बैठक की अध्यक्षता डुमरांव विधानसभा प्रभारी हरे राम गुप्ता ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन राजीव कुमार सिंह उर्फ राजू ने की। इस दौरान बेलहरी पंचायत संयोजक डॉ. शंकर दयाल सिंह भाजपा जिला मंत्री रेखा देवी, सोनवर्षा मंडल अध्यक्ष पिंकू चौबे समेत तमाम मंडल पदाधिकारी, पंचायत अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष एवं पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गुरूपूर्णिमा के मद्देनजर आयोजित हो रही है श्रीमद्भागवत कथा, निकाली गई शोभा यात्रा

बक्सर। गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर बक्सर के सती घाट पर श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। गुरूवार को कलश यात्रा के साथ ही इस भागवत कथा की शुरूआत हो गई। तीन से नौ जुलाई तक शाम तीन बजे से सात बजे तक भागवत कथा का आयोजन किया गया है। भंडारा 10 जुलाई को संपन्न होगा। कलश यात्रा के में सैकड़ो की तादात में श्रद्धालु शामिल हुए। सती घाट से निकला यह कलश यात्रा शहर भ्रमण करते हुए रामरेखा घाट पाहुंचा, जहां पवित्र गंगा जल लेकर पुनः श्रद्धालु कथा स्थल पर पहुंचे। इसके पूर्व यज्ञाचार्य द्वारा मुख्य यजमान के कलश का वैदिक विधान से पूजन किया गया था। श्रद्धालु गगनभेदी नारे व जयकारे लगा रहे थे। कलश यात्रा कथावाचक आचार्य धर्मेन्द्रजी महाराज पूर्व कुलपति पीठाधीश्वर त्रिदंडी स्वामीजी सेवा आश्रम ब्रह्मपुर, महंत सुरेंद्रजी महाराज, लाला बाबा आश्रम सती घाट, ब्रह्मचारीजी, कार्यकर्म संयोजक, आजाद सिंह राठौर, जदयू नेता, नीरज कुमार सिंह व अन्य मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

स्कूली छात्राओं ने शिक्षक पर लगाया गलत हरकत का आरोप

बक्सर। बक्सर के एक विद्यालय के शारीरिक शिक्षक पर विद्यालय की छोटी-छोटी बच्चियों से गलत हरकत करने के आरोप लगे है। इस मामले में गुरुवार को विद्यालय पहुंच एक बच्ची की मां ने जमकर हंगामा मचाया। उसने आरोप लगाया कि वे दिव्यांग होते हुए भी प्रधानध्यापक की मिलीभगत से अपनी ड्यूटि कर रहे है तथा शर्मनाक हरकत की जानकारी होने के बाद भी उनपर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। इसकी जानकारी होते ही विभागीय अधिकारी मामले की जांच में जुट गए है। प्रभारी डीईओ विष्णुकांत राय ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों की बातों को सुना गया है। मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

ऑटो से 64.26 लीटर शराब बरामद, तस्कर फरार

बक्सर। बक्सर भरौली के मध्य वीर कुंवर सिंह पुल पर स्थित उत्पाद विभाग के चेक पोस्ट पर भारी मात्रा में शराब बरामद की गई है। हालांकि, मामले में शराब तस्कर भागने में कामयाब हो गया है। बताया जता है कि उत्पाद विभाग की टीम ने एक ऑटो से 64.26 लीटर विदेशी शराब बरामद किया है। इस दौरान चालक ऑटो छोड़कर फरार हो गया। उत्पाद विभाग जब्त ऑटो के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर तस्कर तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

डुमरांव से पुराना भोजपुर के बीच जर्जर हो चुकी सड़क का होगा कायाकल्प

एनएचएआई 134.87 लाख रुपये की लागत से कराएगी सड़क का निर्माण

♦ सारी प्रक्रिया हो चुकी है पूरी, केवल निर्माण बाकी

केटी न्यूज/डुमरांव

जर्जर और गड्ढों से भरे स्टेशन रोड की स्थिति काफी दयनीय बनी हुई है। बरसात की वजह से रोड में उभरे गड्ढों में पानी भर चुका है। पानी भर जाने की वजह से उसके गहराई का पता नहीं चल पाता और उसमें प्रतिदिन छोटे-बड़े वाहन फंसते हैं, जिससे जाम की समस्या खड़ी हो जाती है। कईबार ऐसा हुआ है कि यात्री वाहन पलट भी गए, जिसमें सवार यात्री अपन गंतव्य स्थान जाने के बदले अस्पताल उन्हें जाना पड़ गया है।

बताया जाता है कि एनएच-120 की यह सड़क पुराना भोजपुर से लेकर डुमरांव शहर के बीचोबीच होते हुए टेढ़की पुल तक पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। इसको बनाने के लिये टेंडर बहुत पहले ही निकला था, जिसे आकाश एजेंसी को मिला हुआ है। पुराना भोजपुर से टेढ़की पुल तक 5.2 किलोमीटर सड़क का निर्माण होगा, इसकी प्राक्लित राशि कुल 134.87 लाख है।

इस रोड के बनाने के संबंध में एनएच-120 के जेई ब्रह्मानंद पासवान ने बताया कि इसकी सारी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, केवल निर्माण कार्य को शुरू करना है। मालूम हो कि डुमरांव का स्टेशन रोड जो शहर के बीचोबीच से होकर गुजरता है एनएच-120 का ही अंग है। लिहाजा इस रोड को बनाने की जिम्मेवारी भी इसी एजेंसी को है। नप ईओ मनीष कुमार का कहना है कि यह एनएच का रोड नहीं होता तो नप ही बनवा दिया रहता। इस रोड को नप ने हैंडओवर करने की मांग भी किया था, लेकिन एनएच ने इस पर अपना कोई प्रतिक्रिया नहीं दिया, लिहाजा इसकी स्थिति और बदतर होती चली गई है। जेई ने बताया कि बरसात की वजह से निर्माण एजेंसी के द्वारा मैटेरियल नहीं गिराया जा रहा है, बारिश रूकते ही समान गिरना शुरू हो जाएगा। समान गिरते ही काम शुरू हो जाएगा, एजेंसी को सारी बातों को बता दिया गया है कि गुणवत्तापूर्ण कार्य करना है, जिससे किसी प्रकार की शिकायत नहीं मिले। नगर के लोग रोड की जर्जर समस्या लगभग एक दशक से झेलते आ रहे हैं, सही काम नहीं होने पर उनके आक्रोश को झेलना पड़ सकता है। नगर के बीच से निकलने वाली इस सड़क के बन जाने से नगर ही नहीं पूरे जिले सहित अन्य जिले और अन्य राज्यों से आने-जाने वाले वाहनों को काफी सहूलियत मिलेगी, निर्माण एजेंसी भी बरसात रूकने का इंतजार कर रही है।

गड्ढों में तब्दील हो चुकी है सड़क: बता दें कि स्टेशन रोड गड्ढों में तब्दील हो चुका है। स्टेशन से लेकर डुमरेजनी मोड़ तक सड़क पूरी तरह से गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। जिस कारण आए दिन इस पथ पर दुर्घटनाएं हो रही है। सबसे खराब स्थिति स्टेशन रोड में ईदगाह मोड़ से लजीज बेकरी तक की सड़क का है। जहां, हर दिन ई-रिक्शा व ऑटो रिक्शा पलट रहे है। वहीं, लोगों का कहना है कि यदि सड़क की मरम्मत शीघ्र नहीं करवाई गई तो आने वाले दिनों में इस पथ पर बड़ी दुर्घटनाएं भी हो सकती है। गौरतलब हो कि इस पथ के मरम्मत के लिए लंबे समय से मांग की जा रही है। वहीं, एनएचएआई भी पिछले छह महीने से मरम्मत कराने का आश्वासन दे रहा है। देखना है कि एनएचएआई द्वारा बरसात पूर्व इस पथ का मरम्मत करवाया जा रहा है कि नहीं।

नहरों से निकलने वाले करहा पर बना दिया घर, खेतों में नहीं पहुंच रहा पानी

डुमरांव। इंद्रपुरी बराज से खेतों की सिंचाईं के लिये दर्जनों नहरें निकली हुई हैं। जब इंद्रपुरी बराज से नहरों में पानी छोड़ा जाता है तो किसानों को फसल सिंचाई के लिये ज्यादा मशक्कत नहीं करना पड़ता है। नगर के टेढ़की पुल तक तो सबकुछ ठीक रहता है, लेकिन इसके आगे बढ़ते ही नहर से निकलने वाले करहा को बंद कर दिये जाने से किसानों की परेशानी बढ़ जाती है। डुमरांव शहर के पश्चिमी छोर से गुजरते हुए नहर जो नयाभोजपुर और पुरानाभोजपुर में जाकर गिरती है, उसके अंतिमछोर तक पानी नहीं पहुंच पाता है। इतना ही नहीं कभी पानी पहुंच भी जाता है तो उससे निकले हुए करहा को बंद कर दिया जाता है।

इसका मुख्य कारण है, करहा परमानेंट बंद कर देना है। कुछ ऐसे करहा हैं, जिस पर आलीशन भवन बना दिया गया है। भवन बन जाने से करहा से पानी आगे नहीं बढ़ पाता है, जिससे किसानों के खेत पटवन में भारी परेशानी होती है। ज्याद इससे गरीब किसान प्रभावित होते हैं। इस संबंध में किसान सुरेन्द्र पाल, रामदयाल पाल, रमाकांत राय, ध्रुव राय सहित अन्य का कहना है कि करहा को मुक्त करने के लिये नहर और कृषि विभाग के अधिकारियों को सूचित किया गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि सिंचाई को लेकर किसान कितने परेशान होते होंगे। किसानों का कहना है कि करहा जो नहर से निकलता है, सरकारी जमीन होता है, फिर कैसे उसके उप घर बना दिया गया है। किसानों का यह भी कहना है कि भू-माफियाओं के द्वारा सरकारी करहा को ही रोड दिखाकर जमीन की बिक्री धड़ल्ले के साथ की जाती है। मालूम हो की महरौरा, बनकट एवं डुमरांव मौजा के किसान करहा को बंद कर दिये जाने से ज्यादा प्रभावित हुए हैं। किसानों का कहना है कि धान की रोपनी शुरू हो गई है, ऐसे में नहर से खेत में पानी पहुंचता तो खेत में पानी जमा होता और रोपनी करने में किसानों को मदद मिलती। काफी इंतजार के बाद नहर में पानी आया तो खेतों तक उसका मुश्किल हो गया है।

प्रताप सागर में हिंसक झड़प, एक जख्मी दोनों तरफ के 240 लोगों पर एफआईआर

केटी न्यूज/डुमरांव

बुधवार को प्रताप और चिलहरी के ग्रामीणों के बीच हुए हिंसक झड़प मामले में किसी पक्ष ने एफआईआर दर्ज नहीं कराया है। हालांकि, पुलिस ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए दोनों पक्षों के 20-20 नामजद तथा 100-100 अज्ञात समेत कुल 240 लोगों पर एफआईआर दर्ज कर आरोपितों को चिन्हित कर उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास में जुट गई है।

बता दें कि बुधवार को प्रतापसागर में बच्चों के विवाद में दोनों गांव के लोग आमने सामने आ गए। इस दौरान जमकर पत्थरबाजी हुई, जिसमें प्रतापसागर निवासी व राजद से जुड़े मनीष कुमार यादव जख्मी हो गए। घटना की सूचना पर एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी के साथ ही चार थानों की पुलिस टीम पहुंची, इसके बाद स्थिति नियंत्रित हुई। इस दौरान करीब घंटाभर प्रताप सागर रणक्षेत्र बना हुआ था। वहीं, प्रताप सागर के युवकों ने एक स्कार्पियो तोड़े जाने का आरोप भी लगाया। पुलिस ने इस घटना को बेहद गंभीरता से लिया है। पुलिस द्वारा दर्ज कराया गया एफआईआर इस बात का प्रमाण है।

एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने बताया कि किसी भी सूरत में उपद्रवियों को बख्शा नहीं जाएगा। क्षेत्र में अशांति का माहौल काम करने वाले लोगों पर निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।

बाइक की सीधी टक्कर में दो जख्मी

सिमरी। सिमरी नगवा पथ पर गुरूवार की दोपहर खधरा पांडेयपुर मोड़ के पास दो बाइक की आमने सामने की टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में दोनों बाइक पर सवार युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिन्हें लोगों ने इलाज के लिए सीएचसी पहुंचाया गया। जख्मियों की पहचान स्थानीय थाना क्षेत्र के नगवां गांव निवासी निक्कु कुमार सिंह व चांदपाली बिंदडेरा निवासी सचिन कुमार के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार सचिन सिमरी से अपने गांव लौट रहा था, जबकि निक्कु अपने गांव से सिमरी आ रहा था। दोनों वाहनों की स्पीड बहुत अधिक थी, जिस कारण खधरा मोड़ के पास दोनों चालक अनियंत्रित हो आपस में टकरा गए।

बालू लदे ट्रक की चपेट में आने से टोटो चालक की मौत

केटी न्यूज/नासरीगंज

जिले के कच्छवां थाना क्षेत्र के सबारी के बीच चांदी-नसरीगंज मार्ग पथ पर बालू लदा ट्रक और ई रिक्शा में जोरदार टक्कर हो गई। जिससे टोटो चालक की मौत हो गई। उस पर सवार एक यात्री बुरी तरह से जख्मी है। जिसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। टोटो चालक नासरीगंज थाना क्षेत्र के मेदनीपुर गांव निवासी 55 वर्षीय नन्दजी साह है। जो ई रिक्शा का मालिक और चालक था। वह नासरीगंज से कच्छवाँ सवारी लेकर जा रहा था। उक्त सड़क पर कैथी व सवारी के बीच सामने से आ रहे बालू लदे ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे टोटो हवा में उड़कर कुछ दूर जा गिरा और उस पर बैठे एक यात्री बुरी तरह से घायल हो गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को नासरीगंज रेफरल अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर हालत गंभीर देखते हुए बाहर रेफर कर दिया। अस्पताल पहुंचे परिजनों ने गम्भीर अवस्था में घायल टोटो चालक को बेहतर इलाज के लिए वाराणसी ले गए जहां रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटना के विरोध में परिजनों ने चांदी -नसरीगंज मार्ग सड़क को शव के साथ जाम कर प्रशासन से आश्रितों को मुआवजा देने की मांग कर रहे थे। दो घंटे की सड़क जाम में वाहनों की लंबी कतारें लग गई। जाम से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जाम की सूचना पर मौके पर पहुंचे कछवां पुलिस ने समझा बुझाकर सड़क जाम हटवाया। कच्छवां थानाध्यक्ष पंकज पासवान ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया गया है। प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि उक्त टोटो पर चालक के अलावा कैथी निवासी एक मात्र सवारी रमानाथ तिवारी सवार था।

विधानसभा चुनाव के जनसंपर्क अभियान में जुटे राजद कार्यकर्ता

जन कल्याणकारी योजनाओं को कैलेंडर के माध्यम से लोगों को सरल भाषा में समझा रहे हैं राजद कार्यकर्ता

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

जिले के राजद के वरीय नेता व कछवां निवासी जनार्दन सिंह ने अपनी पार्टी टीम के साथ बिक्रमगंज प्रखंड के मानी पंचायत में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने पंचायत के हर गांव में भ्रमण कर हर घर तक पहुंचने की कोशिश की और लोगों को राजद सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराया। जनसंपर्क अभियान के तहत राजद द्वारा किए गए विकासात्मक कार्यों की जानकारी लोगों को दी गई।

साथ ही कार्यकताओं ने घर-घर जाकर पार्टी का प्रचार सामग्री और विशेष रूप से राजद का प्रचार-प्रसार कलेंडर वितरित किया। कैलेंडर के माध्यम से जन कल्याणकारी योजनाओं को सरल भाषा में समझाया गया। मौके पर उन्होंने बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव द्वारा शुरू की गई "माई-बहिन योजना" की विस्तृत जानकारी दे। उन्होंने बताया कि यह योजना महिलाओं के सशक्तिकरण, स्वरोजगार और स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए मील का पत्थर साबित हो रही है। महिला मतदाताओं को योजना के लाभ और पात्रता के बारे में भी बताया गया,जिससे वे समय पर इसका लाभ ले सकें । राजद नेता ने गांवों के युवाओं और बुजुर्गों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं और भरोसा दिलाया कि राजद हमेशा गरीब, किसान,मजदूर,महिलाएं और युवाओं की पार्टी रही है और आगे भी रहेगी ।इस अवसर पर पार्टी कार्यकताओं का जोश देखते ही बन रहा था। लोगों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए राजद नेतृत्व के प्रति अपनी सहमति और उम्मीदें जताईं। जनसंपर्क अभियान के अंत में श्री सिंह ने कहा कि राजद का मुख्य उद्देश्य हर तबके तक पहुंचना और उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना है। अवसर पर नंद कुमार सिंह,राज किशोर सिंह, श्रीकांत मिश्रा, भरत यादव, तुलसी सिंह, उमेश यादव, चुने सिद्दीकी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता व स्थानीय लोग शामिल थे।

5-6 जुलाई को पटना में आयोजित होगा मातृ स्वास्थ्य पर केंद्रित फॉग्सी क्रिटिकल केयर कॉन्फ्रेंस : डॉ विनीता

मिलेगी जानकारी

केटी न्यूज/पटना

पटना ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनकोलॉजिकल सोसाइटी द्वारा आगामी 5 और 6 जुलाई को होटल मौर्य में फॉग्सी क्रिटिकल केयर कॉन्फ्रेंस 2025 का आयोजन किया जा रहा है। यह राष्ट्रीय स्तर की महत्वपूर्ण चिकित्सा संगोष्ठी मातृ स्वास्थ्य पर केंद्रित है। इस बार का मुख्य विषय है । समय पर पहचान और त्वरित हस्तक्षेप से बचती है मां की जान। इसी जानकारी गुरुवार को कॉन्फ्रेंस की आयोजन समिति की अध्यक्ष डॉ. विनीता सिंह और मीडिया की प्रभारी डॉ. रेनू रोहतगी ने संयुक्त रूप से दी। उन्होंने बताया कि इस दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस की शुरूआत 5 जुलाई को होगा। जिसका उद्घाटन बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान द्वारा किया जाएगा। फॉग्सी की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुनीता तंदुलवाडकर इस अवसर की मुख्य वक्ता और मुख्य अतिथि होंगी। उन्होंने कहा कि पटना ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनकोलॉजिकल सोसाइटी द्वारा हर वर्ष पटना में इस तरह का कॉन्फ्रेंस आयोजित किया जाता रहा है। उसी कड़ी में इस बार भी राष्ट्रीय स्तर का यह कांफ्रेंस आयोजित किया गया है, जिसमें देश भर से आये डॉक्टरों का व्यख्यान होगा और साथ ही चिकित्सा के क्षेत्र में आने वाली नयी चुनौतियों और अनुभवों को एकदूसरे के साथ साझा करेंगे।

यह कांफ्रेस विशेष तौर पर प्रदेश के डॉक्टरों और मेडिकल स्टूडेंट के लिए लाभकारी होने वाला है। कांफ्रेंस के बारे में डॉ विनीता सिंह ने बताया कि इन दो दिनों में मेडिको-लीगल परिस्थितियों और प्रसूति आपात स्थितियों पर विशेष वर्कशॉप आयोजित की जाएंगी। साथ ही, डेढ़ दिन के वैज्ञानिक सत्रों में ओरेशन, कीनोट एड्रेस, गेस्ट लेक्चर, पैनल डिस्कशन, डिबेट, पब्लिक फोरम, फ्री पेपर्स और ई-पोस्टर प्रजेंटेशन शामिल होंगे। सम्मेलन के पहले दिन एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

मातृत्व मृत्यु दर कम करने पर होगी चर्चा : सम्मेलन मातृत्व मृत्यु दर को कम करने की दिशा में एक गंभीर और दूरगामी पहल साबित होगा। उन्होंने बताया कि इस आयोजन के दौरान कई राष्ट्रीय संकायों द्वारा क्रिटिकल केयर के कई ड्रिल सिखाये जायेंगे। बेसिक एवं एडवांस लाइफ सपोर्ट की ट्रेनिंग दी जाएगी। देशभर के 40 प्रख्यात राष्ट्रीय संकाय इस सम्मेलन में उपस्थित होंगे। कीनोट लेक्चर, पैनल, ओरेशन एवं गेस्ट लेक्चर्स द्वारा विविध विषयों पर विस्तार से चर्चा होगी। बिहार के करीब 300-400 स्त्री रोग विशेषज्ञों को क्रिटिकल केयर संबंधी बारीकियों को जानने का अवसर प्रदान होगा। उन्होंने ये भी बताया कि लगभग प्रति 1000 डेलिवरी में 0.1-13.5 प्रतिशत प्रेगनेंट या प्रस्वोत्तर महिलाओं की स्थिति क्रिटिकल हो जाती है। उन्हें आइ. सी. यू. या एच. डी. यू, की जरूरत पड़ती है। क्रिटिकल अवस्था का मुख्य कारण है प्रस्वोत्तर अधिक रक्तस्त्राव , ब्लड प्रेशर का बढ़ना एवं -शरीर में इन्फेक्शन का फैलना।

कई बार प्रेगनेंसी या डिलीवरी में महिला कोलेप्स कर जाती है। यह एक प्रसूति आपातकाल है जो हृदय-श्वसन प्रणाली को प्रभावित करती है। मृत्यु की संभावना बढ़ जाती है। समय पर बेसिक एवं एडवांस लाइफ सपोर्ट से जान बचाई जा सकती है। आपको बता दें कि सम्मेलन के सलाहकार मंडल में पद्मश्री डॉ. शांति रॉय, डॉ. मंजु गीता मिश्रा, डॉ. प्रमिला मोदी, डॉ. के.जी. कपूर, डॉ. अनिता सिंह, डॉ. अलका पांडेय, डॉ. कुमकुम सिन्हा, डॉ. सुषमा पांडेय, डॉ. उषा दीदवानिया, डॉ. अभा रानी सिन्हा और डॉ. नीलम जैसी बिहार की जानी-मानी वरिष्ठ स्त्रीरोग विशेषज्ञ शामिल हैं।

वहीं, प्रेस कांफ्रेंस में अध्यक्ष डॉ. विनीता सिंह के साथ डॉ. प्रज्ञा मिश्रा चौधरी (सह अध्यक्ष), डॉ. सुप्रिया जायसवाल और डॉ. निभा मोहन (सचिव) तथा डॉ. चारु मोदी, डॉ. रंजना सिन्हा, डॉ. नूतन नारायण और डॉ. स्मृति स्पर्श (संयुक्त सचिव) के रूप में समर्पित आयोजन समिति कार्यरत सदस्य मौजूद रही।

खगड़िया में मानवबल पद पर नियुक्ति के नाम पर मांगी गई थी मोटी रकम

नौकरी के बदले 75 हजार का घूस लेते कार्यपालक अभियंता गिरफ्तार

केटी न्यूज/पटना

खगड़िया में भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम के तहत विशेष निगरानी इकाई ने को बड़ी कार्रवाई की। एसवीयू ने विद्युत आपूर्ति प्रमंडल खगड़िया के कार्यपालक अभियंता को 75 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी खगड़िया स्थित उनके आवास से की गई।

रोजगार के बदले रिश्वत की मांग : इस मामले में शिकायतकर्ता ब्रजेश कुमार, पिता सत्यनारायण राय, ग्राम चतरा, थाना मानसी, जिला खगड़िया ने विशेष निगरानी इकाई को शिकायत दी। उसने बताया कि गोपाल कुमार ने मानव बल के पद पर नियुक्ति के एवज में 75 हजार रुपये की रिश्वत की मांगी थी। शिकायत का सत्यापन करने के बाद इसे सत्य पाया गया।

अभियंता ने खुद कबूला जुर्म : सत्यापन के दौरान कार्यपालक अभियंता गोपाल कुमार ने स्वयं कहा कि जब तक 75 हजार रुपये नहीं दिए जाएंगे, तब तक नियुक्ति नहीं की जाएगी। इसके बाद एसपी राजकुमार सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया। योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए आरोपी को रिश्वत की राशि लेते गिरफ्तार कर लिया गया।

भ्रष्टाचार के विरुद्ध निगरानी की सख्त चेतावनी : विशेष निगरानी इकाई ने इस कार्रवाई के साथ स्पष्ट संकेत दिया है कि भ्रष्टाचार के किसी भी मामले में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, इस मामले में अग्रतर कानूनी प्रक्रिया जारी है और आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत सख्त धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

मधुबनी में निगरानी ने सीओ और नाजिर को रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

मधुबनी। अन्वेषण ब्यूरो ने सीओ और नाजिर को 17 हजार और 13 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी मधुबनी से की गई है। आरोपी रहिका अंचल के सीओ अभय कुमार और कार्यालय में पदस्थापित प्रभारी, प्रधान सहायक आदित्य कुमार को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में निगरानी टीम का कहना है कि परिवादी राहुल कुमार झा ने मुहल्ला गौशाला मोहल्ला निवासी लाल झा के पुत्र ने निगरानी अन्वेषण ब्यूरो से शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी अभय कुमार और आदित्य कुमार द्वारा जमीन रजिस्ट्री कराने के संबंध में जमीन का रोक सूची प्रतिवेदन भेजने के लिए रिश्वत की मांग कर रहे हैं। सत्यापन के दौरान आरोपियों के रिश्वत मांगे जाने का प्रमाण सत्य पाया गया। रजिस्ट्री करने के दौरान जिला निबंधन कार्यालय के पदाधिकारी ने यह कहा कि उस जमीन का स्टेटस क्या है यह जानने के लिए रिपोर्ट रहिका अंचल कार्यालय से मांगी गई। हालांकि बातचीत कर सीओ के साथ सौदा 17 हजार व नाजिर के साथ 13 हजार में तय हुआ।

भूमि अधिग्रहण में अटका 8 पावर सब-स्टेशन का निर्माण

नालंदा। जिले की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत बनाने की महत्वाकांक्षी योजना भूमि अधिग्रहण में उलझकर रह गई है। 6 प्रखंडों में 8 नए पावर सब-स्टेशन के निर्माण की स्वीकृति मिलने के महीनों बाद भी केवल 2 स्थानों पर ही भूमि की पहचान हो सकी है। बिजली कंपनी के प्रबंध निदेशक के स्तर से जिला प्रशासन को भूमि उपलब्ध कराने के लिए कई बार पत्राचार किया जा चुका है, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिले हैं। इस देरी का सीधा प्रभाव जिले की विद्युत आपूर्ति पर पड़ रहा है।

गंगा के बढ़ते जलस्तर का सीएम ने किया निरीक्षण

- जेपी गंगा पथ से गांधी घाट तक निरीक्षण कर दिये जलस्तर पर अलर्ट रहने के निर्देश

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सड़क मार्ग से पटना के आसपास गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर का जायजा लिया। मुख्यमंत्री अटल पथ होते हुये जेपी गंगा पथ पहुंचे और गाय घाट तक गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने जेपी गंगा पथ के किनारे किये जा रहे पौधारोपण और सौंदर्गीकरण कार्य का भी निरीक्षण किया और बेहतर ढंग से कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने दीघा घाट पर रूककर दीघा से सोनपुर तक जेपी सेतु के समानांतर बनाये जा रहे नये 6 लेन पुल के निर्माण कार्य का जायजा लिया। उन्होंने इस पुल के निर्माण कार्य के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पुल के बन जाने से पटना से सारण प्रमंडल की तरफ जानेवाले लोगों को आसानी होगी। उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार के बीच आवागमन को सुगम बनाने में यह पुल काफी उपयोगी होगा। साथ ही महात्मा गांधी सेतु और जेपी सेतु पर वाहनों का दबाव कम होगा। सीएम ने जेपी गंगा पथ के दीघा घाट, कृष्णा घाट एवं गांधी घाट पर रूककर गंगा नदी के आसपास के इलाकों को देखा। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गंगा नदी के किनारे वाले क्षेत्रों में बढ़ते जलस्तर को ध्यान में रखते हुये पूरी तरह अलर्ट रहें। मुख्यमंत्री ने दीघा से सोनपुर तक जेपी सेतु के समानांतर बनाए जा रहे नए 6 लेन पुल के निर्माण कार्य का भी जायजा लिया। बता दें कि इस पुल के बन जाने से पटना से सारण प्रमंडल की तरफ जाने वाले लोगों को आसानी होगी।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, पटना प्रमंडल के आयुक्त डॉ. चन्द्रशेखर सिंह, डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के शर्मा सहित अन्य वरीय अधिकारी मौजूद थे।

महागठबंधन की ताकत बढ़ेगी : ओवैसी

पटना। राष्ट्रीय जनता दल ने मुसलमानों को ठगा है, इसलिए असदुद्दीन ओवैसी ही असल हितैषी हैं। अब ओवैसी की पार्टी ने ही महागठबंधन में जाने की इच्छा जताकर एक तरफ बड़ा उलटफेर कर दिया है तो दूसरी तरफ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को अचानक ज्यादा परेशान कर दिया है। पिछली बार ओवैसी की पार्टी के पांच विधायक बने थे, लेकिन उनमें से चार को तेजस्वी यादव अपने साथ ले गए थे। ओवैसी ने इसे 'चोरी' करार देते हुए इसका खामियाजा भुगतने के लिए तैयार रहने की बात कही थी। लेकिन, अब ओवैसी की पार्टी ने भाजपा के खिलाफ वोटों के बंटवारे को रोकने की बात करते हुए महागठबंधन में जाने के लिए सभी घटक दलों को चिट्ठी लिख दी है। इसी जरूरत को समझते हुए और भारतीय जनता पार्टी को बिहार में रोकने के लिए पार्टी ने महागठबंधन के सभी दलों के सामने लिखित प्रस्ताव रखा है।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव ने किया समीक्षा, दिए निर्देश

शून्य पोल बहिष्कार का लक्ष्य करें निर्धारित : मीणा

केटी न्यूज/पटना

राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर गुरुवार को मुख्य सचिवालय के सभागार में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि इस बार चुनाव में शून्य पोल बहिष्कार का लक्ष्य निर्धारित करें। मुख्य सचिव ने यह भी कहा कि अब विधानसभा चुनाव में कम दिन बचे हैं, लिहाजा सभी अधिकारी अपने दायित्वों के प्रति सतर्क रहें। उन्होंने जिलों में वाहनों की चेकिंग अलग-अलग वक्त पर शुरू करने के साथ-साथ बॉर्डर चेकपोस्ट को भी क्रियाशील करने का निर्देश दिया। बैठक की अध्यक्षता बिहार सरकार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने की। इस बैठक में भागलपुर और मुंगेर प्रमंडल के जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक समेत अन्य संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने अधिकारियों से चुनावी तैयारियों पर विस्तृत रिपोर्ट ली। इसमें मतदान केंद्रों की स्थिति, सुरक्षा व्यवस्था, मतदाता सूची का अद्यतन कार्य और आदर्श आचार संहिता के पालन की स्थिति की समीक्षा की गई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि इस बार के चुनाव में शून्य पोल बहिष्कार का लक्ष्य रखा जाए। मुख्य सचिव ने सभी अधिकारियों को चेताया कि अब चुनाव में ज्यादा समय नहीं बचा है, ऐसे में सभी अधिकारी अपने दायित्वों के प्रति सजग और सतर्क रहें। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी जिलों में वाहनों की चेकिंग अलग-अलग समय पर शुरू की जाए और बॉर्डर चेकपोस्ट को सक्रिय किया जाए। साथ ही पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया कि वे आर्म्स होल्डर्स के घर जाकर सत्यापन कराएं।

प्रचार-प्रसार पर दें विशेष जोर : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल ने प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर देने की बात कही। उन्होंने बीएलओ को निर्देश दिया कि वे घर-घर जाकर गणना प्रपत्र शीघ्र भरवाएं और समय पर जमा कराना सुनिश्चित करें। साथ ही शहरी क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि कूड़ा गाड़ियों में जिंगल के माध्यम से भी मतदान को लेकर जागरूकता फैलाई जाए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल ने प्रचार-प्रसार पर खासतौर पर जोर देने का निर्देश दिया. उन्होंने बीएलओ को निर्देश दिया कि घर-घर जाकर गणना प्रपत्र शीघ्र भरवा कर एवं एकत्रित कर समय पर जमा करवाना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही शहरी इलाकों में प्रचार-प्रसार की व्यवस्था जरूर करें। कूड़ा गाड़ियों में जिंगल के माध्यम से भी प्रचार-प्रसार होना चाहिए। चुनाव में वोट देने को लेकर अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करें।

अपराधियों पर कसे नकेल : डीजीपी विनय कुमार ने निर्देश दिया कि सभी जिलों में हिस्ट्रीशीटर, कुख्यात अपराधियों और फरार अपराधियों की सूची तैयार की जाए। आर्म्स एक्ट के मामलों को समयबद्ध ढंग से निष्पादित करने और स्पीडी ट्रायल पर फोकस करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को चुनाव के दौरान पूरी तरह अलर्ट रहने और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

डीसी ने समाहरणालय में कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण

रांची, एजेंसी। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने मंगलवार को समाहरणालय ब्लॉक–ए में स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सूचना एवं जन संपर्क कार्यालय, विशिष्ट अनुभाजन कार्यालय, जिला आपूर्ति कार्यालय, भू–अर्जन कार्यालय, तथा जिला कल्याण कार्यालय, स्थापना कार्यालय, जिला नीलाम पत्र कार्यालय, अपर जिला दंडाधिकारी विधि– व्यवस्था कार्यालय का जायजा लिया।

मध्यमा, वस्तानिया व फोकानिया की परीक्षाएं शुरू

धनबाद, एजेंसी। जिले में मध्यमा, वस्तानिया व फोकानिया की परीक्षाएं मंगलवार से शुरू हो गयी. मध्यमा की दो विद्यालय एचइ स्कूल परिसर में चल रही संस्कृत विद्यालय और कांको मठ शामिल है. दोनों विद्यालयों के 79 विद्यार्थी के लिए बीएसएस उच्च विद्यालय में परीक्षा शुरू हुई. प्रथम पाली सुबह 9.45 से एक बजे तक तथा दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर दो से शाम 5.15 बजे तक परीक्षा चली. प्रथम पाली में संस्कृत में 79 में 77 परीक्षार्थी शामिल हुए. दूसरी पाली में संस्कृत द्वितीय पत्र में 79 में 77 शामिल हुए. वहीं वस्तानिया व फोकानिया परीक्षा प्रथम पाली में सुबह 9.45 से एक तथा दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2 से शाम 5.15 बजे तक उत्क्रमित उच्च विद्यालय लोवाडीह हुई. वस्तानिया के प्रथम पाली में दिनियात की परीक्षा में 223 में 222 और फोकानिया के दिनियात वन परीक्षा में 121 में 118 शामिल हुए. वहीं दूसरी पाली की परीक्षा में वस्तानिया के अरबी वन में 223 में 222 परीक्षार्थी व फोकानिया में दिनियात टू के परीक्षा में 121 में 118 परीक्षार्थी शामिल हुए.

शहरी क्षेत्रों में सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान शुरू

रांची, एजेंसी। नगर विकास एवं आवास विभाग ने केंद्र सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के द्वारा जारी गाइडलाइन के आधार पर राज्य के सभी नगर निकायों में 1 जुलाई से विशेष स्वच्छता और जागरुकता अभियान सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ 2025 शुरू किया है। यह अभियान 31 जुलाई तक चलेगा। इसको लेकर नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार, अपर सचिव ज्योत्सना सिंह तथा राज्य शहरी विकास अभिकरण के निदेशक सूरज कुमार की ओर से सभी निकायों और पदाधिकारियों को अभियान को सफल बनाने का निर्देश दिया गया है। रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन इस अभियान को सफल बनाने और नागरिकों को सफाई की मदद से स्वस्थ रखने की दिशा में कई जागरुकता कार्यक्रम चला रहा है। राजधानी के 50 महत्वपूर्ण स्थानों पर वैरिएबल मैसेज साइन बोर्ड और पीए सिस्टम के माध्यम से लोगों को जल और वेक्टर जनित बीमारियों से बचाव के उपाय बताए जा रहे हैं। कमांड सेंटर से शहर के हर क्षेत्र में कचरा और जल जमाव की लाइव मॉनिटरिंग करते हुए रांची नगर निगम को सूचित किया जा रहा है। साथ ही रांची नगर निगम की 300 से ज्यादा कचरा उठने वाले वाहनों की लाइव निगरानी की जा रही है।

देवघर में छात्र की गोली मारकर हत्या:कुंडा मोड़ पर घात लगाकर बदमाशों ने मारी 4 गोली

देवघर, एजेंसी। देवघर के कुंडा मोड़ पर बुधवार की देर रात बदमाशों ने एक छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान पदमपुर गांव निवासी 22 वर्षीय दिनेश कुमार सिंह के रूप में हुई है। वह दवा लेने मेडिकल स्टोर जा रहा था। तभी घात लगाए बदमाशों ने उसे घेर लिया और भीड़ के बीच उस पर ताबड़तोड़ चार गोलियां दाग दीं। गोली लगने के बाद स्थानीय लोगों ने उसे गंभीर हालत में सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। डॉक्टरों के मुताबिक, दिनेश को एक गोली सीने में, एक पेट में और दो गोली दोनों हाथों में लगी थी। हमले के बाद मौके पर भगदड़ मच गई। दुकानदारों ने डर के मारे दुकानें बंद कर दीं। घटना के वक्त दिनेश अपनी बहन के मना करने के बावजूद सुई लेने के लिए घर से निकला था। वह पहले एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था और उसी का इलाज चल रहा था। मृतक की बहन किरण कुमारी ने गांव के ही राजा तुरी और कन्हैया सिंह पर हत्या का आरोप लगाया है। उसने बताया कि करीब एक महीने पहले दोनों ने दिनेश को जान से मारने की धमकी दी थी।

रांची को नई रफ्तार, रातू रोड फ्लाईओवर पर अब फर्राटा भरेंगी गाड़ियां

जाम के झाम से मिलेगी निजात

रांची, एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची को आज एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है। बहुप्रतीक्षित रातू रोड एलिवेटेड फ्लाईओवर का उद्घाटन केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी आज दोपहर 3:00 बजे ओटीसी ग्राउंड में करेंगे, जिसके बाद यह फ्लाईओवर आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा।

यह 3.57 किलोमीटर लंबा फ्लाईओवर 525-558 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ है और रांची के रातू रोड, हरमू, पंडरा और मांडर जैसे व्यस्त इलाकों में ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करने में अहम भूमिका निभाएगा। यह फ्लाईओवर न केवल यातायात को सुगम बनाएगा बल्कि शहर के विकास में भी महत्वपूर्ण साबित होगा। अब कचहरी से पंडरा तक का सफर 35-40 मिनट से घटकर महज 4-7 मिनट में पूरा हो सकेगा। इससे स्कूल बसों और एम्बुलेंस को जाम से बड़ी राहत मिलेगी, साथ ही ईंधन की बचत होगी और दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी।

फ्लाईओवर के नीचे सोहराई पेंटिंग,

स्ट्रीट लाइटिंग और पौधारोपण का कार्य। जिससे इसकी सुंदरता और बढ़ जाएगी। सांसद संजय सेठ ने तो बैडमिंटन और वॉलीबॉल कोर्ट बनाने का भी सुझाव दिया है।

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने उद्घाटन की तैयारियों की समीक्षा की थी, जिसमें यातायात प्रबंधन, सुरक्षा और वीआईपी प्रोटोकॉल पर विशेष ध्यान दिया गया।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी उद्घाटन के बाद बिरसा चौक पर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा को श्रद्धांजलि देंगे और एक मोटरसाइकिल रैली के साथ जनसभा को संबोधित करेंगे।

इस फ्लाईओवर के नामकरण को लेकर रांची में सियासी सरगर्मी तेज है। विभिन्न राजनीतिक दल और संगठन अपने-अपने पसंदीदा नामों को आगे बढ़ा रहे हैं।

ये दल झारखंड आंदोलन के प्रमुख नेता शिबू सोरेन के नाम पर फ्लाईओवर का नाम रखने की मांग कर रहे हैं, उनका तर्क है कि इससे झारखंड की जनता की भावनाओं का सम्मान होगा।

भाजपा की ओर से अभी आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन पार्टी के कुछ नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम का सुझाव दिया है।

इसके अलावा, बिनोद बिहारी महतो (जेएमएम के संस्थापक में शामिल), नागपुरी भाषा और झारखंड आंदोलन के प्रचारक डॉ. विशेश्वर प्रसाद केसरी, रघुनाथ महतो, शहीद बिशुन महतो, और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम भी चर्चा में हैं।

सांसद और रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने स्पष्ट किया है कि नामकरण का अंतिम फैसला एनएचएआई द्वारा लिया जाएगा, जिससे इस मुद्दे पर सियासी बयानबाजी अभी जारी रहने की उम्मीद है।

यह रातू रोड फ्लाईओवर रांची के सिरमटोली और कांटाटोली फ्लाईओवर के बाद शहर का तीसरा बड़ा फ्लाईओवर है। रांची में कुल पांच फ्लाईओवर बनाने की योजना है, जिससे शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव आने और शहर की सूरत बदलने की उम्मीद है।

यह फ्लाईओवर निश्चित रूप से रांची के लोगों के लिए एक बड़ी राहत है, जिससे उनका दैनिक आवागमन काफी सुगम हो जाएगा। अब देखना यह है कि इसका नामकरण किस महापुरुष के नाम पर होता है।

राजकीय श्रावणी मेला की तैयारी की मुख्य सचिव ने की समीक्षा, कहा- श्रद्धालुओं की सुविधाओं का रखें ध्यान

रांची, एजेंसी। श्रावणी मेला की तैयारी अंतिम चरण में है। 11 जुलाई से शुरू हो रहे इस विश्व प्रसिद्ध मेला में 50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के बाबा नगरी देवघर और बाबा बासुकीनाथ धाम आने की संभावना है। आगामी 9 अगस्त तक आयोजित इस मेले में आनेवाले श्रद्धालुओं की भीड़ को लेकर की गई प्रशासनिक तैयारी की समीक्षा मुख्य सचिव अलका तिवारी ने बुधवार 3 जुलाई को की। बैठक में सभी संबंधित विभागों के प्रमुख और देवघर और दुमका के उपायुक्त, एसपी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था पुख्ता बनाएं और आपात स्थिति से निपटने के लिए जो जहां तैनात हों, वे प्रशिक्षित, जवाबदेह और संवेदनशील हों। उन्होंने कहा कि भगदड़ की स्थित नहीं बने, इसके लिए विशेष चौकसी बनाए रखें। श्रद्धालु एक जगह अधिक संख्या में इकट्ठा नहीं हों इसके लिए ऐसी व्यवस्था बनाएं कि वे छोटे-छोटे समूह में रहें। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था में तैनात कर्मी शिफ्ट बदलने के दौरान तब ही अपना स्थान छोड़ें, जब उनका विकल्प वहां आ जाए। उन्होंने कहा कि भीड़ नियंत्रण के लिए एआई आधारित सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन आदि के फुटेज की लगातार मॉनिटरिंग हो और लगे कि कहीं भीड़ ज्यादा हो रही है, तो बिना समय जाया करे तत्काल उसे नियंत्रित करें।

अधिकारियों को निर्देशित करते मुख्य सचिव ने कहा कि श्रद्धालुओं का मार्ग समतल हो, ताकि ठोकर लग कर गिरने की आशंका खत्म हो जाए। जहां सीढ़ी आदि हो वहां फिसलन नहीं हो। श्रद्धालुओं के आने-जाने की अलग व्यवस्था हो। बिजली आपूर्ति निर्बाध रूप से हो। बिजली कटने के साथ उसकी पुनर्बहाली की वैकल्पिक व्यवस्था भी तैयार रखा जाए और कहीं भी बिजली का नंगा तार नहीं हो और वह नीचे की ओर झूलता हुआ नहीं हो।

समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव अलका तिवारी ने सुरक्षा का व्यापक प्रबंध करने का निर्देश देते हुए कहा कि इंट्री प्वाइंट पर मेटल डिटेक्टर से लोगों को गुजारने के दौरान इसका विशेष ध्यान रखा जाए कि वहां अत्यधिक भीड़ की स्थिति नहीं बने। वहीं पूर्व में मंदिर का कपाट खुलने के साथ भीड़ का दबाव बढ़ने का अनुभव रहा है इसे देखते हुए जिले के उपायुक्त और एसपी उस समय अपनी मौजूदगी सुनिश्चित करते हुए व्यवस्था नियंत्रण की बागडोर संभालें।

सारंडा में आईईडी ब्लास्ट में घायल हुआ जंगली हाथी, पिछले बाएं पैर में लगी गंभीर चोट

चाईबासा, एजेंसी।

पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जंगल में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी ब्लास्ट में एक जंगली हाथी गंभीर रूप से घायल हो गया है। यह हादसा जंगल के दीघा इलाके के पास हुआ। जहां एक हाथी के पिछले बाएं पैर में गंभीर चोट लगी है। वन विभाग ने ड्रोन की मदद से घायल हाथी की लोकेशन ट्रैक की है और उसकी निगरानी की जा रही है।

हाथी नाम गडरु बताया जा रहा है। वह करीब छह साल का है। उसे तलाशने में छह टीमें लगी है। जिसमें ओडिसा की वेटनरी डॉक्टर भी शामिल हैं। घायल होने की घटना 24 जून के आसपास का बताया जा रहा है। अंतिम बार 27 जून को सारंडा जंगल के जिले के दिघा गांव में ड्रोन के जरिए देखा गया है। ड्रोन से मिले फुटेज में हाथी के पैर में सूजन और खून के निशान साफ नजर आ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि हाथी को चलने-फिरने में दिक्कत हो रही है और वह काफी तकलीफ में है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की कई टीमें हाथी के रेस्क्यू ऑपरेशन में जुट गई हैं। रेस्क्यू के लिए

झारखंड और ओडिशा के विभिन्न वन क्षेत्रों से टीमें बुलायी गई हैं। अब तक हाथी को ट्रैक तो किया गया है, लेकिन उसका रेस्क्यू सफल नहीं हो सका है। जंगल का इलाका दुर्गम होने और हाथी के लगातार मूवमेंट के कारण टीमों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, घायल हाथी को ट्रैंकुलाइज कर इलाज देने की योजना है, ताकि उसकी जान बचाई जा सके। इसके लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम भी मंगाई जा रही है। हाथी की स्थिति गंभीर बनी हुई है और समय पर इलाज जरूरी है। वहीं, इस घटना से यह स्पष्ट होता है कि नक्सली गतिविधियों का दायरा केवल इंसानों तक सीमित नहीं रहा, अब वन्यजीव भी इसके शिकार हो रहे हैं।

बोकारो में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए सेल 746 एकड़ जमीन देने को तैयार

रांची, एजेंसी। बोकारो अब अमृतसर-कोलकाता फ्रेट कॉरिडोर से जुड़ेगा। बोकारो में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाने के लिए स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) 746 एकड़ जमीन देने को तैयार है। इसके लिए सेल और राज्य सरकार के बीच सैद्धांतिक सहमति बन गई है। सेल ने इस जमीन के लिए राज्य सरकार को 1444 करोड़ रुपए का प्रस्ताव दिया है। जबकि सरकार इसे कम कराने की कोशिश में है।

इस पर भू-अर्जन निदेशक की अध्यक्षता में बनी कमेटी, सेल प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन के बीच बैठक हो चुकी है। जिस जमीन की बात हुई है, कृषि भूमि दर के आधार पर इसकी कीमत 238 करोड़ रुपए होती है। वहीं औद्योगिक भूमि दर पर 357 करोड़ और

व्यावसायिक दर पर कीमत 714 करोड़ रुपए होती है। राज्य सरकार इसे आधार बनाते हुए जमीन की कीमत कम कराने के प्रयास में है। इस मुद्दे पर तीनों पक्षों की बुधवार को भी बैठक हुई है।

गौरतलब है कि अमृतसर-कोलकाता फ्रेट कॉरिडोर के तहत झारखंड में एक इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाने की कोशिश चल रही है। तीन साल पहले बोकारो को इसके लिए उपयुक्त मानते हुए 1000 एकड़ में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाने के लिए राज्य सरकार ने सेल प्रबंधन को जमीन उपलब्ध कराने को कहा था। जीटी रोड के राजगंज से इस क्षेत्र की दूरी करीब 45 किलोमीटर है। लेकिन सेल प्रबंधन तैयार नहीं हुआ। सेल ने गढ़वा के भवनाथपुर में सेल की 1000 एकड़ जमीन पर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाने का विकल्प सुझाया था। बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन ने कहा था कि बोकारो स्टील सिटी परिसर में आधुनिकीकरण एवं विस्तारीकरण का प्रस्ताव विभागीय स्तर पर विचाराधीन है।

इसके बाद सेल की बोकारो विंग ने बोकारो प्लांट क्षेत्र के अलावा भवनाथपुर में सेल माइनिंग की खाली पड़ी 1180 एकड़ में से 1000 एकड़ जमीन पर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाने का विकल्प सुझाया था। लेकिन उस जमीन के नीचे कोयला और अन्य खनिज होने और जमीन उबड़-खाबड़ होने के कारण यह उपयुक्त नहीं लगा। इसके बाद बोकारो में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए 746 एकड़ जमीन देने की बात हुई।

भोगनाडीह घटना को लेकर जेएमएम नेता ने बीजेपी पर लगाया साजिश का आरोप

रांची, एजेंसी। सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने आज पार्टी के कैंप कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में भारतीय जनता पार्टी और उसके नेताओं पर बड़ा आरोप लगाया है। हूल दिवस के दिन भोगनाडीह में हुई हिंसक घटना को सुप्रियो भट्टाचार्य ने भाजपा की साजिश बताया।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा संथाल को मणिपुर बनाना चाहती है। इसीलिए हूल दिवस के दिन इस तरह की घटना को अंजाम देने की पटकथा दीन दयाल उपाध्याय मार्ग में लिखी गई थी। जिसके प्रायोजक गोड्डा से वर्तमान भाजपा सांसद निशिकांत दुबे थे। वहीं इसके निर्देशक पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन थे।

झामुमो महासचिव ने कहा कि संथाल को बारूद के ढेर पर बैठा दिया गया है। 30 जून की घटना को रणनीति के तहत अंजाम दिया गया। झामुमो नेता ने कहा कि

विधानसभा चुनाव के पहले से ही भाजपा संथाल को मणिपुर बनाना चाहती है, जहां पिछले 2 वर्षों से अशांति है। भाजपा ने इस मॉडल को संथाल परगना में लागू करने का खाका तैयार कर लिया है। इस पूरे मामले के लिए प्यादे तय किए गए थे और दीनदयाल मार्ग से इसकी पटकथा लिखी गई थी। इसमें कई प्यादे हैं, जिनमें से कुछ गिरफ्तार हो चुके हैं और कुछ किरदार छुपे हुए हैं।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा की मंशा क्या है वह संथाल को बारूद के ढेर पर क्यों बैठाना चाहती है झामुमो नेता ने सवालिया लहजे में पूछा कि क्या कभी ऐसा देखा गया है कि किसी राजनीतिक दल का कार्यकर्ता अवैध हथियार लेकर कहीं जाता हो। जो हथियार या असलाहा जब्त किया गया है, वह तो महज टोकन है। भाजपा नेताओं को बताना चाहिए कि उनकी मंशा क्या है, भारतीय जनता पार्टी क्या चाहती है वह संथाल में नकारात्मक राजनीति क्यों कर रही है, क्या उसकी मंशा मुख्यमंत्री और मंत्रियों की हत्या करवाने की है।

झामुमो नेता ने कहा कि 30 जून को साहिबगंज के भोगनाडीह में जो घटना हुई, वह कोई साधारण घटना नहीं है। क्या वहां राजनीतिक दल राजकीय समारोह में कार्यक्रम भी करते हैं सुप्रियो ने कहा कि जब भारतीय जनता पार्टी हर स्तर पर पराजित हो रही है, उसकी नीतियां समाज को खा रही हैं, तब वे (भाजपा वाले) घबरा गए हैं, उन्हें दंगा फैलाना आता है, हिंदू, मुसलमान, आदिवासी, पिछड़े, सबको लड़ाना चाहते हैं, ये दंगाई हैं।

शराब के नशे में स्कॉर्पियो ने बाइक को मारी टक्कर, पलामू में तीन युवकों की मौत, दो घायल

पलामू, एजेंसी। पलामू के मेदिनीनगर-पड़वा मुख्य मार्ग एनएच 39 पर बुधवार की रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। सदर थाना क्षेत्र के सिंगरा में स्कॉर्पियो और मोटरसाइकिल की टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई। दो अन्य युवक घायल हो गए। स्कॉर्पियो में सवार सोनू कुमार और स्वास्तिक की मौके पर मौत हो गई। सोनू शहर थानाक्षेत्र के बीएन कॉलेज के पास रहता था। स्वास्तिक जेलहाता का निवासी था। बाइक सवार विजय यादव पाटन थाना क्षेत्र के पाल्हे गांव का रहने वाला था।

घटना उस समय हुई जब स्कॉर्पियो में सवार युवक एक दोस्त की जन्मदिन पार्टी मनाकर लौट रहे थे। पड़वा मोड़ पर शराब पीने के बाद वापस लौटते समय सिंगरा में टिकुलिया के पास नशे में धुत चालक ने गाड़ी का नियंत्रण खो दिया। स्कॉर्पियो ने पहले बाइक को टक्कर मारी और फिर पेड़ से टकराकर पलट गई।

स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल पहुंचाया। सोनू कुमार और विजय यादव को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। स्वास्तिक को रांची रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में उसकी भी मौत हो गई। राजा और रमन का इलाज एमएमसीएच में जारी है। ट्रैफिक प्रभारी समाल अहमद ने पुष्टि की कि हादसा शराब के नशे के कारण हुआ। घटना की सूचना मिलते ही शहर और सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी।

मुहर्रम को लेकर रांची नगर निगम सतर्क, विशेष सफाई अभियान सहित कई दिशा-निर्देश जारी

रांची, एजेंसी। मुहर्रम को देखते हुए रांची नगर निगम ने शहर में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए कमर कस ली है। इसी क्रम में अपर नगर आयुक्त की अध्यक्षता में निगम पदाधिकारियों और कर्मियों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुहर्रम पूर्व तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित शाखाओं को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

अपर नगर आयुक्त ने स्वच्छता शाखा को निर्देशित किया कि शहर के सभी इमामबाड़ों, मस्जिदों और मुहर्रम जुलूस मार्गों की विशेष साफ-सफाई अभियान चलाकर सुनिश्चित की जाए। साथ ही सम्पर्क पथों की सफाई, कचरा संग्रहण, झाड़ियों की कटाई, नालियों की सफाई, ब्लिचिंग पाउडर और लार्विसाइडल के छिड़काव जैसे कार्यों को भी समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने को कहा गया।

बैठक में स्पष्ट किया गया कि सभी जोनल सुपरवाइजर एवं वार्ड सुपरवाइजर अपने-

अपने क्षेत्रों में सफाई कार्यों की निगरानी करेंगे और नियमित रूप से प्रगति की सूचना मुख्यालय को देंगे। जुलूस मार्गों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी ताकि कहीं भी गंदगी, जलजमाव या अव्यवस्था न हो।

वहीं, विद्युत शाखा को निर्देशित किया गया कि जिन-जिन मार्गों पर मुहर्रम के जुलूस निकलने हैं, उन स्थानों पर खराब स्ट्रीट लाइट्स की मरम्मत अविलंब कराई जाए। जुलूस मार्गों को पूर्ण रूप से रोशन और सुरक्षित बनाना निगम की प्राथमिकता में शामिल है। इसके अलावा नगर निगम ने सार्वजनिक सुविधा को ध्यान में रखते हुए निर्देश दिया है कि जुलूस मार्गों पर आवश्यकता के अनुसार चलंत शौचालय और जल टैंकर की व्यवस्था की जाए। यह जिम्मेदारी नगर प्रबंधक और जोनल स्तर पर संबंधित अधिकारियों को सौंपी गई है।

नगर निगम के कंट्रोल रूम को भी सतर्क रहने को कहा गया है। सफाई व्यवस्था, चलंत शौचालय या जल टैंकर से संबंधित कोई भी शिकायत मिलने पर कंट्रोल रूम तत्काल संबंधित क्षेत्र के सुपरवाइजर से समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेगा। निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की शिकायत के लिए निगम के टोल फ्री नंबर 18005701235 पर संपर्क करें।

इसके अलावा साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ-साथ यह भी ध्यान रखा जाए कि आम नागरिक मुहर्रम का त्योहार स्वच्छ, सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण में मना सकें। सभी पदाधिकारियों से आपसी समन्वय बनाए रखने और जमीनी स्तर पर सक्रिय रहने को कहा गया है। बैठक में स्वच्छता शाखा के सहायक प्रशासक, नगर प्रबंधक, विद्युत शाखा प्रभारी, जोनल सुपरवाइजर एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। सभी ने एकमत होकर मुहर्रम पूर्व संपूर्ण व्यवस्था को चाक-चौबंद करने का आश्वासन दिया।

कोडरमा में एक साथ हुए तीन सड़क हादसे:एक हाईवा चालक की मौत, तीन लोग घायल

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले में बुधवार कर रात से गुरुवार की सुबह के बीच सड़क हादसों की एक के बाद एक तीन घटनाएं हुईं। हादसों में एक हाईवा चालक की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हुए हैं। वहीं दो अलग-अलग जगहों पर हुए कार हादसों में कार सवार तो बच गए, लेकिन दो गायों की जान चली गई। इन घटनाओं ने कोडरमा-बरही एनएच-20 पर बेलगाम पशुओं और सुरक्षा इंतजामों की पोल खोल दी है।

कोडरमा घाटी में गुरुवार सुबह एक हाईवा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में हाईवा चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वाहन में सवार तीन लोग

घायल हो गए। मृतक की पहचान बिहार के नालंदा निवासी 35 वर्षीय मुकेश यादव के रूप में हुई है। हाईवा में ऐश लोड था और वह कोडरमा से बिहार की ओर जा रही थी। कोडरमा थाना प्रभारी विकास पासवान के मुताबिक, हाईवा का ब्रेक फेल हो गया, जिससे वाहन पेड़ से जा टकराया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कोडरमा सदर अस्पताल भेजा गया।

दूसरी घटना बुधवार रात तिलैया थाना क्षेत्र के महाराणा प्रताप चौक पर हुई। झुमरीतिलैया के जवाहर मार्केट से दूध लेकर लौट रहे किशोर अग्रवाल अपनी बेटी के साथ झलपो स्थित घर जा रहे थे। इसी दौरान एनएच-20 पर अचानक कुछ गायें सामने आ गईं। ब्रेक लगाने की कोशिश में उनकी कार गायों से टकरा गई और कई बार पलटी मारते हुए डिवाइडर से जा टकराई। हादसे में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। किशोर अग्रवाल की बेटी घायल हुई हैं और उन्हें भी हल्की चोटें आई हैं। इस घटना में दो गायों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गाय घायल हो गई।

सुभाषितम्

मैं हर कदम पर हारा हूँ, पर जन्मा केवल जीत के लिए हूँ।

- एमर्सन

बिहार में अपने ही बुने जाल में फंस गया चुनाव आयोग

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा शुरू की गई, स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया अब स्वयं आयोग के लिए सिरदर्द बन गई है। मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के नाम पर शुरू की गई, चुनाव आयोग की इस कवायद से जनता के मन में संदेह, भय और असुरक्षा की भावना पनप रही है। आयोग ने 2003 के बाद वोटर बने करोड़ों नागरिकों से नागरिकता के प्रमाणपत्र की मांग की है। जो न केवल अव्यावहारिक है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर सीधा अतिक्रमण है। आशंका इस बात की व्यक्त की जा रही है, कि यह प्रक्रिया एक अघोषित रूप से एनआरसी की कार्यवाही है। जिसे सरकार चुनाव आयोग के माध्यम से पूरा करा रही है। चुनाव आयोग द्वारा अपने ही बनाए गए पुराने वोटर कार्ड के साथ ही आधार या पैन जैसे दस्तावेज मान्य नहीं किये जा रहे हैं। आयोग द्वारा निर्धारित 11 वैध दस्तावेजों की सूची में अधिकांश आम नागरिकों की पहुंच से बाहर के दस्तावेज हैं। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए जहां जन्म प्रमाण-पत्र या स्थायी निवास प्रमाण-पत्र आज भी दुर्लभ हैं। गरीब एवं मजदूर परिवार जहां दो वक्त की रोटी के लिए लगातार पलायन करता है, वह कैसे अपने दस्तावेजों को संभाल कर रखेगा। जिनका खुद का घर, मकान नहीं है, स्थाई रहने का प्रबंध नहीं है, उनसे उनके और उनके मां-बाप के जन्म मृत्यु के प्रमाण-पत्र की मांग करना एक तरह से मौलिक अधिकारों पर सीधा हमला है। यह स्थिति तब और जटिल हो जाती है जब आयोग खुद स्वीकार करता है, कि मतदाता सूची को शुद्ध करने की प्रस्तावित प्रक्रिया चुनाव आयोग के लिए भारी तकनीकी और प्रशासनिक चुनौतियों से भरी है। विपक्षी दलों द्वारा संयुक्त रूप से विरोध के स्वर तेज होते ही, आयोग ने कुछ राहतों की घोषणा कर अपने कुछ कदम पीछे खींचे हैं। जैसे 2003 से पहले वोटर बने लोगों के बच्चों को अब स्वतः ही योग्य माना जायेगा। चुनाव आयोग का यह स्पष्टीकरण और संशोधन चुनाव आयोग के प्रति अविश्वास को बढ़ा रहे हैं। स्पष्ट है चुनाव आयोग ने बिना पूरी तैयारी और राजनीतिक दलों से बात किए बिना मतदाता सूची में संशोधन के इतने बड़े फैसले को मतदाताओं पर थोप दिया है। जिसमें करोड़ों मतदाताओं के हित जुड़े थे। उन्हें नकारने का काम चुनाव आयोग ने किया है। वह भी ऐसे समय पर जब चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को लेकर लगातार विपक्ष चुनाव आयोग पर तीखे आक्षेप लगा रहा था। उस समय चुनाव आयोग द्वारा यह कदम उठाया गया। चुनाव आयोग के इस तुगलकी आदेश से बिहार जैसे राज्य की सामाजिक-राजनीतिक संरचना पर गहरा असर पड़ना तय है। यदि यह केवल वोटर लिस्ट के पुनरीक्षण और सही मतदाताओं के रूप में वोटर लिस्ट तैयार करने का प्रयास होता। इसमें पारदर्शिता और सुगमता होनी चाहिए थी। ना कि शंका और डर का वातावरण बनाकर करोड़ों मतदाताओं को मतदाता सूची से बाहर करने का यह प्रयास माना जा रहा है। अब जरूरी हो गया है, चुनाव आयोग अपनी भूमिका की गंभीरता को समझे। निष्पक्ष संस्था की छवि बनाए रखें। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन सेशन के समय पर चुनाव आयोग की जो विश्वसनीयता थी, चुनाव आयोग को जिस रूप में लोगों ने पहले देखा है। वर्तमान में ठीक उसके विपरीत छवि चुनाव आयोग ने अपने निर्णय एवं कार्य प्रणाली के कारण वर्तमान में बनाई है। चुनाव आयोग के प्रति जनता का वह भरोसा नहीं रहा, जो होना चाहिए था। अपने ही बनाए हुए नियमों और जटिलताओं के मकड़जाल में चुनाव आयोग उलझता जा रहा है। बिहार के नागरिकों से वोट देने का अधिकार छीनने की बजाय उन्हें सशक्त करने की जरूरत है। पिछले कई चुनाव में चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली को लेकर लगातार विपक्ष आवाज उठाता रहा है। सैकड़ों मामले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली और निष्पक्षता को लेकर लंबित हैं। इसके बाद भी बिहार चुनाव के ठीक 3 महीने पहले जिस तरह से चुनाव आयोग ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण करने के नाम पर कार्यवाही की जा रही है उससे विपक्ष को यह साबित करने का मौका मिल गया है, कि चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं है। वह सरकार के इशारे पर सारे निर्णय ले रहा है। जो चुनाव आयोग में कभी नहीं हुआ था। जो असम की एनआरसी के समय हुआ था। यदि वही नियम चुनाव आयोग बिहार चुनाव के लिए मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए लागू करता है तो ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग पर संदेह होना स्वाभाविक है।

चिंतन-मनन

हर जीव में व्याप्त नारायण

वैदिक साहित्य से हम जानते हैं कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले है। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर हैं, फिर भी हमारे निकट हैं-आसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते हैं, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने में हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ हैं। किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रघ्संहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बंटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक हैं। जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित हैं, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित होंवैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं। जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों में होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता हैं।

ईरान ने स्वयंभू विश्व विजेताओं को दिखाया आईना

- तनवीर जाफरी

मध्य एशिया में मंडरा रहे युद्ध के बादल फिलहाल छंटते हुये नजर आ रहे हैं। 13 जून को इस्राईल ने ईरान पर अचानक बड़ा हमला कर दिया था। इन हमलों में ईरान के उच्चस्तरीय 20 कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए थे। इसके बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाइयां कीं। दोनों ओर से ड्रोन व मिसाइल की बौछार 12 दिनों तक होती रही। इस्राईल के इतिहास में यह पहला मौका था जब ईरान जैसे किसी देश ने धोखे से किये गये उसके हमलों का ऐसा मुंहतोड़ जवाब दिया जिसकी इस्राईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू या इस्राईल की जनता ने भी कभी कल्पना नहीं की होगी। इस्राईल बनाम ईरान संघर्ष में इस्राईल के वजूद से सम्बंधित कुछ बातें कभी भी नजरअंदाज नहीं की जा सकतीं। जर्मन तानाशाह एडोल्फ हिटलर के उत्पीड़न के बाद यहूदी मुख्य रूप से 1930 के दशक से 1940 के दशक के बीच फिलिस्तीनियों की अनुकम्पा से यहाँ बसने लगे। इस दौरान, लगभग 2,50,000 यहूदी फिलिस्तीन पहुंचे थे । द्वितीय विश्व युद्ध 1939-1945 के बाद, विशेष रूप से होलोकॉस्ट के बाद, 1945 से 1948 तक यहूदी प्रवास फिर से बढ़ा, और 1948 में इस्राईल की स्थापना के साथ यह प्रक्रिया और भी तेज हो गयी। चूँकि इस्राईल को अरब के इस क्षेत्र में बसाने में पश्चिमी देशों खासकर अमेरिका व ब्रिटेन की दूरगामी सोच काम कर रही थी इसलिये इन देशों ने इसे भरपूर समर्थन देकर न केवल इनके फलने फूलने में इस्राईल की पूरी मदद की बल्कि कब्जे की इस जमीन पर अपने विस्तार के लिये की जाने वाली हिंसक कार्रवाइयों में भी हमेशा इनके साथ रहे। इसी अमेरिकी समर्थन का नतीजा है कि इस्राईल गत दो वर्षों में गजा के लगभग 80 हजार बेगुनाह व निहत्थे लोगों को मार चुका है।और उसकी बर्बरतापूर्ण कार्रवाई अभी भी जारी है। दूसरी तरफ वह ईरान है जो पश्चिमी देशों की बांटो और राज करो की नीति का शिकार होकर ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन के 57 सदस्य देश होने के बावजूद पश्चिमी साजिश के तहत केवल शिया-सुन्नी मतभेद के नाम पर हमेशा अलग थलग किया जाता रहा । इसके अलावा 1979 में जबसे ईरान में अमेरिका परस्त शाह मोहम्मद रजा पहलवी का तख़्ता पलट हुआ और अयातुल्लाह रूहुल्लाह खोमैनी के नेतृत्व में इस्लामी गणराज्य की स्थापना हुई तभी से ईरान अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का भी सामना करता आ रहा है। इस अमेरिकी विरोध की वजह केवल यह थी कि अयातुल्लाह खोमैनी के नेतृत्व वाली इस्लामिक क्रांति ने ईरान को न केवल पश्चिमी सभ्यता से मुक्त कर ईरानी सभ्यता पर चलने की राह हमवार की बल्कि ईरान की तेल सम्पदा को लेकर अमेरिकी मनमानी किये जाने के अमेरिकी सपनों को भी चकनाचूर कर दिया। यही वजह थी कि अमेरिका ने ईरान के 1979 इस्लामिक क्रांति के बाद के शासन को कट्टरपंथी शासन कह कर संबोधित करना शुरू कर दिया। और पूरे विश्व में ईरान को लेकर यही धारणा बनाने की कोशिश भी की। उधर ईरान के अतिरिक्त इस्लामी जगत के लगभग सभी शेष देश पश्चिमी देशों खासकर अमेरिका की आँखों का तारा बने रहे। इसी लिये अमेरिका ने बहरीन, कुवैत, यूएई, इराक, सऊदी अरब, जॉर्डन जैसे अनेक देशों को ईरान का भय दिखा कर इन देशों की सुरक्षा करने के नाम पर यहाँ अपने सैन्य ठिकाने बना रखे हैं। कई अमेरिकी युद्धपोत भी इस क्षेत्र में सक्रिय हैं। अमेरिका यह सारी कवायद केवल ईरान को घेरने की अपनी दूरगामी साजिश के तहत करता आ रहा है। उधर ईरानी नेतृत्व जिसकी बागडोर उन शिया उलेमाओं के हाथों में है जिनकी प्रेरणा का मुख्य स्त्रोत हजरत अली व उनके पुत्र हजरत इमाम हुसैन का वह घराना है जिसने लगभग 1450 वर्ष पूर्व करबला (इराक) में अपनी व अपने परिजनों की कुबार्नी देकर इतिहास में सुनहरे अक्षरों में रहती दुनिया तक के लिये यह लिख दिया कि दुश्मन चाहे जितना ताकतवर क्यों न हो परन्तु यदि वह क्रूर है, अमानवीय है, असत्य और हिंसा पर चलने वाला है, अधार्मिक है तो ऐसे दुश्मन के आगे सिर्फ उसकी ताकत से प्रभावित होकर झुकना अधर्म है। उस समय हुसैन ने यजीद की लाखों की सेना की परवाह नहीं की। जिसका नतीजा है कि आज पूरे विश्व में अली और उनके बेटे हुसैन का परचम लहराते देखा जा सकता है जबकि कोई मुसलमान अपने औलादों का नाम तक यजीद रखना पसंद नहीं करता। उसी करबला से प्रेरणा लेकर ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खामनेई ने इतिहास में पहली बार वह कर दिखाया जिसकी दुनिया उम्मीद भी नहीं कर रही थी। ईरान की तरफ से इस्राईल पर इतने जबरदस्त जवाबी आक्रमण हुये कि यदि एक सप्ताह और युद्ध खिंचता तो संभवतः पूरा इस्राईल खंडहर में तब्दील हो जाता। उधर चतुर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी ईरानी आक्रामकता से भयभीत होकर अपनी इज्जत बचाने के अवसर तलाशने लगे। दुनिया में कोई देश ऐसा नहीं जो इस्राईल व अमेरिका को एक साथ चुनौती देने का साहस रखता हो। वर्तमान समय की सच्चाई तो यही है कि जैसे इलाके के गुंडे के साथ खड़े होकर लोग अपने आप को भी सूरमा समझने लगते हैं उसी तरह अमेरिका का पिछलग्गू या उसका चाटुकार बनना भी दुनिया के अनेक देश अपना सौभाग्य समझते हैं। कुछ अमेरिकी शक्ति से प्रभावित होकर कुछ मधुर रिश्ते बनाये रखने की खातिर तो कुछ व्यावसायिक दृष्टिकोण के मद्देनजर। परन्तु ईरान अकेला ऐसा देश है जिसने 46 वर्षों के लम्बे अरसे का अमेरिकी प्रतिबंध झेलने के बावजूद अपने आप को इतना मजबूत कर लिया कि इस्राईल को अपना अस्तित्व खतरे में पड़ता नजर आने लगा तो अमेरिका को अपनी झूठी आबरू बचाने की नौबत आन पड़ी। बहरहाल, दोनों देशों के बीच युद्ध विराम की खबर से पूरी दुनिया ने चैन की सांस तो जरूर ली है। परन्तु इस युद्ध विराम को लेकर इस्राईल व अमेरिका द्वारा किये जा रहे भ्रामक दावों के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह खामनई का बयान एक बार फिर ईरान के मजबूत पक्ष व उसके बुलंद हौसलों की तस्वीर पेश करता है। आयतुल्लाह ने साफ साफ कहा है कि ईरान न तो थोपी गई जंग स्वीकार करेगा और न ही थोपी गई शांति। ईरान किसी तरह के दबाव के आगे नहीं झुकेगा।

टीएमसी नेताओं की निर्लज्ज टिप्पणियों से उठा विवाद

- ललित गर्ग

कोलकत्ता में कानून की एक छात्रा से सामूहिक दुराचार-गैंगरेप का मुद्दा एक बार फिर पश्चिम बंगाल में जितना बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनने लगा है उतना ही बड़ा नारी उत्पीड़न का मुद्दा बनकर उभर रहा है। इस मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल एवं निर्लज्ज टिप्पणी स्त्री की मयार्दा, सम्मान एवं अस्मिता के खिलाफ शर्मनाक, दुर्भाग्यपूर्ण व संवेदनहीन प्रतिक्रिया है। इन नेताओं ने गैंगरेप मामले पर विवादित बयान से राज्य एवं देश में भारी जनाक्रोश पैदा हो गया था। विशेषतः राजनेताओं के बयानों एवं सोच में एक बार फिर शर्मनाक ढंग से पीड़िता पर दोष मढ़ने की बेशर्म कोशिश की गई है। इस मामले में सत्तारूढ़ टीएमसी पार्टी अन्दर एवं बाहर दोनों मोर्चों पर घिरती हुई नजर आ रही है। जहां इस मामले में पार्टी के अन्दर गुटबाजी एक बार फिर सामने आयी है, वहीं भाजपा आक्रामक रूप से ममता सरकार को घेर रही है। टीएमसी की महिला नेत्री महुआ मोइत्रा टीएमसी नेताओं कल्याण बनर्जी और मदन मित्रा के उन बयानों पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इन राजनेताओं के बयान में स्त्री-द्वेष पार्टी लाइन से परे है। यह एक बदतर स्थिति है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार मुख्यमंत्री के शासन और नेतृत्व के वर्षों के दौरान टीएमसी के भीतर नारी सम्मान एवं अस्मिता को लेकर संवेदनशीलता लाने और मानसिकता में बदलाव लाने के प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं। अकसर महिलाएं और महिला राजनेता पुरुष नेताओं के हाथों अश्लील, अभद्र और तौहीन भरी टिप्पणओं की शिकार होती रही हैं। ऐसे बयानों के बावजूद अकसर ये राजनेता किसी कठोर कार्रवाई की बजाय हल्की फुल्की फटकार के बाद बच निकलते हैं। ये बयान कभी महिलाओं की बॉडी शेमिंग करते नजर आते हैं तो कभी बलात्कार जैसे गंभीर अपराध को मामूली बताने की कोशिश करते हुए नजर आते हैं। इसके साथ ही ये चिन्ताजनक संदेश भी जाता है कि महिलाओं के बारे में हल्के और आपत्तिजनक बयान देना विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के लिये सामान्य बात है। जब किसी देश की बेटियां न्याय का अध्ययन कर रही हों और वहीं उनके साथ अन्याय की पराकाष्ठा हो तो यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि पूरे समाज, व्यवस्था और सोच के लिए एक जघन्य आइना बन जाती है। प्रतिष्ठित लॉ कॉलेज की छात्रा के साथ हुए सामूहिक बलात्कार की घटना ने न केवल राजनीतिक सोच एवं कानून के मंदिरों को शर्मसार किया है, बल्कि हर संवेदनशील मन को झकझोर दिया है। पीड़िता एक लॉ कॉलेज में अध्ययनरत छात्रा थी, जो अपने उज्ज्वल भविष्य के सपनों के साथ शिक्षा के पथ पर अग्रसर थी। घटना की रात वह अपने कुछ परिचितों के साथ बाहर थी, जिनमें से ही कुछ ने उसकी अस्मिता को रौंद डाला। उसे नशा दिया गया और फिर सुनसान स्थान पर ले जाकर कई लोगों ने उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया है, लेकिन सवाल यह है कि जब कानून पढ़ने वाली लड़की खुद असुरक्षित है, तो आम महिलाएं कैसे सुरक्षित होंगी? क्या यह कानून की शिक्षा देने वाली संस्थाओं एवं शासन करने वाली सत्ताओं के लिए आत्ममंथन का समय नहीं है? ऐसी घटनाओं पर निर्भया कांड के बाद बने कानूनों का सख्ती से पालन हो। रेप को सिर्फ एक ह्यजुर्मह्ल नहीं, ह्यराष्ट्रीय आपदाह्ल माना जाए, और उसकी रोकथाम के लिए शिक्षा, संस्कार और तकनीकी सुरक्षा साधनों को प्राथमिकता दी जाए। कोलकाता की लॉ छात्रा की यह दर्दनाक घटना हमें चेताती है कि केवल कानून बना लेना काफी नहीं, जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक बेटियां असुरक्षित रहेंगी। यह केवल एक छात्रा की लड़ाई नहीं, बल्कि हर बेटी की सुरक्षा की लड़ाई है। न्याय तब होगा जब ऐसी घटनाएं रुकेंगी और उसके लिए हमें मिलकर लड़ना होगा। सबसे दुखद पहलू यह है कि अनेक बार ऐसी घटनाओं में समाज चुप रहता है, पीड़िता को दोषी ठहराने की कोशिश की जाती है। सोशल मीडिया पर तंज, मीडिया ट्रायल और व्यक्तिगत चरित्रहनन जैसी बातें पीड़िता को न्याय से अधिक पीड़ा देती हैं। पीड़िता के लिये यह पीड़ा तब और बढ़ जाती है जब उनके जन-प्रतिनिधि निर्लज्ज बयानबाजी करते हैं। विडंबना यह है कि पीड़िता के प्रति निर्लज्ज बयानबाजी अकेले पश्चिम बंगाल का ही मामला नहीं है, देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संवेदनहीन टिप्पणियां सामने आती रही हैं। यदि इक्कीसवीं सदी के खुले समाज में हम महिलाओं के प्रति संकीर्णता की दृष्टि से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं, तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि ये वे लोग हैं जिन्हें जनता अपना नेता मानती है और लाखों लोग उन्हें चुनकर जनप्रतिनिधि संस्थाओं में कानून बनाने व व्यवस्था चलाने भेजते हैं। देश में बढ़ रही यौन-शोषण, रेप एवं नारी दुराचार की घटनाओं को देखते हुए जन-प्रतिनिधियों को ज्यादा संवेदनशील होने की अपेक्षा की जाती है। बड़ा प्रश्न है कि आखिर किसी राजनेता को हर महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार और यौन शोषण को असंवेदनशील तरीके से देखने की छूट क्यों एवं कैसे मिल जाती है।

भारत ही ऐसा देश है, जहां महिलाओं की अस्मिता एवं अस्तित्व को तार-तार करने वाले नेताओं के निर्लज्ज बयानों के बावजूद उन पर कोई ठोस, सख्त एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होती। जबकि विश्व के अन्य देशों में ऐसा नहीं है। जैसे 2017 में ब्रिटेन के एक पार्षद के सामान्य से बयान पर अच्छा खासा बवाल मचा था। पार्षद ने सांसद का चुनाव लड़ रही एक गर्भवती महिला राजनेता के बारे में कह दिया था, ह्यवो गर्भवती हैं और उनका समय तो नैपी बदलने में ही बीत जाएगा, वो आम लोगों की आवाज क्या उठाएंगी?ह्ल इसके लिए पार्षद को माफी मांगनी पड़ी। ब्रिटेन जैसे कई देशों में अकसर ऐसे बयानों पर कार्रवाई होती है। मिसाल के तौर पर 2017 में ही यूरोपियन संसद के एक सांसद ने बयान दिया था कि महिलाओं को कम पैसा मिलना चाहिए क्योंकि वो कमजोर, छोटी और कम बुद्धिमान होती हैं। इसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था और उन्हें मिलने वाला भत्ता भी बंद हो गया था। कोलकाता की लॉ छात्रा मामले में टीएमसी नेताओं की टिप्पणियां निस्संदेह निंदनीय हैं, लेकिन पार्टी के नेताओं व कार्यकताओं द्वारा भी कड़े शब्दों में इसकी निंदा की जानी चाहिए। ममता बनर्जी के सामने एक और चुनौती है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार- हत्याकांड और उसके बाद देश भर में उपजा आक्रोश अभी भी यादों में ताजा है। निस्संदेह, केवल टिप्पणियों से पार्टी को अलग कर देना ही पर्याप्त नहीं है। सार्वजनिक जीवन में नारी सम्मान एवं जीवन-मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों के लिये परिणाम तय होने चाहिए। अन्यथा समाज में ये संदेश जाएगा कि ऐसे कुत्सित प्रयासों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होती है।

अक्षर योग केन्द्र ने एक ही दिन में बनाए 12 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

भारतीय योग की समृद्ध विरासत के संरक्षण हेतु अक्षर योग केंद्र द्वारा चलायी जा रही मुहिम अब रंग लाने लगी है। हिमालय सिद्ध अक्षर के भगीरथ प्रयासों से देश-विदेश के हजारों साधकों के बीच गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की ऑफिशियल टीम ने एक दिन में बारह रिकॉर्ड दर्ज किए। यह योग की दुनिया में पहली मिसाल है जब एक ही दिन में बारह विश्व रिकॉर्ड दर्ज किए गए हों। एकता, अनुशासन और उद्देश्य की शक्ति के भव्य उत्सव में यह ऐतिहासिक उपलब्धि, अक्षर योग केन्द्र के संस्थापक एवं आध्यात्मिक प्रमुख हिमालयन सिद्ध अक्षर के दूरदर्शी नेतृत्व में बेंगलुरु में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में हासिल की गई।

बेलि मठ, कर्नाटक के डॉ. शिवरुद्र महास्वामी की इस अभूतपूर्व रिकॉर्ड-बनाने के समारोह में ताइवान, मलेशिया, हांगकांग, इटली, यूएसए, यूके, दुबई, साइप्रस और सिंगापुर सहित 30 से अधिक देशों के 2,500 से अधिक योगाभ्यासियों ने भाग लिया। इस विविध आयोजन में भारतीय सेना, वायुसेना, कर्नाटक राज्य पुलिस, एन सी सी कैडेट्स, दिव्यांगों, अनाथालयों के बच्चों, कॉरपोरेट जगत के सदस्य तथा अंतरराष्ट्रीय योग समुदाय के सदस्य भी सम्मिलित हुए। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा योग संस्थान श्रेणी में मान्यता प्राप्त यह संस्था अक्षर योग केंद्र, प्राचीन परंपरा को आधुनिक युग से जोड़ने वाले विशाल योग अभियानों का नेतृत्व करता रहा है। हिमालयन सिद्ध अक्षर ने इस अवसर पर कहाः यह महाआयोजन एक उद्देश्यपूर्ण जीवन का प्रतीक है। यह प्रत्येक व्यक्ति को प्रेरित करता है कि वह अपने जीवन में एक उच्च लक्ष्य निर्धारित करे और उसे पूर्ण निष्ठा एवं तपस्या के साथ प्राप्त करे। ये सारे कीर्तिमान मानवीय संकल्प शक्ति की असीम क्षमता को दशार्ते हैं। इस वैश्विक आंदोलन के माध्यम से, हम योग के प्राचीन ज्ञान का आदरपूर्वक सम्मान करते हैं और प्रत्येक आत्मा को उसके सर्वोच्च स्वरूप की ओर जागृत करने का प्रयास है। सभी प्रतिभागियों ने इस श्रृंखला में, मूलभूत विभिन्न आसनों को निर्धारित समय तक लगातार धारण किया। ये चयनित योगासन स्वास्थ्य, ऊर्जा और आंतरिक रूपांतरण के विविध पहलुओं का प्रतीक थे। यह कार्यक्रम अक्षर योग केंद्र के विश्वव्यापी नेटवर्क में कई सप्ताह के अनुशासित प्रशिक्षण और वैश्विक समन्वय का समापन था। वर्तमान में 80 से अधिक देशों में ऑनलाइन-ऑफलाइन पहुंच से, 2 करोड़ से अधिक योग साधक और 50,000 से अधिक प्रमाणित शिक्षकों के साथ, अक्षर योग केन्द्र अपने सुव्यवस्थित, समावेशी दृष्टिकोण के साथ निरंतर योग के अंतरराष्ट्रीय आंदोलन का नेतृत्व कर रहा है। इसकी सहभागित देश-विदेश की सेना, कंपनियों, विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और कूटनीतिक संस्थानों के साथ हैं झ जिनमें इन्फोसिस, विप्रो, रोल्स-रॉयस, अमेजॉन आदि शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि स्थापित किए गए 12 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड आज भारत की जीवंत आध्यात्मिक धरोहर और अक्षर योग केन्द्र के निष्ठापूर्ण समर्पण के प्रमाण हैं।

आज का राशिफल

मेष — कार्यक्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण मीटिंग या डील फाइनल हो सकती है, जिससे भविष्य में उन्नति के द्वार खुलेंगे।

तुला — आज आप व्यावसायिक और पारिवारिक जिम्मेदारियों में सामंजस्य बैठाने में सक्षम रहेंगे।

वृषभ — आज भाग्य साथ देगा और करियर के मामले में कहीं यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक — आपको अचानक किसी महत्वपूर्ण कार्य या मीटिंग की जिम्मेदारी मिल सकती है।

मिथुन — हर काम संभलकर करने की सलाह है। लंबे समय से छिपी जानकारी उजागर हो सकती है।

धनु — आज वाणी और व्यावसायिक सूझबूझ से आर्थिक क्षेत्र में नए द्वार खुल सकते हैं।

कर्क — किसी प्रॉजेक्ट पर काम कर रहे हैं तो उसके परिणाम सकारात्मक मिल सकते हैं।

मकर — आज आत्मबल और नेतृत्व क्षमता के बल पर कोई बड़ा और चुनौतीपूर्ण प्रॉजेक्ट मिल सकता है।

सिंह — आपकी संगठित कार्यशैली और समय प्रबंधन कौशल से सब संभल जाएगा।

कुंभ — आज दिन की शुरुआत थोड़ी उलझनों से हो सकती है, लेकिन जैसे-जैसे दिन बढ़ेगा।

कन्या — मीडिया, कंटेंट, एजुकेशन, या आर्ट से जुड़े लोगों को नया अवसर मिल सकता है।

मीन — अगर आप नौकरी कर रहे हैं तो प्रमोशन या बड़ी ज़िम्मेदारी मिलने के संकेत हैं।

विशेष

बिहार चुनाव के पहले एक बार फिर हिंदू मुस्लिम

अगले कुछ महीने में बिहार विधानसभा के चुनाव होने हैं ।बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में वक्फ कानून के विरोध में एक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में बड़ी संख्या में मुसलमानों की भीड़ शामिल हुई। इस रैली में सभी विपक्षी दल शामिल हुए। भाजपा इसे अपने लिए एक मौका मान रही है। इस रैली का विरोध करके भाजपा और एनडीए के दल, हिंदुओं को एकजुट करने की मुहिम चला रहे हैं। मुसलमान के नाम पर हिंदुओं को डराने का काम शुरू हो गया है। वहीं विपक्ष मुस्लिम समर्थन को मजबूत करने के लिए एकजुट हो रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव में इसकी क्या क्रिया प्रतिक्रिया होगी, यह चुनाव परिणाम से ही स्पष्ट होगा।

नेता जब बोलते हैं तो बहुत कुछ भूल जाते हैं

भीड़ देखकर नेता बहुत उत्साहित हो जाते हैं। उस उत्साह में वह सब भूल जाते हैं। जो उन्हें नहीं बोलना चाहिए, उत्साह में वह बोल देते हैं। हाल ही में पटना की वक्फ बोर्ड की रैली में तेजस्वी यादव ने कहा, संसद भवन से लेकर नई दिल्ली के हवाई अड्डे और पटना के गोविंदपुर गांव की हजारों एकड़ जमीन वक्फ बोर्ड को दे दी जाएगी। यह संवेदनशील मुद्दा है। भाजपा के मीडिया सेल ने इसे अपने तरीके से प्रचारित करना शुरू कर दिया है ।तेजस्वी यादव को सोच समझ कर बोलना था। लेकिन भीड देखकर वह आपा खो बैठे।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1566 जाने माने भविष्यवक्ता नास्त्रेदमस का निधन. 1819 ब्रिटेन में कारखाना अधिनियम पारित हुआ, जिसमें 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को नौकरी देने पर प्रतिबंध का प्रावधान रखा. 1853 रूस ने तुर्की पर हमला किया, जिससे क्रीमिया युद्ध भड़क उठा. 1881 अमेरिका के राष्ट्रपति जेम्स गारफील्ड को वाशिंगटन में गोली मारकर घायल कर दिया गया उनकी मौत सितम्बर में हुई. 1972 भारत और पाकिस्तान ने शिमला समझौते पर हस्ताक्षर किए. 1976 उत्तर और दक्षिण वियतनाम एक हुए. 1983 कल्पक्कम परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पहले एकांश ने काम शुरू किया. 1985 आंद्रेई ग्रेमिकी सोवियत संघ के राष्ट्रपति बने. 1990 मक्का में भगदड़ मची, एक हजार से अधिक हज यात्री मारे गए.

दैनिक पंचांग

2 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.25 बजे से
चंद्र	कन्या में	सिंह	08.41 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.53 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.04 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.18 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.34 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.39 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.26 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.59 बजे से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	मेष	00.29 बजे से
		वृष	02.09 बजे से
		मिथुन	04.07 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 183 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 11.59 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराफाल्गुनी 11.08 बजे को समाप्त।
योग वरीयान 17.47 बजे को समाप्त।
करण वणिज 11.59 बजे तदनन्तर विष्टि 01.00 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 06.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 02'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872393
जूलियन दिन 2460858.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 06

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कम नींद लेने पर डायबिटीज मरीजों को हो सकती हैं ये दिक्कत

अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो आपको कम सेक कम 8 घंटे की नींद लेना चाहिए, नहीं तो आपकी सेहत को भारी नुकसान हो सकता है।

पर्याप्त नींद सेहत की कुंजी होती है। नींद खराब यानी आपकी सेहत खराब। नींद की कमी के कारण हम कई तरह की बीमारियों से पीड़ित हो जाते हैं। खासकर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो आपको पर्याप्त नींद लेना काफी जरूरी होता है,नहीं तो इससे आपकी स्थिति और भी बदतर हो सकती है। आइए जानते हैं कम नींद लेने पर डायबिटीज के मरीजों को क्या-क्या दिक्कत हो सकती है।

डायबिटीज एक ऐसी समस्या है जिसका कोई इलाज नहीं है,यह एक बार हो जाता है तो यह आपके जीवन भर का साथी बन जाता है। इसमें पैंक्रियाज सही मात्रा में इंसुलिन नहीं बना पाते हैं या सेल्स इंसुलिन का सही इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं,इसके कारण ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है।

हो सकती हैं ये दिक्कत

एक्सपर्ट के मुताबिक नींद की कमी आपके ब्लड शुगर को प्रभावित कर सकती है। जो लोग 6 घंटे से कम नींद लेते हैं उनके शरीर में हार्मोन की गड़बड़ी होने लगती है,इसका सीधा असर आपके ब्लड शुगर पर पड़ सकता है। स्लीप साइकिल छोटी होने पर ब्लड वेसल को नुकसान पहुंच सकता है। देर से सोने से आपका इंसुलिन प्रतिरोध खराब हो सकता है। इसके कारण दूसरे अंगों को भी नुकसान पहुंच सकता है। अगर आप प्री-डायबिटिक हैं और कम नींद लेते हैं तो आप डायबिटीज के शिकार हो सकते हैं।

डायबिटीज के मरीज ऐसे रखें अपना ख्याल

- एक्सरसाइज करें
- 8 घंटे की पर्याप्त नींद लें।
- सोने का सही पैटर्न सेट करें
- हेल्दी डाइट लें।
- तंबाकू और शराब से दूरी बनाएं।

साइलेंट डिहाइड्रेशन की समस्या बहुत आम है। इसके लक्षण लंबे समय तक नजर नहीं आते हैं जिसकी वजह से कई बार इसे पहचानना मुश्किल हो जाता है।

साइलेंट डिहाइड्रेशन? समय रहते पहचानना है बेहद जरूरी

यूं तो डिहाइड्रेशन की समस्या किसी भी मौसम में हो सकती है । हमारे शरीर को हेल्दी रहने और सही तरह से फंक्शन करने के लिए पानी की बहुत जरूरत होती है। शरीर से टॉक्सिन्स, यूरिन और पसीने के जरिए पानी बाहर निकलता है। जितनी मात्रा में पानी हमारे शरीर से बाहर जा रहा है उसके अनुपात में जब हम पानी नहीं पीते हैं तो डिहाइड्रेशन के लक्षण नजर आने लगते हैं। डिहाइड्रेशन होने पर चक्कर आना, त्वचा से जुड़ी समस्याएं, किडनी या लिवर का ठीक तरह से काम न करना और भी कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। कई बार डिहाइड्रेशन के लक्षण नजर न आने पर भी आप डिहाइड्रेशन का शिकार हो सकते हैं। इसे डिहाइड्रेशन कहा जाता है। इसके लक्षण बहुत बाद में सामने आते हैं जिसके चलते कई हेल्थ प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। इस बारे में हमने पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट,डाइटीशियन, स्वाति बथवाल से बातचीत की। आइए जानते हैं साइलेंट डिहाइड्रेशन क्या होता है और कैसे इससे बचा जा सकता है।

साइलेंट डिहाइड्रेशन क्या होता है?

डिहाइड्रेशन की समस्या बहुत आम है। इस समस्या के कई लक्षण शरीर में दिखाई देते हैं जिनमें कमजोरी लगना, प्यास लगना, मुंह सूखना या फिर चक्कर आना शामिल हैं। अगर आपको इनमें से कोई लक्षण महसूस नहीं हो रहे हैं तो इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि आपको डिहाइड्रेशन ही समस्या नहीं है। कई बार डिहाइड्रेशन के लक्षण नजर नहीं आते हैं, इसे साइलेंट डिहाइड्रेशन कहा जाता है। यह डिहाइड्रेशन से अधिक खतरनाक होता है क्योंकि इस स्थिति में आप पहचान ही नहीं पाते हैं कि आपका शरीर डिहाइड्रेशन से जूझ रहा है।

क्या होती है वजहें?

डिहाइड्रेशन के पीछे और भी कई कारण हो सकते हैं। जिनमें डायरिया, अधिक पसीना आना, उल्टी होना या फिर पानी कम पीना शामिल हैं। डिहाइड्रेशन के दौरान हमारे शरीर में जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स जैसे कि क्लोराइड, पोटेशियम और सोडियम की भी कमी हो जाती है। इस कमी को तुरंत पूरा किया जाना बहुत जरूरी है। ये सभी इलेक्ट्रोलाइट्स हमारी सेल्स के सही तरह से काम करने के लिए बहुत जरूरी है और अगर तुरंत इनकी कमी को पूरा नहीं किया गया तो इसके परिणाम घातक हो सकते हैं।

कितना पानी है सही?

एक्सपर्ट की मानें तो दिन भर में आपको 35ml/kgBW/day पानी पीना चाहिए। इसे आसान भाषा में समझते हैं। अगर आपका वजन 50 किलो है तो आपको एक दिन में लगभग 35x 50 = 1.5 लीटर पानी पीना चाहिए। इसके साथ ही गर्मियों में पसीने के जरिए शरीर से जो पानी निकलता है उसकी कमी भी पूरी होनी चाहिए।

क्या करें?

- हाइड्रेट रहने के लिए सिप करते हुए पानी पिएं। दिन भर में 1-2 गिलास पानी/शरबत/नींबू पानी चुटकी भर नमक डालकर पिएं।
- कई बार काम के बीच हम पानी पीना भूल जाते हैं या प्यास लगने पर भी इग्नोर कर देते हैं। ऐसा बिल्कुल भी न करें।
- तरबूज, खरबूज, खीरा(खीरे के जूस के फायदे) और ककड़ी जिन चीजों में पानी की मात्रा अधिक होती है, उनका सेवन करें।
- एक्सरसाइज करने से पहले और बाद में अपना वजन चेक करें। अगर आपके वजन में 1 किलो का अंतर है तो अपनी डाइट में 1.5 लीटर पानी को शामिल करें। हाइड्रेशन सिर्फ पानी से नहीं आता है बल्कि शरबत, शिकंजी और चिया सीड्स भी हाइड्रेशन के लिए अच्छे माने जाते हैं।
- इसके साथ ही हाइड्रेटिंग फरूट्स जैसे तरबूज, ककड़ी, खीरा, कोकम शर्बत और बेल को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। इससे आपको हाइड्रेशन भी मिलता है और शरीर को ठंडक भी मिलती है। ये सब शरीर के तापमान को कम करने में भी मदद करते हैं।
- अगर आप कॉफी, सोडा, कैफीन वाली ड्रिंक्स या एल्कोहल पीते हैं तो भी आप डिहाइड्रेटेड हो सकते हैं इसलिए एक कप कॉफी से कुछ देर बाद एक गिलास पानी पिएं।
- पानी की मात्रा भी शरीर में जरूरत से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। ज्यादा पानी पीने से शरीर में सोडियम लेवल कम हो सकता है जो जानलेवा भी हो सकता है।

डिहाइड्रेशन के कारण बिगड़ सकती है चेहरे की रंगत

अक्सर लोगों को लगता है कि डिहाइड्रेशन सिर्फ गर्मियों में ही होता है। लेकिन, ऐसा नहीं है। डिहाइड्रेशन का असर, हमारी स्किन पर भी होता है। इसके कारण चेहरे की रंगत भी फीकी पड़ सकती है।

शरीर में पानी की कमी से डिहाइड्रेशन हो सकता है। शरीर के सही तरह से फंक्शन करने के लिए, पानी की सही मात्रा बहुत जरूरी है। जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो इसका असर बॉडी फंक्शन्स पर होता है। गर्मियों के मौसम में तापमान बढ़ने पर डिहाइड्रेशन के मामले ज्यादा सामने आने लगते हैं। लेकिन, इसका मतलब यह नहीं है कि डिहाइड्रेशन सिर्फ गर्मियों में होता है। हालांकि, गर्मियों में इसका खतरा ज्यादा रहता है क्योंकि शरीर से जिस अनुपात में यूरिन और पसीने के जरिए, पानी बाहर जाता है, जब हम उसके अनुपात में पानी नहीं पीते हैं, तो शरीर में पानी की कमी हो सकती है। डिहाइड्रेशन का असर शरीर के काम पर तो होता ही है। लेकिन, साथ ही इसके कुछ संकेत स्किन पर भी नजर आने लगते हैं। इसके कारण चेहरे की रंगत भी फीकी पड़ सकती है। डिहाइड्रेशन किस तरह हमारे चेहरे की रंगत को फीका कर सकता है, एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर आप कम मात्रा में पानी पीते हैं, तो इसका असर आपकी स्किन पर भी हो सकता है।

- स्किन को हेल्दी रखने में पानी की अहम भूमिका है और यही कारण है कि जब आप कम पानी पीती हैं, तो इससे स्किन की रंगत खोने लगती है।
- डिहाइड्रेशन के कारण, स्किन रूखी और बेजान लगने लगती है।
- जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो ऑयल प्रोडक्शन बढ़ जाता है और इसके कारण, एक्ने होने लगते हैं।
- पानी की कमी के कारण, स्किन पर कालापन भी नजर आ सकता है।
- इसके कारण समय से पहले स्किन पर एजिंग के साइन्स दिखाई देते हैं और त्वचा की कसावट और लचीलापन कम होने लगता है।
- डिहाइड्रेशन की वजह से स्किन पर रैशेज भी हो सकते हैं।
- आपकी स्किन किसी भी टाइप की हो, पानी की कमी होने पर, यह अपनी चमक खोने लगती है।
- इसके कारण आंखों के नीचे स्वेलिंग या काले घेरे भी हो सकते हैं।
- स्किन हेल्थ के लिए, 8 से 10 गिलास पानी पीना बहुत जरूरी है।

सेहतमंद रहने के लिए, सही मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। इन्हें एक्सपर्ट के बताए तरीके से इस्तेमाल करें। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या है, तो हमें आर्टिकल के ऊपर दिए गए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने आर्टिकल्स के जरिए आपकी समस्या को हल करने की कोशिश करेंगे।

ऐसे करें डिहाइड्रेशन टेस्ट और जानें शरीर को कितने पानी की है जरूरत

शरीर में पानी की जरूरत कितनी होती है और डिहाइड्रेटेड होने पर क्या-क्या हो सकता है इसके बारे में तो आप जानते ही होंगे। दरअसल, शरीर की असली ताकत सभी विटामिन-मिनरल्स के साथ-साथ सही हाइड्रेशन पर भी निर्भर रहती है और अगर आपने इसपर ध्यान नहीं दिया तो ये भी हो सकता है कि आपके साथ कई तरह की समस्याएं हो जाएं जैसे स्किन प्रॉब्लम्स, हीट स्ट्रोक, किडनी या लिवर का ठीक तरह से फंक्शन न करना, वॉटर रिटेंशन की समस्या आदि। ऐसे में कई लोगों के साथ ये समस्या होती है कि उन्हें इसके बारे में जानकारी ही नहीं होती कि कब वो डिहाइड्रेट हो रहे हैं और कैसे वो इसे सुधारें। सबसे पहले हमें ये जानना जरूरी है कि हम खुद से ही अपना डिहाइड्रेशन टेस्ट कैसे करें। इसके लिए सेलेब न्यूट्रिशनिस्ट पूजा मखीजा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ये बताया है कि हम खुद ही स्किन के जरिए अपना डिहाइड्रेशन टेस्ट कैसे कर सकते हैं। हमारी स्किन हमें बता सकती है कि शरीर को पानी की जरूरत है या फिर नहीं है।

कैसे करें डिहाइड्रेशन टेस्ट?

स्किन के डिहाइड्रेट होने से ये पता लगाया जा सकता है कि हमारा शरीर कितना डिहाइड्रेटेड है। पूजा मखीजा का कहना है कि अगर आप ट्रैवल कर रहे हैं या फिर आप बहुत देर से कोई काम कर रहे हैं तो ये टेस्ट जरूर कर लेना चाहिए। इसके लिए आप स्किन को बेस बना सकते हैं।

क्या करें-

उंगलियों के नकल्स (उंगलियों के जोड़ों की स्किन) को पिंच करके उठाएं।

अगर वो एकदम से नीचे चली जाती है तो शरीर डिहाइड्रेटेड नहीं है।

अगर ये नीचे जाने में थोड़ा समय लेती है तो आपका शरीर डिहाइड्रेटेड है।

ये टेस्ट आप नॉर्मल स्किन पर भी कर सकते हैं, लेकिन सबसे अच्छे नतीजे नकल्स की स्किन पर ही होते हैं।

डिहाइड्रेशन को दूर करने के लिए सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप धीरे-धीरे सिप-सिप कर पानी पिएं। एकदम से प्यास लगने पर पूरा 1 ग्लास पानी पी जाना हमें अच्छा तो लगता है, लेकिन यकीन मानिए ये डिहाइड्रेशन पर कोई खास असर नहीं करता है। आपको इसके लिए ठीक तरह से पानी पीना होगा। अगर पूरे दिन में आप थोड़ी-थोड़ी देर में सिप-सिप कर पानी पीते हैं तो शरीर ज्यादा बेहतर तरीके से हाइड्रेट रह सकेगा।

किन तरीकों से कम किया जा सकता है डिहाइड्रेशन-

- अगर आपको लग रहा है कि शरीर डिहाइड्रेटेड है तो आप उसे ठीक करने के लिए ये तरीके अपना सकते हैं-
- अगर शरीर डिहाइड्रेट हो रहा है तो बल्ड शुगर लेवल भी कम होता है ऐसे में ग्लूकोज का पानी लेना सही हो सकता है।
- अगर आपको बार-बार वीकनेस फील हो रही है तो आप नारियल पानी पी सकते हैं।
- अगर कहीं ट्रैवल कर रहे हैं तो हमेशा अपने साथ पानी की बोतल रखें। आप खीरा आदि खाकर भी डिहाइड्रेशन को कम कर सकते हैं।
- अगर आपको लग रहा है कि गर्मी और धूप के कारण चक्कर आ रहा है तो छांव में जाकर शरीर को ठंडा करने की कोशिश करें और फिर थोड़ा सा पानी पिएं। एकदम से पानी पीना सही नहीं होगा।
- अगर डिहाइड्रेशन के कारण उल्टी-दस्त शुरू हो गए हैं तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

सोने के तेवर फिर गरम, 100719 पर पहुंचा भाव, चांदी में 1060 रुपये की उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी के तेवर एक बार फिर गरम हो रहे हैं। आज सोने का भाव 306 रुपये और चांदी का 1060 रुपये उछला है। आज 3 जुलाई गुरुवार को 24 कैरेट सोना 97786 रुपये पर खुला है। जीएसटी के साथ 24 कैरेट सोना जहां 100,719 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से बिक रहा है तो चांदी 110,980 रुपये किलो बिक रही है।

22 कैरेट गोल्ड का रेट : आईबीजेए रेट्स के मुताबिक 23 कैरेट गोल्ड भी 306 रुपये उछल कर 97394 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। जीएसटी संग इसकी कीमत अब 100,315 रुपये हो गई है। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड का औसत हाजिर भाव 280 रुपये बढ़कर 89572 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर खुला। जीएसटी के साथ यह 92259 रुपये का 10 ग्राम बैठेगा।

18 कैरेट गोल्ड का भाव : 18 कैरेट गोल्ड का भाव भी 230 रुपये महंगा होकर 73340 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। 3 पर्सेंट जीएसटी के साथ 75540 रुपये का पड़ेगा। जबकि, 14 कैरेट गोल्ड की कीमत 179 रुपये चढ़कर होकर 57205 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। इसमें जीएसटी जोड़ने के बाद यह 58921 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच जा रहा है। अभी इसमें मेकिंग चार्ज नहीं जुड़ा है। सोने-चांदी के हाजिर भाव इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किए हैं। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास।

इस साल कितने बढ़े सोने-चांदी के दाम : सर्राफा बाजारों में इस साल सोना करीब 22046 रुपये और चांदी 21731 रुपये महंगी हो चुकी है। 31 दिसंबर 24 को सोना 76045 रुपये प्रति 10 के रेट से खुला था और चांदी 85680 रुपये प्रति किलो से। इस दिन सोना 75740 रुपये पर बंद हुआ। चांदी भी 86017 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

पीएनबी के बाद अब इंडियन बैंक ब ने माफ किया पूरा शुल्क, 7 जुलाई से ग्राहकों उठा सकेंगे फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी बैंक ग्राहकों के लिए अच्छी खबर है। इंडियन बैंक बचत बैंक खातों में मिनिमम बैलेंस की आवश्यकता को समाप्त कर रहा है। बैंक ने ऐलान किया है कि वह 7 जुलाई, 2025 से बचत बैंक खातों में न्यूनतम बैलेंस की जरूरत को समाप्त कर रहा है। बता दें कि इससे पहले पंजाब नेशनल बैंक ने इसी तरह का ऐलान किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में बैंक के आधिकारिक अकाउंट ने लिखा कि इस निर्णय का उद्देश्य ग्राहकों के लिए वित्तीय समावेशन, पहुंच और सामर्थ्य में सुधार करना है। पोस्ट में एक ग्राफिक में लिखा है, आपका पैसा, आपके नियम। कोई न्यूनतम शेष राशि नहीं, कोई जुर्माना नहीं। 7 जुलाई, 2025 से 0 प्रतिशत प्रभावी। बैंक ने लिखा, पब्लिक अनाउंसमेंट- एक महत्वपूर्ण कस्टमर-फोकस पहल में हम 7 जुलाई, 2025 से प्रभावी, अपने सभी बचत बैंक खातों में न्यूनतम शेष राशि शुल्क की पूर्ण छूट की घोषणा करते हुए खुश हैं। इसमें कहा गया है- इस कदम का उद्देश्य वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना और समाज के सभी वर्गों के लिए बैंकिंग को अधिक सुलभ और किफायती बनाना है।

सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर नए कारोबार में तेजी के कारण जून में 10 महीने के उच्च स्तर पर, पीएमआई से पुष्टि

नई दिल्ली, एजेंसी। मांग के सकारात्मक रुझान और बिक्री में जारी सुधार के बीच अंतरराष्ट्रीय बिक्री और रोजगार सृजन में मजबूत विस्तार होने से जून में भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 10 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। एक मासिक सर्वेक्षण में गुरुवार को इसकी पुष्टि की गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स मई में 58.8 से बढ़कर जून में 60.4 हो गया, जो नए व्यावसायिक ऑर्डरों में तीव्र वृद्धि के कारण हुआ।

क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में, 50 से ऊपर का अंक विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, सेवा पीएमआई व्यवसाय गतिविधि सूचकांक दस महीने के उच्चतम स्तर पर

पहुंच गया, जिसका कारण नए घरेलू ऑर्डरों में तीव्र वृद्धि थी। नए निर्यात ऑर्डरों में भी वृद्धि हुई, यद्यपि धीमी गति से। मार्जिन में सुधार हुआ, क्योंकि इनपुट लागत में वृद्धि आउटपुट शुल्कों के मुकाबले कम थी।

आंकड़ों के अनुसार अगस्त 2024 के बाद से नए ऑर्डरों में सबसे तेज वृद्धि हुई। सेवा कंपनियों को घरेलू बाजार की निरंतर मजबूती से सबसे अधिक लाभ हुआ। साथ ही नए निर्यात कारोबार में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। पैनल के सदस्यों के अनुसार, विदेशी मांग में विशेष रूप से एशियाई, मध्य पूर्वी और अमेरिकी बाजारों से सुधार हुआ है।

भारतीय सेवा क्षेत्र के निरंतर विस्तार का भर्ती पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। जून में लगातार 37वें महीने रोजगार में वृद्धि हुई। मई के रिकॉर्ड से धीमी होने के बावजूद रोजगार वृद्धि की दर अपने दीर्घकालिक औसत से आगे निकल गई।

सर्वेक्षण में कहा गया है कि मूल्य के मोर्चे पर, लागत दबाव उपभोक्ता सेवा श्रेणी में सबसे अधिक था, जबकि आउटपुट शुल्क में सबसे तेज वृद्धि वित्त और बीमा क्षेत्र में देखी गई। सर्वेक्षण के अनुसार, एक वर्ष के समय में उत्पादन स्तर के दृष्टिकोण के बारे में आशावाद कायम रहा, 18 प्रतिशत सेवा प्रदाताओं ने वृद्धि का पूर्वानुमान लगाया। हालाँकि, उत्साहित फर्मों का यह अनुपात 2022 के मध्य के बाद से सबसे कम था। इसलिए, आत्मविश्वास का समग्र स्तर गिर गया और अपने दीर्घकालिक औसत से नीचे था।

पाकिस्तान का साथ देने वाले दो देशों पर दिख रहा भारतीय पर्यटकों के बायकॉट का असर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान के बीच चले संघर्ष का असर देश की एयरलाइन इंडस्ट्री और मध्य एशिया जाने वाले यात्राओं पर साफ दिखा। मई के आंकड़ों से पता चलता है कि कैसे इन दोनों क्षेत्रों को प्रभावित किया। जब बॉर्डर इलाकों में हमला हुआ तो उत्तर और पश्चिम भारत के 32 एयरपोर्ट बंद कर दिए गए। पहले ही दिन 50 से ज्यादा फ्लाइट कैंसल करनी पड़ीं। डीजीसीए के अनुसार, मई में एयर इंडिया को सबसे ज्यादा झटका लगा। उसकी 3.4 प्रतिशत फ्लाइट कैंसल हुईं, जबकि अप्रैल में ये सिर्फ 0.27 प्रतिशत थी।

भारत और पाक संघर्ष में अजरबैजान और तुर्किये ने पाकिस्तान का साथ दिया। इसके बाद कई लोगों ने उन दोनों की अपनी यात्रा रद्द कर दी। मई के आंकड़े बताते हैं कि अजरबैजान जाने वाले भारतीयों की संख्या पिछले साल मई में 29,691 थी, जो इस साल मई में घटकर 23,326 रह गई। तुर्किये में भी भारतीय पर्यटकों की संख्या मई 2024 में 41,544 थी, जो मई 2025 में घटकर 31,659 रह गई। अजरबैजान के लिए 2018 के बाद यह पहली बार है जब भारतीय पर्यटकों की संख्या में इतनी बड़ी गिरावट आई (कोविड साल छोड़कर)। तुर्किये में यह गिरावट लगातार तीसरे महीने रही।

यूएस-वियतनाम व्यापार समझौते से सबक ले सकता है भारत, जीटीआरआई की रिपोर्ट में अहम संकेत

वॉशिंगटन , एजेंसी। हाल ही में अमेरिका और वियतनाम के बीच व्यापार समझौता हुआ है। इस व्यापार समझौते से भारत कई सबक सीख सकता है। खासकर भारतीय निर्यातकों पर इसका गहरा असर हो सकता है। भारत, वियतनाम को निर्यात के मामले में प्रतिद्वंदी और क्षेत्रीय सहयोगी दोनों मानता है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट में यह बताया गया है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका और वियतनाम में जब साल 2000 में व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसके बाद वियतनाम के उत्पाद अमेरिका में सिर्फ 2 से 10 प्रतिशत टैरिफ पर आने लगे। अब ट्रंप प्रशासन ने नई डील में वियतनामी उत्पादों के अमेरिका में आने पर 20 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का फैसला किया है। अमेरिका के इस कदम से वियतनाम का निर्यात बुरी तरह से प्रभावित हो सकता है। जीटीआरआई ने कहा कि भारतीय निर्यातकों को भी इससे सबक लेना चाहिए।

नए समझौते से वियतनाम के निर्यात पर पड़ेगा विपरीत असर: साल 2000 में हुए व्यापार समझौते के बाद वियतनाम के उत्पादों की अमेरिका में आवक काफी बढ़ गई और एक समय जो वियतनाम का निर्यात सिर्फ 80 करोड़ डॉलर था, वह बढ़कर 135 अरब डॉलर हो गया। विशेषज्ञों का दावा है कि नए टैरिफ के बाद वियतनाम की यह बढ़त खत्म हो सकती है और इससे वियतनाम का निर्यात सेक्टर बुरी तरह से प्रभावित होगा। इतना ही नहीं वियतनाम होकर अमेरिका आने वाले चीनी सामान पर 40 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला किया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका का यह कदम विश्व व्यापार संगठन के नियमों के खिलाफ है। जीटीआरआई ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर बातचीत अंतिम चरण में है। ऐसे में भारत की तरफ से बातचीत कर रहे लोगों को सलाह है कि वे वियतनाम के अनुभव से सीखें और पुरानी छूट को वापस लेने, टैरिफ लगाने और सामान के उत्पादन की जगह को लेकर अस्पष्ट नियमों पर अमेरिका के साथ स्पष्ट बातचीत करें।

8 देशों के पास है अमेरिका से बड़ा तेल भंडार

नई दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोलियम को काला सोना कहा जाता है। इससे कई तरह के प्रोडक्ट्स बनते हैं जिनका कई उद्योगों में व्यापक इस्तेमाल होता है। इसके बिजनस पर कब्जा करने के लिए दुनिया देशों के बीच होड़ चलती रहती है। पश्चिम एशिया के कई देशों के इकॉनमी पूरी तरह तेल पर निर्भर है। फिलहाल अमेरिका दुनिया में कच्चे तेल का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है लेकिन उसके पास इसका बहुत बड़ा भंडार नहीं है। दुनिया के आठ देशों में अमेरिका से बड़ा ऑयल रिजर्व है। जानिए किन देशों के पास है कच्चे तेल के बड़े भंडार...

तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक के मुताबिक दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला के पास है। इस देश के पास 303 अरब बैरल ऑयल रिजर्व है जो दुनिया के कुल ज्ञात तेल भंडार का 17.3 फीसदी है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर सऊदी अरब है। इस देश का ऑयल रिजर्व

267 अरब बैरल है जो दुनिया का 15.2 फीसदी है। ईरान 209 अरब बैरल के भंडार के साथ इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर है। वेनेजुएला और ईरान उन देशों में शामिल हैं जहां पेट्रोल की कीमत सबसे कम है।

कौन-कौन हैं टॉप 10 में: कनाडा एरिया के आधार पर दुनिया का दूसरा बड़ा देश है। इस देश में 163 अरब बैरल कच्चे तेल का भंडार है जो दुनिया का 9.3 फीसदी है। इराक में 145 अरब बैरल कच्चे तेल का भंडार है। इसी तरह यूएई में 113 अरब बैरल, कुवैत में 102 अरब बैरल, रूस में 80 अरब बैरल, अमेरिका में 74 अरब बैरल और लीबिया में 48 अरब बैरल कच्चे तेल का भंडार है। भारत अपनी जरूरत का 85 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस भारत का सबसे बड़ा सप्लायर बनकर उभरा है।

ऑफिस में काम करने वालों की भर्तियां 20 फीसदी बढ़ी, दिल्ली-एनसीआर जैसे महानगरों में धीमी बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑफिस में काम करने वालों (व्हाइट कॉलर) की भर्तियां जून, 2025 में सालाना आधार पर 20 फीसदी बढ़ी हैं। इसमें मुख्य रूप से टियर-2 श्रेणी के शहरों (छोटे शहर) का योगदान रहा है और वे देश की रोजगार वृद्धि को गति देने वाले प्रमुख इंजन के रूप में उभर रहे हैं।

26 फीसदी वृद्धि के साथ कोयंबटूर सबसे आगे: फाउंडइट इनसाइट्स ट्रैकर के मुताबिक, भर्तियों में 26 फीसदी वृद्धि के साथ कोयंबटूर सबसे आगे रहा। इसके बाद नागपुर और नासिक में 24 फीसदी की वृद्धि हुई। इसमें आईटी, बीएफएसआई (बैंकिंग, वित्तीय सेवा एवं बीमा), विनिर्माण और एफएमसीजी क्षेत्रों का योगदान है।

हाल के वर्षों में सबसे मजबूत वृद्धि: फाउंडइट के मुख्य राजस्व एवं वृद्धि अधिकारी प्रणय काले ने कहा, यह हाल के वर्षों में सबसे मजबूत वृद्धि है, जो भारत के रोजगार परिदृश्य में टियर-2 शहरों के बढ़ते महत्व को बताती है। अब नौकरी चाहने वालों के पास अपने घर के पास ही विभिन्न अवसर उपलब्ध हैं।

दिल्ली-एनसीआर जैसे महानगरों में धीमी बढ़ोतरी: रिपोर्ट के मुताबिक, टियर-2 शहरों में भर्तियां सालाना आधार पर 28 फीसदी बढ़ी हैं। इसके उलट, दिल्ली-एनसीआर (5 फीसदी), चेन्नई (18 फीसदी) और बंगलूरू (16 फीसदी) जैसे प्रमुख महानगरों में तुलनात्मक रूप से धीमी वृद्धि देखी गई। टियर-2 शहरों में आईटी भर्तियों में 53 फीसदी की असाधारण वृद्धि रही जो राष्ट्रीय औसत 30 फीसदी से अधिक है।

भारत को रोकने के लिए चीन, फॉक्सकॉन से चीनी कर्मचारियों को बुलाना देश के लिए चेतावनी, दिग्गज निवेशक ने किया अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। फॉक्सकॉन ने भारत स्थित अपने आईफोन प्लांट्स के सैकड़ों चीनी इंजीनियरों और टेक्नीशियनों को वापस बुला लिया है। इससे भारत में एपल की आईफोन निर्माण को बढ़ाने की योजना को बड़ा झटका लग सकता है। इस बीच, कमोडिटी निवेशक सूर्या कनेगांवकर ने इसे सोचा-समझा झटका बताया। उनका कहना है कि भारत में फॉक्सकॉन के आईफोन प्लांट से चीन द्वारा इंजीनियरों को वापस बुलाना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। उन्होंने कहा, भारत को रोकने के लिए चीन कुछ भी करने से नहीं चूकेगा।

क्या है डिटेल

फॉक्सकॉन के तमिलनाडु और कर्नाटक प्लांट से 300 से अधिक चीनी टेक्नीशियनों को वापस बुलाना कारोबार को बाधित करने की चाल है। इसे टेक्नोलॉजी हस्तांतरण को प्रतिबंधित करने और भारत की विनिर्माण महत्वाकांक्षाओं को रोकने के कदम के रूप में देखा जाता है। कनेगांवकर ने एक्स पर लिखा, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है। भारत को एक लड़खड़ाते हुए प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा जाता है, जो जमीन से उठने के लिए संघर्ष

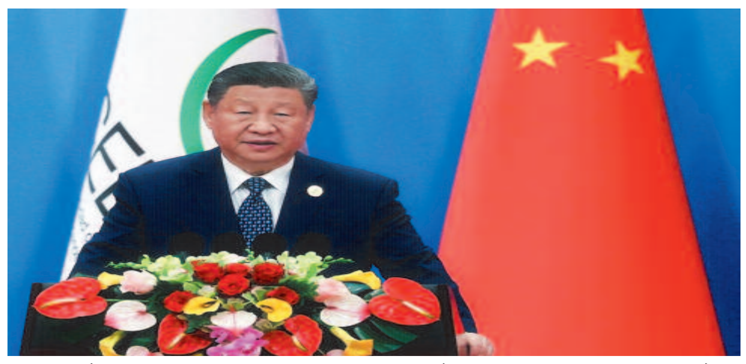

कर रहा है। बता दें कि फॉक्सकॉन ने स्थानीय टीमों को ट्रेंड करने और उच्च-स्तरीय विनिर्माण प्रक्रियाओं को एम्बेड करने के लिए चीनी इंजीनियरों पर भरोसा किया है। उनके अचानक चले जाने से संचालन धीमा होने और ज्ञान हस्तांतरण में बाधा आने की उम्मीद है।

जबकि एपल और फ़ॉक्सकॉन ने ताइवान और वियतनामी प्रतिस्थापनों की ओर रुख किया है, और भारतीय श्रमिकों को अपस्किल करना शुरू कर दिया है, फिर भी अंतर बना हुआ है।

कनेगांवकर ने एक गहरी संरचनात्मक कमजोरी की ओर इशारा किया- भारत पूरी तरह से चीनी मशीन टूल्स, दुर्लभ पृथ्वी और इलेक्ट्रॉनिक्स घटकों पर निर्भर रहते हुए औद्योगीकरण का प्रयास कर रहा है, जो बेतुका है। आपूर्ति श्रृंखला के हर हिस्से का अध्ययन और सुधार कल ही किया जाना चाहिए था। मल्टीनेशनल कंपनियों के लिए संदेश स्पष्ट है- आपूर्ति श्रृंखलाओं को भारत में स्थानांतरित करने की कीमत चुकानी पड़ सकती है। भारत, जो अब वैश्विक आईफोन का 20 प्रतिशत उत्पादन करता है, 2026 तक अमेरिका के लिए अधिकांश उपकरणों की आपूर्ति करने की एप्पल की योजना का केंद्रबिंदु है। लेकिन भू-राजनीतिक जोखिम इस प्रक्षेपवक्र को खतरे में डालते हैं। कानेगांवकर ने कहा, एक राज्य के रूप में अपनी स्थिति को मित्रों और शत्रुओं दोनों की उदारता पर निर्भर देखना आत्मनिरीक्षण और तत्काल सुधार की मांग करता है।

मुकेश अंबानी का गेम प्लान, एफएमसीजी ब्रांड्स को अलग कर बना रहे नई कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी अपने नए गेम प्लान से प्रतिद्वंद्वियों को मात देने की तैयारी है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने सभी तेजी से बिकने वाले उपभोक्ता सामान यानी एफएमसीजी ब्रांड्स को अलग करने का बड़ा फैसला लिया है। ये ब्रांड अभी रिलायंस की रिटेल कंपनियों आरआरवीएल, आरआरएल, आरसीपीएल के अंदर थे। अब इन्हें एक नई अलग कंपनी में रखा जाएगा, जिसका नाम होगा न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड। यह नई कंपनी ठीक जियो प्लेटफॉर्म्स की तरह सीधे रिलायंस की सहायक कंपनी होगी।

बदलाव का मुख्य कारण: इकनॉमिक टाइम्स की खबर के मुताबिक इस बदलाव का मुख्य कारण है कि इन एफएमसीजी ब्रांड्स को विशेष और पूरा ध्यान मिल सके। रिलायंस का कहना है कि एफएमसीजी का बिजनेस पूरी तरह अलग है। इसमें ब्रांड बनाना, उत्पादों पर रिसर्च करना, उन्हें बनाना, बांटना और उनका मार्केटिंग करना शामिल है। इसके लिए अलग कौशल और विशेषज्ञता की जरूरत होती है, जो सामान्य रिटेल बिजनेस से भिन्न है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के एक आदेश में भी कहा गया है कि यह कदम एक अलग तरह के निवेशकों को आकर्षित करने में मदद करेगा।

रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी पहले ही अपनी रिटेल और टेलीकॉम कंपनियों के लिए आईपीओ लाने की योजना का संकेत दे चुके हैं। कंपनी के प्लान जानने वाले लोगों का मानना है कि यह रीस्ट्रक्चरिंग रिटेल बिजनेस को शेयर बाजार में लाने की तैयारी का हिस्सा है। एफएमसीजी बिजनेस को अलग करने से रिटेल कंपनी का वैल्यूएशन (मूल्यांकन) बेहतर और स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड का वैल्यूएशन 100 अरब डॉलर (करीब 8.5 लाख करोड़ रुपये) से भी ज्यादा है, जो इसके आईपीओ को हाल के सबसे बड़े आईपीओ में से एक बना सकता है।

कितना बड़ा है एफएमसीजी बिजनेस कौन से हैं ब्रांड्स: रिलायंस का एफएमसीजी बिजनेस वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 11,500 करोड़ रुपये का था। इसमें 15 से ज्यादा घरेलू और खरीदे गए ब्रांड्स शामिल हैं, जैसे... एनसीएलटी के दस्तावेज के मुताबिक, एफएमसीजी बिजनेस को लगातार बड़े पैमाने पर पूंजी निवेश (कैपिटल इन्वेस्टमेंट) की जरूरत होती है और यह एक अलग तरह के निवेशकों को अपनी ओर खींच सकता है। इसलिए, यह साफ किया गया है कि कंज्यूमर ब्रांड्स का बिजनेस, रिटेल बिजनेस का हिस्सा नहीं है और इसे सीधे रिलायंस की एक अलग सहायक कंपनी में रखने का प्रस्ताव है।

अप्रैल-जून तिमाही में विदेशी फंड प्रवाह घटा, रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश 33 प्रतिशत लुढ़का

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितताओं के चलते अप्रैल-जून 2025 के दौरान भारत में रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश में गिरावट आई है। इसका मतलब है कि देश में रियल एस्टेट सेक्टर (जैसे मॉल, ऑफिस, हाउसिंग प्रोजेक्ट्स आदि) में बड़े वित्तीय संस्थानों द्वारा किया जाने वाला निवेश पहले की तुलना में कम हो गया है। रियल एस्टेट परामर्शदाता कोलियर्स की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल-जून 2025 में संस्थागत निवेश 33 प्रतिशत घटकर 1.69 अरब डॉलर रह गया। पिछले साल इसी अवधि में यह 2.53 अरब था। इस गिरावट की मुख्य वजह विदेशी फंडिंग में लगभग 50 प्रतिशत की कमी रही, जो 2,046.8 मिलियन डॉलर से घटकर 1,048.4 मिलियन डॉलर रह गई।

घरेलू निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़कर हुई 34 प्रतिशत

हालांकि, घरेलू निवेशकों ने बाजार में भरोसा जताया और अप्रैल-जून तिमाही में 32 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 642.8 मिलियन डॉलर का निवेश किया। यह पिछले साल की समान अवधि में 486.5 मिलियन डॉलर था। कोलियर्स इंडिया के सीईओ, बादल याग्निक ने कहा कि घरेलू पूंजी अब भारत के रियल एस्टेट निवेश में एक प्रमुख चालक बनकर उभरी है। 2021 में कुल निवेश में इसकी हिस्सेदारी 16 प्रतिशत थी। यह 2024 में बढ़कर 34 प्रतिशत हो गई। उन्होंने यह भी बताया कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद 2025 की पहली छमाही में घरेलू निवेश का हिस्सा कुल निवेश का 48 प्रतिशत रहा। इससे कुल निवेश 3 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच सका।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच विदेशी निवेशक सतर्क बने रहे

आंकड़ों के अनुसार, जनवरी-जून 2025 के दौरान कुल संस्थागत निवेश 15 प्रतिशत घटकर 2,998.10 मिलियन अमरीकी डॉलर रहा। यह एक साल पहले इसी अवधि में 3,528.50 मिलियन अमरीकी डॉलर था। इस दौरान विदेशी निवेश 1,570.6 मिलियन डॉलर रहा, जो पिछले साल के 2,593.8 मिलियन डॉलर से काफी कम है। वैश्विक निवेशक उभरते व्यापक आर्थिक परिदृश्यों, ऋण प्रवाह और महंगाई के दबावों के बीच सतर्क बने हुए हैं। इसके विपरीत, घरेलू निवेशकों ने 1,427.5 मिलियन डॉलर का निवेश किया, जो कि 2024 की पहली छमाही के 934.7 मिलियन डॉलर की तुलना में 53 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट में बताया गया है कि संस्थागत निवेश में फंडिंग के स्रोतों में फैमिली ऑफिसेज, विदेशी कंपनियां, विदेशी बैंक, पेंशन फंड्स, निजी इक्विटी, रियल एस्टेट डेवलपर्स फंड, विदेशी एनबीएफसी, सूचीबद्ध रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट और संप्रभु संपत्ति कोष शामिल हैं।

पुलिस एंड फायर गेम्स 2025:

गुरुप्रसाद ने मनवाया भारतीय पुलिस का लोहा, गोल्ड के साथ जीता ब्रॉन्ज

कर्नाटक, एजेंसी। कर्नाटक के तुमकुरु जिला पुलिस विभाग के एथलीट गुरुप्रसाद ने अमेरिका में भारतीय पुलिस का लोहा मनवाया है। गुरुप्रसाद ने अलबामा में आयोजित वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स 2025 के 21वें संस्करण में स्वर्ण और कांस्य पदक अपने नाम किए। भारतीय पुलिस टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए, गुरुप्रसाद ने अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में 10 किलोमीटर क्रॉस कंट्री दौड़ में स्वर्ण और 5 किलोमीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता। गुरुप्रसाद वर्तमान में तुमकुरु शहर के तिलक पार्क पुलिस स्टेशन में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत हैं। वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स 2025 का आयोजन 27 जून से 6 जुलाई के बीच अमेरिका में हो रहा है, जो एक ओलंपिक शैली की प्रतियोगिता है। इसमें विश्व के अलग-अलग देशों के हजारों एथलीट हिस्सा लेते हैं, जिनमें लॉ-एनफोर्समेंट, फायरफाइटर्स और करेक्शन, प्रोबेशन, बॉर्डर प्रोटेक्शन, इमिग्रेशन और कस्टम के अधिकारी होते हैं।

खेलों का आयोजन हर दो साल में एक बार किया जाता है। आमतौर पर आधिकारिक खेल कार्यक्रम में 60 से अधिक खेल शामिल होते हैं। इन खेलों का संचालन कैलिफोर्निया पुलिस एथलेटिक फेडरेशन (सीपीएएफ), मेजबान शहर और डब्ल्यूपीएफजी निदेशक मंडल करते हैं। पहली बार वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स साल 1985 में सैन जोस (कैलिफोर्निया) में आयोजित किया गया था। अब तक इसका आयोजन अमेरिका सहित ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चीन, उत्तरी आयरलैंड, स्पेन और स्वीडन में किया जा चुका है। वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स (डब्ल्यूपीएफजी) का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर कैलिफोर्निया पुलिस गेम्स की ही तरह खेलों की समान विविधता, उच्च स्तरीय स्टेडियम, कुशल अधिकारी और बेहतरीन एथलेटिक प्रदर्शन प्रदान करना है।

डब्ल्यूपीएफजी का दायरा लगातार बढ़ रहा है। इसमें हिस्सा लेने वाले देशों की संख्या के साथ-साथ उपस्थिति भी लगातार बढ़ रही है। हालांकि, इसमें औसतन लगभग 9,000 एथलीट हिस्सा लेते हैं, लेकिन 2011 में न्यूयॉर्क में आयोजित डब्ल्यूपीएफजी ने अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी का रिकॉर्ड बनाया था, जिसमें करीब 70 देशों से आए 16,000 से अधिक एथलीट्स ने 67 खेलों में प्रतिस्पर्धा की थी।

वैभव के तूफान में उड़ा इंग्लैंड

छक्कों की बारिश की

शतक से चूके पर बना दिया महा-रिकॉर्ड

नॉर्थेम्पटन, एजेंसी। वैभव ने 31 गेंद में 86 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में छह चौके और नौ छक्के लगाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 277.42 का रहा। वैभव शतक से चूक गए। एक तरफ जहां एजबेस्टन में भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट मैच जारी है, वहीं दूसरी तरफ बुधवार को भारतीय अंडर-19 और इंग्लैंड अंडर-19 टीम के बीच वनडे मुकाबला भी खेला गया। हालांकि, इंग्लैंड की टीम पर भारत के 14 साल के वैभव सूर्यवंशी कहर बनकर टूटे। उन्होंने एक ऐसी पारी खेली, जिसका इंग्लिश टीम के पास कोई जवाब नहीं था। वह शतक से चूक गए, लेकिन छक्कों की बारिश से उन्होंने एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह अंडर-19 यूथ वनडे के किसी एक मैच की पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बन गए। आयुष म्हात्रे की अगुआई वाली भारतीय टीम ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। अगला मुकाबला पांच जुलाई को वॉर्सेस्टर में खेला जाएगा।

वैभव ने 31 गेंद में 86 रन बनाए

दरअसल, बारिश की वजह से मैच को 40-40 ओवर का कर दिया गया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 40 ओवर में छह विकेट पर 268 रन बनाए थे। जवाब में भारत ने 34.3 ओवर में छह विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। वैभव ने 31 गेंद में 86 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में छह चौके और नौ छक्के लगाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 277.42 का रहा। वैभव शतक से चूक गए। उन्हें एलेक्जेंडर वेड ने जोसेफ मूर्स के हाथों कैच कराया। हालांकि, नौ छक्के लगाते ही वैभव के नाम रिकॉर्ड जुड़ गया। अंडर-19 यूथ वनडे के किसी एक मैच की पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का भारतीय रिकॉर्ड वैभव से पहले राज बावा के नाम था। उन्होंने 2022 में युगांडा के खिलाफ ऐसा किया था।

इंग्लैंड दौरे पर वैभव का अब तक प्रदर्शन

वैभव अब तक इस दौरे पर तीन पारियों में 59.67 की औसत और 213.10 के स्ट्राइक रेट से 179 रन बना चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 14 चौके और 17 छक्के लगाए हैं। वैभव फिलहाल थॉमस रियू के बाद इस दौरे पर सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में दूसरे नंबर पर हैं। रियू ने तीन पारियों में 212 रन बनाए हैं। वैभव ने दौरे के पहले मैच में 19 गेंद में तीन चौके और पांच छक्के की मदद से 48 रन की पारी खेली थी। वहीं, दूसरे वनडे में उन्होंने 34 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के की मदद से 45 रन बनाए थे। 14 साल के वैभव आईपीएल 2025 में शतक लगाकर सुर्खियों में आए थे। वह लीग में ऐसा करने वाले सबसे युवा बल्लेबाज भी बन गए थे। उन्होंने 35 गेंद पर शतक पूरा किया था जो कि किसी भारतीय द्वारा सबसे तेज है।

बदले की आग में जल रहे रोमन रेंस

इस इवेंट में करेंगे वापसी, इन रेसलर्स की कुटाई तय

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई के दर्शक रोमन रेंस को लेकर काफी उत्साहित हैं। अप्रैल में रेसलमेनिया 41 के बाद से वे टेलीविजन पर नहीं दिखे हैं। उस समय सैथ रॉलिंस और ब्रॉन ब्रेककर ने उन पर हमला किया था। पॉल हेमैन ने भी उन्हें धोखा दिया था। उस एपिसोड में सैथ रॉलिंस और ब्रॉन ब्रेककर ने उन पर हमला किया था। पॉल हेमैन ने भी रोमन रेंस को धोखा दिया था। इस घटना के बाद से ही रोमन रेंस के फैंस उनकी वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

समरस्लैम में नहीं होगी वापसी – डब्ल्यूडब्ल्यूई के अंदरूनी सूत्रों की मानें तो रोमन रेंस जल्द ही वापसी कर सकते हैं। यह भी बताया है कि उनका नाम आंतरिक दस्तावेजों में है। इससे पता चलता है कि डब्ल्यूडब्ल्यूई उनके लिए कुछ बड़ा प्लान कर रहा है। हालांकि, रोमन रेंस समरस्लैम में वापसी नहीं करेंगे।

डीपीएल की नीलामी से पहले पुरानी दिल्ली 6 ने उठाया बड़ा कदम, ऋषभ पंत को किया रिटेन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रीमियर लीग के 2024 संस्करण के सेमीफाइनलिस्ट पुरानी दिल्ली 6 ने आधिकारिक तौर पर स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को आगामी सीजन के लिए रिटेन करने की घोषणा की है। पंत को मार्की खिलाड़ी के रूप में रिटेन किया गया है। पुरानी दिल्ली 6 ने डीपीएल 2024 में अच्छा प्रदर्शन किया, पूरे लीग चरण में ठोस प्रदर्शन किया। हालांकि दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों में उनका सफर छोटा हो गया क्योंकि सेमीफाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द कर दिया गया।

पंत के टीम में बने रहने से उम्मीद है कि टीम 2025 सीजन में और अधिक प्रतिस्पर्धी इकाई बनाएगी। पंत के बारे में बात करते हुए पुरानी दिल्ली 6 के मालिक आकाश नांगिया ने कहा, 'ऋषभ पंत न केवल विश्व स्तरीय क्रिकेटर हैं, बल्कि पुरानी दिल्ली 6 की धड़कन भी हैं। उनका नेतृत्व, अनुभव और प्रतिभा हमें बढ़त दिलाती है। हम उनके ईद-गिर्द

एक मजबूत टीम बना रहे हैं और हमें इस साल जीत का पूरा भरोसा है।

अपनी खुशी जाहिर करते हुए पंत ने कहा, 'डीपीएल युवा प्रतिभाओं को अपना हुनर दिखाने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करता है और इस लीग को सफलतापूर्वक आयोजित करने का श्रेय रोहन जेटली और डीडीसीए को जाता है। डीपीएल द्वारा प्रदान किए गए अवसरों के माध्यम से देश भर के कई खिलाड़ी उभरे और विकसित हुए हैं, जैसे कि दिग्वेश राठी, प्रियांश आर्य और अन्य। उन्होंने कहा, 'पुरानी दिल्ली 6 वास्तव में घर जैसा लगता है, दिल्ली के प्रशंसकों की जीवंत ऊर्जा और जीतने की बेजोड़ भूख से भरपूर। पिछले साल एक आशाजनक सीजन के बाद, सफल होने का हमारा दृढ़ संकल्प और भी बढ़ गया है और हम इस साल और भी मजबूती से वापसी करने के लिए आशावादी हैं।

महिला एशियाई कप क्वालीफायर

भारत ने इराक को 5-0 से हराया

चियांग माइ, एजेंसी। भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए इराक पर जीत दर्ज की। बुधवार को चियांग माइ स्टेडियम की

700वीं वर्षगांठ पर भारत ने इराक को 5-0 से हराया।

पहले हाफ में संगीता बासफोर और मनीषा ने भारत की स्थिति मजबूत कर दी। वहीं, दूसरे हाफ में कार्तिका अंगमुथु, फंजौबाम निर्मला देवी और नोंगमाईथेम रतनबाला देवी ने गोल करके टीम को बढ़त दिलाई। भारत ने अब तक तीन मैचों में 22 गोल दागे हैं, जबकि एक भी गोल भारतीय टीम के खिलाफ नहीं हुआ है। भारतीय टीम तीनों मैच जीती है। भारतीय टीम ग्रुप बी में 9 अंक के साथ शीर्ष पर है। वहीं, थाईलैंड दूसरे स्थान पर है। 5 जुलाई को भारत-थाईलैंड के बीच मैच होगा। मंगोलिया (13-0) और तिमोर-लेस्ते (4-0) के खिलाफ जीत दर्ज करने के बाद इराक के खिलाफ पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरी भारतीय टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया।

टीम ने इराकी डिफेंस को भेदने के लिए शानदार ड्रिब्लिंग का इस्तेमाल किया। वहीं, मिडफील्डर्स ने पासिंग और त्वरित बदलावों के साथ गति को नियंत्रित किया। ब्रेक के समय 2-0 से पीछे चल रहे इराक ने एक बदलाव किया और अलजेबारी की जगह फैजा महमूद को मैदान में उतारा। लेकिन भारत की बढ़त बरकरार रही।

दूसरे हाफ में बमुश्किल तीन मिनट ही हुए थे कि कार्तिका अंगमुथु ने 25 गज की दूरी से एक शानदार शॉट लगाया, जो गोल में बदल गया। भारत की तरफ से चौथा गोल 68वें मिनट में निर्मला देवी ने किया। जबकि, 5वां गोल 80वें मिनट में रतनबाला देवी ने किया।

रोनाल्डो के साथी खिलाड़ी की मौत, 2 हफ्ते पहले बचपन की प्रेमिका से रचाई थी शादी

नई दिल्ली, एजेंसी। लिवरपूल के स्टार डिओगो जोटा की 28 साल की उम्र में गुरुवार (3 जून) को नॉर्थ स्पेन में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। उनकी लेम्बोर्गिनी के सड़क से फिसलने से हादसा हुआ। उन्होंने अपनी बचपन की प्रेमिका से दो हफ्ते पहले ही शादी की थी। कार में पुर्तगाल के फॉरवर्ड के साथी फुटबॉलर और भाई आंद्रे सिल्वा भी थे। 26 वर्षीय आंद्रे की भी दुर्घटना में मौत हो गई। जोटा पुर्तगाल की राष्ट्रीय टीम के लिए भी खेले हैं। वह 2019 और 2025 में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की अगुआई में यूईएफए नेशंस लीग जीतने वाली पुर्तगाली टीम का हिस्सा भी रहे। वहीं,सिल्वा निचले डिवीजनों में पुर्तगाली क्लब पेनाफेल के लिए खेले हैं। रिपोर्ट के अनुसार माना जा रहा है कि वलाडोलिड से 70 मील पश्चिम में ए-52 पर ओवरटेक करते समय लेम्बोर्गिनी का टायर फट गया।

विश्व मुक्केबाजी कप

मीनाक्षी और पूजा रानी ने भारत के लिए पदक सुनिश्चित

अस्ताना, एजेंसी। भारतीय मुक्केबाजी दल ने कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में चल रही विश्व मुक्केबाजी कप में दो पदक सुनिश्चित कर दिया हैं। मीनाक्षी (48 किग्रा) और पूजा रानी (80 किग्रा) ने देश के लिए पदक सुनिश्चित किया है।

मीनाक्षी ने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की गुओ यी-जुआन के खिलाफ शानदार और प्रभावशाली जीत दर्ज की। भारतीय मुक्केबाज ने अपने तीखे फुटवर्क, सटीक मुक्के और रिंग में अपनी शानदार जागरूकता दिखाते हुए 5-0 के साथ सर्वसम्मत जीत हासिल की। मुकाबले की गति को नियंत्रित करने तथा दूरी से स्पष्ट रूप से अंक प्राप्त करने की उनकी क्षमता ने निर्णायकों को किसी भी प्रकार के संदेह से मुक्त रखा। उन्होंने सेमीफाइनल में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया और इसके साथ ही अपने लिए कम से कम कांस्य पदक सुनिश्चित कर लिया। भारत की सबसे अनुभवी मुक्केबाजों में से एक पूजा रानी ने 80 किग्रा वर्ग में स्थानीय गुलसाया येरजान के खिलाफ दमदार प्रदर्शन किया। क्वार्टर फाइनल जैसे कड़े और अहम मुकाबले में पूजा ने आक्रामकता और नियंत्रण

का मिश्रण करते हुए 4-1 के विभाजित निर्णय के जरिए जीत हासिल की। इस मुकाबले में पूजा ने शुरुआती दौर में दबाव झेला, लेकिन बाद के चरणों में निर्णायक पंच जड़े। आखिरी समय में उनके जोरदार पंच ही उनकी जीत का कारण बने। इस जीत के साथ, उन्होंने पोडियम फिनिश हासिल किया और अब वह सेमीफाइनल में पहुंचकर इसे स्वर्ण में बदलने की कोशिश करेंगी।

इससे पहले, अनामिका (51 किग्रा) ने क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं। उन्होंने तुर्की की आयसेन तस्किन को हराया, जिससे इस भार वर्ग में भारतीय की उम्मीदें जीवित हैं।

पुरुषों की ओर से जदुमणि सिंह ने फिलीपींस के जे. ब्रायन बारिकुआत्रो के खिलाफ एक करीबी मुकाबले में बहादुरी से मुकाबला किया। जोशीले प्रयास के बावजूद जदुमणि बहुत कम अंतर से हार गए और कड़े मुकाबले के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

13 छक्के अश्विन ने 48 गेंदों पर मचाया

सबसे बड़ी पारी खेलकर टीम को टीएनपीएल के क्वालिफायर 2 में पहुंचाया

नई दिल्ली, एजेंसी। वाह भाई वाह. मान गए अश्विन. निभा दी टीएनपीएल 2025 में अपनी टीम डिंडीगुल के लिए सबसे बड़ी भूमिका. ये हुई ना कप्तानों वाली बात. कहते हैं जब मंच बड़ा होता है, तभी परफॉर्मेन्स देने का भी मजा होता है. अश्विन ने भी उसी बड़े मंच का फायदा उठाया है. टीएनपीएल 2025 के एलिमिनेटर मैच जैसे बड़े मौके पर कप्तान होने के नाते उन्होंने अपनी टीम को वाकई फ्रंट से लीड किया है. जब पहले उन्होंने ऐसे गेंद से किया तो हैरानी नहीं हुई क्योंकि उसके तो वो मास्टर हैं ही. लेकिन जो बल्ले से उन्होंने तूफान मचाया, उस देखकर भइया सचमें मजा आ गया.

बल्ले से पहले अश्विन ने गेंद से बरपाया कहर – अश्विन ने टीएनपीएल 2025 में अपनी सबसे बड़ी पारी खेली है. वो भी सिर्फ 48 गेंदों का सामना करते हुए. हालांकि, इस पारी की बात करें उससे पहले जरा अश्विन के गेंद से मचाए गदर के बारे में जान लीजिए. टीएनपीएल 2025 में 2 जुलाई को डिंडीगुल और चोलाज के बीच एलिमिनेटर मैच खेला गया. इस मैच में ट्रिची ग्रैंड चोलाज ने पहले बैटिंग की. मगर वो 20 ओवर में 150 रन का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके. ऐसा इसलिए क्योंकि अश्विन की कमान में डिंडीगुल के गेंदबाजों ने उन पर नकेल कसे रखी. चोलाज ने 20 ओवर में 9 विकेट पर सिर्फ 140 रन बनाए. इन 9 विकेटों में 3 विकेट अकेले कप्तान अश्विन के रहे. उन्होंने 4 ओवर में 28 रन देते हुए ये 3 विकेट लिए और मैच में अपनी टीम के सबसे सफल गेंदबाज रहे. टीएनपीएल 2025 में अश्विन का ये दूसरा बेस्ट बॉलिंग फीगर है. इससे पहले वो 22 रन देकर भी 3 विकेट ले चुके हैं.

13 छक्के बल्ले से 48 गेंदों में मचाया तूफान – अब मैच बड़ा था. मामला एलिमिनेट होने या फिर फाइनल की ओर कदम बढ़ाने से जुड़ा था. तो ऐसे में भला अश्विन सिर्फ गेंद से कहर बरपाकर कहां मानने वाले थे. ऐसे में जब 141 रन का लक्ष्य मिला तो उसे चेज करने के दौरान अश्विन ने अपने बल्ले का जौहर भी खूब दिखाया. अश्विन ने डिंडीगुल के लिए पारी की शुरुआत की और सिर्फ 48 गेंदों में ही इतने रन ठोक दिए कि ये इनिंग टीएनपीएल 2025 में उनकी सबसे बड़ी पारी की वजह बन गई.

सरदार-जी 3 को लेकर विवाद के बाद भी

दिलजीत की चुप्पी बरकरार

अभिनेता-गायक दिलजीत दोसांझ की फिल्म सरदार-जी 3 को लेकर विवाद जारी है। इस बीच अभिनेता में सोशल मीडिया पर लेटेस्ट पोस्ट शेयर किया। जिसमें वह प्राइवेट जैट में बैठे पोज देते नजर आ रहे हैं। दरअसल, बुधवार को अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह स्वैग दिखाते हुए प्राइवेट जेट पर बैठे पोज दे रहे हैं। अमर सिंह चमकीला अभिनेता अपने आलीशान प्राइवेट जेट में बैठे और पोज देते नजर आ रहे हैं। एक कैंडिड शॉट में, अभिनेता सफेद कुर्ता-पायजामा पहने अपनी मूंछों को ताव देते नजर आ रहे हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, सरदार जी 3 ने विदेशों में तोड़े रिकॉर्ड। बता दें कि ये फिल्म 27 जून को दुनिया के कई देशों में रिलीज हुई है। वहीं, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। फिल्म में दिलजीत दोसांझ, नीरू बाजवा और पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर जैसे स्टार्स शामिल हैं। पहलगाम हमले के बाद भारत में पाकिस्तानी आर्टिस्ट की एंट्री बैन हो गई थी। ऐसे में जब हानिया आमिर के साथ दिलजीत की फिल्म आई तो खूब बवाल हुआ। इसी कारण से फिल्म को इंडिया में रिलीज नहीं किया गया। वहीं, मेकर्स का कहना है कि पहलगाम अटैक से पहले ही फिल्म की कास्टिंग हो गई थी। चल रहे विवाद के बीच, कई मशहूर हस्तियों ने दिलजीत दोसांझ के समर्थन में आवाज उठाई है। हालांकि, टेलीविजन अभिनेत्री रूपाली गांगुली सहित कुछ लोगों ने अलग रुख अपनाया है और सार्वजनिक रूप से उनकी आलोचना की है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के कुछ समय बाद, फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने दिलजीत दोसांझ से सभी रिश्ते तोड़ने की अपील करते हुए निर्देशक इम्तियाज अली को एक पत्र लिखा। इसमें कहा गया है, आपका इस तरह से जुड़ना एक गहरे और विरोधाभासी संदेश को जन्म देता है।

अक्षय खन्ना के साथ स्क्रीन शेयर करना सपना सच होने जैसा: अनुष्का लुहार

अभिनेत्री अनुष्का लुहार अपनी आने वाली फिल्म अक्षरधाम - ऑपरेशन वज्र शक्ति की रिलीज की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने बात करते हुए इस फिल्म में काम करने का अनुभव साझा किया। अनुष्का ने बताया कि अक्षय खन्ना के साथ काम करना काफी शानदार रहा। वह सीनियर और टैलेंटेड अभिनेता हैं। उनके साथ काम करके काफी कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा, अक्षरधाम-ऑपरेशन वज्र शक्ति की पूरी टीम के साथ काम करना मेरे लिए एक काफी अच्छा और संतोषजनक अनुभव रहा। बचपन से ही मैं अक्षय खन्ना की फिल्में देखकर बड़ी हुई हूं और उनकी फैन रही हूं। उनकी फिल्म 36 चाइना टाउन में उनका अभिनय मुझे बहुत पसंद आया था। अब जब मुझे उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला है, तो यह सपने जैसा लग रहा है और मेरे लिए वाकई में बहुत खास है। उन्होंने कहा, अक्षय सर सेट पर एक अलग ही शांति और एकाग्रता लेकर आते हैं। उनका तरीका बहुत प्रेरणादायक है। उन्हें काम करते हुए देखना, उनके समर्पण को महसूस करना अपने-आप में एक सीखने का अनुभव रहा है। उन्होंने अपने किरदार को सच्चाई और गहराई से निभाया है। इस फिल्म में पूरी टीम ने दिल से मेहनत की है, और ऐसे समर्पित और टैलेंटेड लोगों के साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात है। अभिनेत्री ने निर्देशक केन घोष के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, केन घोष का शांत स्वभाव, अटूट समर्थन और उनकी दयालुता ने पूरी फिल्म बनाने की प्रक्रिया को बहुत आसान और मजेदार बना दिया। मैं पहले भी जी5 की एक वेब सीरीज में उनके साथ काम कर चुकी हूं। इस सीरीज के दौरान उन्होंने मुझे सेजल के किरदार के लिए चुना था। उन्होंने मुझे ऑडिशन देने के लिए प्रोत्साहित किया।

मैं उनके इस विश्वास के लिए बहुत आभारी हूं। उन्होंने कहा, केन सर का धैर्य और उनका मिलनसार स्वभाव सेट पर सकारात्मक माहौल बनाता है। मैं उनके काम और हर प्रोजेक्ट में उनकी ईमानदारी की बहुत कदर करती हूं। उन्होंने इस फिल्म में पूरी जान लगा दी है, और मुझे सच में उम्मीद है कि दर्शकों को भी वही भावनात्मक जुड़ाव महसूस होगा जो हमें फिल्म बनाते वक्त हुआ। मैं भविष्य में उनके साथ फिर से काम करना चाहूंगी।

मुझे प्रभावित करती है केके मेनन की शैली: ताहिर

मोस्टअवेटेड जासूसी-थ्रिलर स्पेशल ऑप्स 2 11 जुलाई से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने वाली है। इस सीरीज में एक्टर ताहिर राज भसीन खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। ताहिर ने अपने को-एक्टर केके मेनन के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया और बताया कि उनसे काफी कुछ सीखने को मिला। ताहिर ने केके मेनन के साथ एक्टिंग को एक बड़ी उपलब्धि और चुनौती बताया। उन्होंने कहा, केके मेनन जैसे दिग्गज एक्टर के सामने काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैंने उनके हीरो और विलेन दोनों किरदारों को देखकर बहुत कुछ सीखा है। हिम्मत सिंह के रूप में उनकी एक्टिंग, गंभीरता दर्शकों को बेहद पसंद है। हालांकि, मेरा किरदार ऐसा है, जो कहानी में तनाव को और बढ़ाता है, जिसमें सहजता और चतुराई दोनों का तड़का है। ताहिर ने मेनन से मिली सीख का जिक्र करते हुए कहा, केके सर से मैंने सेट पर और बाहर दोनों जगह बहुत कुछ सीखा। उनकी धैर्यपूर्ण और सादगी भरी शैली मुझे बहुत प्रभावित करती है। जिंदगी के अनुभवों से भरी बातचीत से बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

स्पेशल ऑप्स 2 में केके मेनन एक बार फिर अधिकारी हिम्मत सिंह की भूमिका में दिखेंगे। इस बार हिम्मत एक ऐसी जंग लड़ते हैं, जो दिखाई नहीं देती। मेनन ने अपने किरदार के बारे में कहा, हिम्मत सिंह हमेशा बुद्धि, साहस और जज्बे के साथ लड़ता है। इस बार चुनौती और भी जटिल है। यह सीजन न केवल देश की सुरक्षा के मुद्दों को उठाता है, बल्कि हिम्मत के निजी जीवन, एक पिता और देशभक्त की भावनाओं को भी उजागर करता है।

शिवम नायर के निर्देशन में तैयार इस सीरीज में ताहिर राज भसीन, केके मेनन के साथ एक्टर प्रकाश राज, विनय पाठक, सयामी खेर, इब्राहिम, गौतमी कपूर, परमीत सेठी और काली प्रसाद मुखर्जी जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में हैं। स्पेशल ऑप्स 2 साइबर और राष्ट्रीय सुरक्षा की पृष्ठभूमि में एक रोमांचक कहानी पेश करती है। सीरीज का प्रीमियर 11 जुलाई से जियो हॉटस्टार पर होगा।

मैं दोबारा शादी कर रहा हूं... जब अभिषेक बच्चन ने ऐश्वर्या राय संग तलाक पर तोड़ी चुप्पी, कर दी थी बोलती बंद

अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन की प्रेम कहानी चर्चित रही है। उनकी शादी को लेकर कई अफवाहें उड़ीं। अभिषेक ने इन अफवाहों का जवाब मजाकिया अंदाज में दिया। उन्होंने बताया कि झूठी खबरें उनके परिवार को कैसे प्रभावित करती हैं।

ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन के तलाक की अफवाहों पर लगा फुलस्टॉप, बेटी आराध्या संग वेकेशन से लौटा कपल! अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन की प्रेम कहानी हमेशा से बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा कहानियों में से एक रही है। उनका रिश्ता 2000 के दशक में तब पनपना शुरू हुआ जब उन्होंने मुजफ्फर अली की उमराव जान (2006) में साथ काम किया। धूम 2 में साथ काम करते हुए उनका बॉन्ड और भी मजबूत हो गया, जिसे उसी समय के आसपास शूट किया गया था। जो दोस्ती से शुरू हुआ वह जल्द ही गहरे प्यार में बदल गया, जिसके बाद 2007 में उनकी भव्य शादी हुई।

तब से, यह जोड़ी इंडस्ट्री की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक बनी हुई है, जो अक्सर हाथों में हाथ डाले दिखाई देती है और हर अच्छे-बुरे समय में एक-दूसरे का साथ देती है। हालांकि फैंस उन्हें बहुत प्यार करते हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उनकी शादी में परेशानियों के बारे में कई अफवाहें उड़ी हैं। कुछ ने तो यह दावा भी किया कि यह कपल तलाक लेने वाला है।

अभिषेक बच्चन ने तलाक पर तोड़ी चुप्पी

साल 2016 में अभिषेक बच्चन ने फैसला किया कि उन्होंने काफी कुछ सुन लिया है। ऐश्वर्या से अलग होने की लगातार चर्चा के बाद एक्टर ने ट्विटर पर जाकर पूरी सच्चाई बताई। अपनी खास कॉमिक टाइमिंग के साथ उन्होंने अपने अंदाज में अफवाहों को खारिज कर दिया। उन्होंने लिखा, ठीक है.... तो मुझे लगता है कि मैं तलाक ले रहा हूं। मुझे बताने के लिए धन्यवाद! क्या आप मुझे भी बताएंगे कि मैं कब दोबारा शादी कर रहा हूं? धन्यवाद।

फुल-पैकेज परफ़ॉर्मर - टाइगर श्रॉफ ने बेपनाह के साथ मचाया धमाल

एक्शन सुपरस्टार और बॉलीवुड के सबसे युवा ऑल-राउंड एंटरटेनर टाइगर श्रॉफ ने हाल ही में अपना नया सिंगल बेपनाह रिलीज़ कर दिया है और इसका क्रेज़ फौरन छा गया है। टाइगर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा है -अपने डांसिंग शूज़ पहन लो, बेपनाह आउट हो गया है! यह पोस्ट फैंस को देता है पूरा अनुभव- दमदार सिंगिंग, बेहतरीन कोरियोग्राफी और ऐसी स्क्रीन प्रेज़ेंस जिसे नज़रअंदाज़ करना नामुमकिन है। डीआरजे रिकॉर्ड्स के तहत रिलीज़ हुए इस ट्रैक को अवितेश श्रीवास्तव ने कंपोज़ किया है और प्रतिष्ठित जोड़ी बॉस्को-सीज़र द्वारा कोरियोग्राफ किया गया है। लेकिन इस सबका दिल हैं टाइगर श्रॉफ एक ऐसा परफॉर्मर जो परफेक्शन, पैशन और स्टार पावर का बेहतरीन मिश्रण प्रस्तुत करता है। चाहे सिंगिंग हो या विज़ुअल्स बेपनाह सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि एक मास्टरक्लास है कि एक सम्पूर्ण परफॉर्मर क्या होता है। टाइगर की एनर्जी, म्यूज़िकलिटी और मूवमेंट पर कंट्रोल ने इसे उनके अब तक के सबसे बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक बना दिया है। यह केवल एक म्यूजिक रिलीज़ नहीं – यह एक ऐसा परफॉर्मेंस है जो उन्हें सबसे अलग श्रेणी में ला खड़ा करता है। अपने आदर्श माइकल जैक्सन से प्रेरणा लेते हुए टाइगर ने इस गाने में उनकी झलक देते हुए स्टाइलिश और धारदार कोरियोग्राफी की है, जो हर बीट पर सटीक बैठती है। टीज़र ने इसकी झलक पहले ही दे दी थी, लेकिन फुल वीडियो ने साफ कर दिया – यह परफॉर्मेंस किसी अंतरराष्ट्रीय पॉप कॉन्सर्ट या फिर वॉर 2 जैसी हाई-ऑक्टेन फिल्म में भी पूरी तरह फिट बैठती। सोशल मीडिया पर, प्रशंसक और संगीत प्रेमी बेपनाह को एक याद दिलाने वाला गाना कह रहे हैं कि टाइगर श्रॉफ सिर्फ भारत के एक्शन किंग नहीं हैं – वो देश के इकलौते फुल-पैकेज परफॉर्मर हैं। सिंगर, डांसर, एक्टर और एंटरटेनर – सब कुछ एक ही इंसान में समाया है।

क्या प्रियंका चोपड़ा के पति निक को नहीं पसंद है खुद को जीजू कहलाना? एक्ट्रेस ने किया खुलासा

अमेरिकन सिंगर निक जोनस ने जबसे प्रियंका चोपड़ा से शादी की है तब से वह नेशनल जीजू कहलाए जाने लगे हैं। प्रियंका चोपड़ा ने उदयपुर में एक बड़े समारोह में दिसंबर 2018 में निक जोनस से शादी की थी। दोनों ने दो शादियां की थीं। एक तो हिंदू परंपरा के मुताबिक और दूसरी निक जोनस के हिसाब से। प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस अक्सर भारत आते रहते हैं। फैंस और पैपराजी उन्हें प्यार से जीजू बुलाते हैं। सोशल मीडिया पर भी उन्हें इसी नाम से बुलाया जाता है। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने बताया है कि निक जोनस को जीजूशब्द पसंद है या नहीं।

जीजू शब्द पर प्रियंका ने रखी राय

हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड हंगामा से बातचीत में बताया मुझे लगता है जीजू बहुत प्यारा नाम है। वह इसे पसंद करते हें। यह मुझे भी अच्छा लगता है। इसमें अपनापन है। प्रियंका से पूछा गया कि दोनों में अच्छा जासूस कौन है। इस पर प्रियंका ने जवाब दिया मैं हूं।

65 साल का हीरो और 17 साल की हीरोइन

बजरंगी भाईजान की मुन्नी को मिली साउथ की बड़ी फिल्म

सलमान खान की फिल्म बजरंगी भाईजान से घर-घर मुन्नी के नाम से प्रसिद्ध हुईं हर्षाली मल्होत्रा को साउथ की फिल्म में एंट्री मिल गई है। इस बात की जानकारी खुद हर्षाली ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर दी है। हर्षाली ने फिल्म से अपना पहला लुक शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है।

हर्षाली मल्होत्रा का पोस्ट

हर्षाली ने इंस्टाग्राम पर फिल्म अखंडा 2 से अपना पहला लुक शेयर किया और कैप्शन में लिखा, एक खामोशी थी, जो सब कुछ कह गई, एक मुस्कान थी, जो दिल में रह गई। छोटी सी मुन्नी थी, पर यादों में बड़ी बन गई। आज फिर एक कहानी लेकर आई हूं, इस बार लफ्जों के साथ, एक नई रोशनी बन कर छायी हूं।

बजरंगी भाईजान में अपने किरदार मुन्नी को लेकर कही खास बात

हर्षाली मल्होत्रा ने आगे लिखा, मुन्नी सिर्फ एक किरदार नहीं थी, वह एक एहसास थी, एक याद थी, एक दिल की धड़कन थी - कुछ ऐसा जो तुम्हारे साथ और मेरे साथ रहा। इतने वक्त बाद भी, मैंने तुम्हारे प्यार को थामे रखा है- धैर्यपूर्वक, चुपचाप, और कृतज्ञता से भरे दिल से, जब तुम मुन्नी को याद कर रहे थे, मैं तैयारी कर रही थी - सीख रही थी, बढ़ रही थी, और बन रही थी, ताकि एक दिन, जब मैं लौटूं, तो मैं सिर्फ उस छोटी लड़की के रूप में नहीं, बल्कि आपके साथ स्क्रीन पर फिर से सब कुछ महसूस करने के लिए तैयार होकर लौटूं।

फिल्म अखंडा में अपने किरदार को लेकर कही यह बात

हर्षाली मल्होत्रा ने आगे लिखा, अब, मैं आखिरकार उसे आपके साथ साझा करने के लिए तैयार हूं। जननी से मिलिए - एक नई कहानी, एक नया एहसास, मेरा एक नया अध्याय। वह हंसती है, वह सपने देखती है, वह दिल से बोलती है, औड्डर मैंने अपनी आत्मा हर सीन में डालती है। इस बार भी मुझे आपका प्यार चाहिए - वही आशीर्वाद, वही तालियों की गूंज, वही आंखों का प्यार, मेरे लिए वही जज्बात। मुन्नी की खामोशी से लेकर जनानी की आवाज तक, यह सिर्फ मेरी वापसी नहीं है - यह हमारा है। ऋअखंड2, सिनेमाघरों में दशहरा 25 सितंबर, पैन इंडिया रिलीज - हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम।

फिल्म अखंडा 2

इस फिल्म में साउथ अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह साल 2021 में आई अखंड का ही सीक्वल है। फिल्म का निर्देशन बोयापति श्रीनु ने किया है। अखंडा 2 25 सितंबर को सिनेमाघरों में कई भाषाओं में रिलीज की जाएगी।

सलमान खान ने जबरन साइन कराया...

- **पुनीत इस्सर को बिग बॉस में जाने के लिए किया गया था मजबूर! अब निकाली भड़ास**

पुनीत इस्सर ने खुलासा किया कि सलमान खान ने उन्हें बिग बॉस में भाग लेने के लिए मजबूर किया था। सलमान, पुनीत से स्क्रिप्ट सुनने के लिए घर बुलाते थे। बिग बॉस की टीम ने पुनीत को शो में लेने का फैसला किया। पुनीत ने मना किया पर सलमान ने उन्हें फंसा लिया।

बिग बॉस भारतीय टेलीविजन इतिहास के सबसे विवादित शोज में से एक है। रियलिटी टीवी शो दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय है, जिसका श्रेय इसके होस्ट सलमान खान और इसके कॉन्सेप्ट को जाता है। एक्टर पुनीत इस्सर ने भी शो में हिस्सा लिया था, लेकिन अपनी मर्जी से नहीं। सिद्धार्थ कन्नन के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में पुनीत ने खुलासा किया कि कैसे सलमान खान ने उनकी मर्जी के खिलाफ उन्हें बिग बॉस में हिस्सा लेने के लिए मजबूर किया। इस बात का खुलासा करते हुए पुनीत इस्सर ने कहा, मैं सलमान के साथ एक फिल्म बनाने जा रहा था, मैं उन्हें स्क्रिप्ट सुनाने के लिए उनके घर जाता रहता था। वो तब वो बिग बॉस के घर में होता था, बोला पुन्स उधर आजा यार। इसलिए, जब उन लोगों (बीबी टीम) ने मुझे देखा, तो वे कहने लगे कि इसको डालते हैं बिग बॉस के घर के अंदर। इसलिए वे सलमान के पास गए।